

400 करोड़ी हनुमान अंश की सफलता पर बॉलीवुड की चुप्पी पर फूटा डायरेक्टर का गुस्सा, बोले- 'हमारी फिल्म छोटी

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 26
न्यूनतम - 14

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 323 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 21 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 12 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

योगी आदित्यनाथ की मां का निधन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 91 साल की थीं। सावित्री देवी लंबे समय से बीमार चल रही थीं।



पौड़ी गढ़वाल ने पंचूर गांव में सुबह 11 बजे अंतिम सांस ली। उस वक्त घर में योगी के भाई महेंद्र और उनका परिवार मौजूद था। योगी आदित्यनाथ करीब 4 बजे तक पंचूर गांव पहुंच सकते हैं। एसएसपी सर्वेश पवार ने बताया कि आज ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जा सकता है। जिस वक्त सावित्री देवी का विधन हुआ उस वक्त योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में सशक्त युवा, समृद्ध उत्तर प्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राजस्थान में 6 डिग्री, मप्र में पारा 7 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके असर से मैदानी राज्यों में भी कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है।

राजस्थान के फतेहपुर में पारा 5.7 डिग्री दर्ज किया गया। एमपी में कटनी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 7



डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रहा। ठंड के साथ ही कोहरे की भी शुरुआत हो गई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सुबह घना कोहरा छाया है। इधर चक्रवाती तूफान अकवान का असर देश के कई राज्यों में दिख रहा है। इसके चलते बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है।

गुड न्यूज भोपाल में आईसीएआर संस्थान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

बर्ड फ्लू से बचाव के लिए लॉन्च की पहली स्वदेशी वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। *भारत ने मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए पहली स्वदेशी एच5एन1 वैक्सीन विकसित की है। भोपाल स्थित आईसीएआर संस्थान ने इसे तैयार किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे लॉन्च किया। वैक्सीन बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस के एक खास प्रकार के खिलाफ बनाई गई है।*

हाल के वर्षों में बर्ड फ्लू की दुनियाभर में खूब चर्चा रही है, इससे कई स्थानों से मौत की खबरें भी सामने आई थीं। वैसे तो बर्ड फ्लू को मुर्गियों से फैलने वाली बीमारी माना जाता रहा है। यह बीमारी इतनी गंभीर हो सकती है कि संक्रमित पक्षियों में मौत का आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। ऐसे में मुर्गियों को इस जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश में पहली बार एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के स्ट्रेन के खिलाफ स्वदेशी वैक्सीन तैयार की गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में इस वैक्सीन को लॉन्च किया।



यह वैक्सीन भारत की आत्मनिर्भरता का उदाहरण : शिवराज

यह वैक्सीन न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दिखाती है, बल्कि पोल्ट्री क्षेत्र को बर्ड फ्लू जैसी गंभीर बीमारी से बचाने की दिशा में भी अहम कदम मानी जा रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में मुर्गियों को बर्ड फ्लू से बचाने के लिए देश में विकसित पहली स्वदेशी एच5एन1 वैक्सीन लॉन्च की। कार्यक्रम में वैक्सीन लॉन्च करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह वैक्सीन भारत की आत्मनिर्भरता का उदाहरण है।



इस वैक्सीन को भोपाल स्थित आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज (राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान) ने विकसित किया है। यह संस्थान पशुओं और पक्षियों में फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारियों पर रिसर्च करता है।

यह भारत में पहली ऐसी वैक्सीन है, जिसे बेहद खतरनाक एवियन इन्फ्लूएंजा के एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए प्रकार के खिलाफ तैयार किया गया है।

क्लेड का मतलब वायरस का एक खास समूह या प्रकार है, जिसकी आनुवंशिक बनावट दूसरे प्रकारों से कुछ अलग हो सकती है।

हाइली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) को आम भाषा में बर्ड फ्लू कहा जाता है। यह मुर्गियों और दूसरी पक्षियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर बीमारी है। इस बीमारी के फैलने पर संक्रमित पक्षियों में लगभग 100 प्रतिशत तक मौतें हो सकती हैं। हाल के दिनों में इंसानों में भी बर्ड फ्लू का खतरा देखा गया है।

● *25 देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल*

पीएम ने दिल्ली में पहले एससीओ फोरम का उद्घाटन किया



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 20 से 22 नवंबर तक चलेगा।

इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर कर रहे हैं।

इस फोरम में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत पहुंचा। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक इसमें शामिल हुए। वे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस फोरम में चीन, ईरान सहित 25 देश शामिल हुए हैं। फोरम का उद्देश्य सदस्य देशों की साझा सभ्यता और संस्कृति को सामने लाना और उनके बीच आपसी बातचीत को बढ़ावा देना है।

चीन, ईरान सहित कई देश फोरम में शामिल

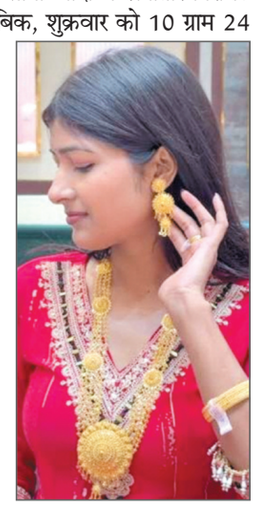
केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 13 नवंबर को बताया था कि भारत ने 25 देशों को निमंत्रण भेजा है। इनमें चीन, कजाकिस्तान, ईरान, किर्गिज रिपब्लिक, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, अजरबैजान, आर्मेनिया, बहरीन, नेपाल, सऊदी अरब, कंबोडिया, तुर्किये और श्रीलंका शामिल हैं।

पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर शेखावत ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान भी आएगा। उनके मुताबिक, दोनों देशों की संस्कृति और सभ्यता का विकास साथ-साथ हुआ है। 1947 के बंटवारे के बाद दोनों देश अलग हुए, लेकिन उनकी साझा विरासत में अंतर नहीं है। शेखावत ने कहा था कि भारत चाहता है कि SCO केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित न रहे, बल्कि साझा सभ्यता और मानवीय मूल्यों पर बातचीत का मंच भी बने। इससे देशों और उनके लोगों के बीच बेहतर संबंध और आपसी समझ विकसित करने में मदद मिलेगी।

सोना एक साल में सबसे सस्ता

1.23 लाख पर आया, 6 हजार दाम घटे; चांदी के दाम भी 10 हजार गिरे

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोना-चांदी में लगातार गिरावट जारी है। आईबीजेए के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,947 रुपए सस्ता होकर 1.23 लाख रुपए पर आ गया। इस गिरावट के बाद सोना करीब एक साल पुराने स्तर पर पहुंच गया है। पिछले साल 24 नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,308 रुपए था। इसके बाद सालभर तक इसके भाव ज्यादा बने रहे। इधर, चांदी के भाव में भी शुक्रवार को 9,789 रुपए प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद चांदी 1.50 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ऊंचे स्तरों पर मुनाफा वसूली के चलते सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।



जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की लिस्ट से हटाने पर सुनवाई

● *सुप्रीम कोर्ट बोला- दावों की पुष्टि के लिए हलफनामा दें*

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने से जुड़ी याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता की लिखित दलीलों में शामिल तथ्यों पर सवाल उठाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि जो भी दावे हैं, उनकी पुष्टि हलफनामे के जरिए होनी चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति उनकी जिम्मेदारी ले सके।

वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि दलीलों में विवादित तथ्यों के बजाय कानूनी



प्रावधानों और तर्कों का जिक्र है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हलफनामे के बिना तथ्यात्मक दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता को जवाबी दलील दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई टाल दी गई।

- **चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून पर सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार**-मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में 23 सितंबर के खंडित फैसले को वापस लेने की मांग की गई थी। इस मामले को पांच जजों की संविधान पीठ के पास भेजा गया था।
- **कावेरी पानी विवाद पर तमिलनाडु की सुप्रीम कोर्ट की 2 याचिकाएं खारिज** - सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कावेरी पानी विवाद से जुड़ी तमिलनाडु सरकार की दो अर्जियां खारिज कर दीं। राज्य ने कर्नाटक को करीब 11 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी।

जयराम रमेश बोले-

पीएम मोदी को एहसास हो गया है कि वे जल्द आउटगोइंग पीएम होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी का उद्योगपतियों पर हमला दिखाता है कि वे परेशान और निराश हैं। उन्हें जल्द ही प्रधानमंत्री पद



छोड़ने का एहसास हो गया है, इसलिए वे अपनी सरकार की नीतियों की कमियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ रहे हैं।

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 12 साल में महंगाई पर काबू नहीं पाया गया, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं बने और निजी निवेश की रफ्तार धीमी रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार की नीतियों से छोटे कारोबार प्रभावित हुए हैं और आर्थिक ताकत कुछ बड़े उद्योगपतियों के हाथों में सिमट गई है। ये सभी कांग्रेस के आरोप हैं। प्रधानमंत्री ने एफआईसीसीआई कार्यक्रम में उद्योगपतियों को रोजगार और कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने की सलाह दी थी।

आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तट से टकराया चक्रवात अकवान

● *90 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रहीं; ओडिशा-आंध्र में भारी बारिश, 4 लाख लोग शिफ्ट*

भुवनेश्वर/विशाखापट्टनम (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान अकवान शुक्रवार सुबह करीब 7.30 से 8.30 बजे के बीच आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच गोपालपुर तट से टकराया। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 90 किमी चल रही। तूफान का तट से टकराना अभी भी जारी है। तूफान के असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। इनके लिए 9,341 राहत शिविर बनाए गए हैं। साथ ही 423 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं।

तूफान के चलते पूर्वी रेलवे ने 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी हैं। वहीं, 29 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है।



तूफान का असर 10 राज्यों में पड़ सकता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी के अलावा मध्य प्रदेश और झारखंड में भी मौसम बदल सकता है और बारिश हो सकती है।

हरकत पाकिस्तान ने भारत के 36 राफेल की जगह 32 छापने के लिए ब्रिटिश पब्लिकेशन को दी थी मोटी रकम

रक्षा एक्सपर्ट बोले-घटिया हरकत, फ्लाइटग्लोबल को दिए गए थे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश एविएशन पब्लिकेशन 'फ्लाइटग्लोबल' ने अपनी 'वर्ल्ड एयर फोर्सेज डायरेक्टरी 2027' में ये दावा किया है कि भारतीय वायु सेना द्वारा खरीदे गए 36 राफेल लड़ाकू विमानों में से 32 अभी सक्रिय हैं। हकीकत ये है कि भारत के पास अब भी 36 एक्टिव राफेल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने पूरी तरह से गलत करार दिया है।

ये वही राफेल हैं, जिन्होंने मई, 2025 के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। उसी वक्त से पाकिस्तान राफेल से चिढ़ा हुआ है और जब-तब इसके खिलाफ प्रोपेगंडा वाली खबरें छपवाता रहा है।



पूर्व वाइस एयरचीफ बोले-पूरी तरह से गलत

फ्लाइटग्लोबल की रिपोर्ट में भारतीय वायु सेना के पास 4 राफेल जेट की संख्या कम होने के पीछे कोई स्पष्टीकरण या सबूत नहीं दिया गया है। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी (रिटायर्ड) ने इन आंकड़ों को पूरी तरह से गलत बताया और इस एविएशन मैगजीन के स्रोतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीनों बाद प्रकाशित अपनी पिछले साल की रिपोर्ट में भी, फ्लाइटग्लोबल ने 35 सक्रिय राफेल विमानों का जिक्र किया था।

पिछली बार भी राफेल की संख्या 35 बताई गई थी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद नवंबर 2025 में प्रकाशित फ्लाइटग्लोबल की इस डायरेक्टरी के पिछले संस्करण में भारत के बेड़े में मौजूद इन फ्रांसीसी निर्मित राफेल विमानों की संख्या 35 बताई गई थी। हालांकि, द हिंदू को रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इस आकलन की प्रमाणिकता पर सवाल उठाया है और कहा कि यह जानकारी मंत्रालय की ओर से नहीं दी गई थी। राफेल सौदे को लेकर भारत आगे बढ़ रहा है और IAF प्रमुख फ्रांस में बातचीत कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि डायरेक्टरी में छपे आंकड़े आईएएफ की ओर से नहीं आए हैं। वहीं, डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) जेएस सोढ़ी ने कहा है कि यह इस्लामाबाद की भारत को बदनाम करने की साजिश है।

24 यात्रियों से भरी मिनी बस 100 फुट गहरी खाई में गिरी

3 की मौत, 16 घायल

डिंडीगुल (एजेंसी)। तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में कोडईकनाल-पलानी पहाड़ी सड़क पर गुरुवार रात को सावरिकाडू के पास 24 यात्रियों को ले जा रही एक 407 मिनी बस के 100 फुट गहरी खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए।

सभी घायलों को डिंडीगुल में मेडिकल ट्रीटमेंट दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को आगे के इलाज के लिए कोयंबटूर रेफर किया गया है।

अनमोल वचन

जिन महामानवों को समाज की चिन्ता है, नैतिक मूल्यों के अवमूल्यन से दुखी हैं, समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों का पथ-प्रदर्शन करना चाहते हैं, वे अपने उन कर्तव्यों को प्राथमिकता देते हैं जिनसे समाज को कुछ प्रेरणाएँ प्राप्त हों। वे दुनिया की विषम परिस्थितियों से पिंड नहीं छुड़ाते, किसी की उपेक्षा नहीं करते, अपना कर्तव्य पालन करते हुए इस श्रद्धा और विश्वास के साथ अपने मिशन में लगे रहते हैं कि इसका अच्छा परिणाम समाज में देखने को अवश्य मिलेगा। उनका विचार निश्चित रूप से सही है कि यदि दूसरे आदमी के व्यवहार का प्रभाव उनके मन पर होता है, तो फिर उनके व्यवहार का प्रभाव दूसरों पर क्यों नहीं होगा? उन पर अपने प्रयासों का भार अनुभव नहीं होता, बल्कि उनमें वे आनन्द का अनुभव करते हैं, क्योंकि वे इस पुनीत कार्य को किसी बाध्यता के कारण नहीं, स्वेच्छा से करते हैं, अपनी अन्तरात्मा की प्रेरणा से करते हैं। इस कारण वे थकावट अथवा निराशा कभी महसूस नहीं करते, क्योंकि उनमें जगत का उद्धार करने का झूठा दंभ नहीं रहता। वास्तव में ऐसी पुण्य आत्माएँ समाज की धरोहर होती हैं।

छतेला गांव में बिजली के ट्रांसफार्मर में भीषण धमाके के बाद घरों में बरसा गर्म तेल, दो मासूम युवतियां झुलसीं

ट्रांसफार्मर फटने से आसपास के मकानों तक पहुंचा खौलता तेल, घर में कढ़ाई-बुनाई का काम कर रहीं 8 वर्षीय सानिया और 15 वर्षीय आरजू गंभीर रूप से झुलसीं; पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, सीओ फुगाना ने मौके की स्थिति की जानकारी दी

मुजफ्फरनगर। बिजली के ट्रांसफार्मर में अचानक लगी आग और उसके बाद हुए तेज धमाके ने तितावी थाना क्षेत्र के गांव छतेला में दहशत फैला दी। ट्रांसफार्मर फटने से उसका गर्म तेल आसपास के घरों में दूर तक जा गिरा। इस हादसे में घर के अंदर कढ़ाई-बुनाई का काम कर रहीं दो युवतियां गर्म तेल की चपेट में आकर झुलस गईं। घायलों में आठ वर्षीय सानिया और 15 वर्षीय आरजू शामिल हैं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद गांव में बिजली आपूर्ति और ट्रांसफार्मर की सुरक्षा को लेकर भी चिंता पैदा हो गई।

अचानक ट्रांसफार्मर में लगी आग, फिर हुआ तेज धमाका

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को तितावी थाना क्षेत्र के गांव छतेला को बिजली आपूर्ति करने वाले विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग घबरा गए। ट्रांसफार्मर से निकला गर्म तेल और उसके छींटे आसपास के मकानों तक जा पहुंचे। घरों के आसपास गर्म तेल गिरने से लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

घर में काम कर रहीं सानिया और आरजू गर्म तेल की चपेट में आईं

हादसे के समय मोहसिन के मकान में कढ़ाई-बुनाई का काम चल रहा था। वहां काम कर रहीं आठ वर्षीय सानिया और 15 वर्षीय आरजू अचानक ट्रांसफार्मर से निकले गर्म तेल की चपेट में आ गईं। गर्म तेल शरीर पर गिरने से दोनों झुलस-



कर घायल हो गईं। घटना के बाद परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मदद के लिए मौके पर पहुंच गए। दोनों घायलों को तत्काल उपचार दिलाने की व्यवस्था की गई।

पुलिस ने तत्परता दिखाकर अस्पताल पहुंचाया

ट्रांसफार्मर फटने और दो युवतियों के झुलसने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य कराया और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने घटना को लेकर चिंता जताई। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

सीओ फुगाना ने दी घटना की जानकारी

घटना के संबंध में सीओ फुगाना नरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 20 नवंबर को थाना तितावी क्षेत्र के ग्राम छतेला को विद्युत आपूर्ति करने वाला 10 केवी का ट्रांसफार्मर दुर्घटना के कारण फट गया था। इसके कारण ट्रांसफार्मर से निकले गर्म तेल के छींटे आसपास के घरों में पहुंचे। मोहसिन के घर में काम करने वाली करीब 15 वर्षीय आरजू और आठ वर्षीय सानिया गर्म तेल की चपेट में आकर झुलस गईं। पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुए दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सीओ ने बताया कि दोनों घायलों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था कराई गई है। घटना के बाद गांव में कानून व्यवस्था से संबंधित कोई समस्या नहीं है। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं, ट्रांसफार्मर फटने से घरों तक गर्म तेल पहुंचने की घटना ने ग्रामीणों को डरा दिया है। हादसे में दो बच्चियों के झुलसने से परिवारों में चिंता का माहौल बना हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, घरों तक पहुंचा ट्रांसफार्मर का गर्म तेल

इस हादसे ने आबादी के बीच लगे विद्युत ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रांसफार्मर में आग लगने और उसके फटने के बाद गर्म तेल का आसपास के मकानों तक पहुंचना गंभीर घटना है। यदि उस समय घरों में अधिक लोग मौजूद होते तो हादसा और बड़ा हो सकता था। ग्रामीणों को अब घायलों के जल्द स्वस्थ होने की चिंता है। साथ ही विद्युत विभाग से ट्रांसफार्मर की सुरक्षा और आबादी के बीच ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा है।

शुकतीर्थ में देवउठनी एकादशी पर आस्था का सैलाब: गंगा घाट पर महिलाओं ने किया तुलसी पूजन, शादी-विवाह की शुरू हुई धूम



मोरना (मुजफ्फरनगर)। देवउठनी एकादशी के पावन पर्व पर शुक्रवार को तीर्थनगरी शुकतीर्थ में आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। पर्व के उपलक्ष्य में दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रही। जनपद व दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचीं श्रद्धालु महिलाओं ने गंगा घाट पर विधि-विधान के साथ तुलसी माता का पूजन किया और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान गंगा घाट से लेकर प्रमुख मंदिरों तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही, जिससे समूचा तीर्थ क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। देवउठनी एकादशी के शुभ अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं के घाट पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के बाद तुलसी माता को जल अर्पित किया। इसके पश्चात रोली, अक्षत, पुष्प, धूप व नैवेद्य आदि पूजा सामग्री के साथ विधि-विधान से पूजन कर दीप प्रज्वलित किए और पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। गंगा घाट पर पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं ने प्राचीन शुकदेव मंदिर, हनुमत धाम, गणेश धाम, पार्वती धाम और दंडी आश्रम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर देव दर्शन किए तथा प्रसाद चढ़ाकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की।

धर्मगुरु पंडित भोलाराम शास्त्री व पंडित शरद शर्मा ने पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि इस बार शुक्रवार, शनिवार व रविवार तीनों दिन तुलसी पूजन किया जाएगा, हालांकि गृहस्थियों के लिए शुक्रवार का दिन सर्वाधिक श्रेष्ठ है। दूसरी ओर, देवउठनी एकादशी से मांगलिक कार्यों की शुरूआत होने और तुलसी-शालिग्राम विवाह के शुभ अवसर पर क्षेत्र के बारात घरों में बड़ी संख्या में विवाह समारोह संपन्न हुए। धार्मिक पर्व और शादियों की बारातों के चलते प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया, जिससे शाम के समय कई स्थानों पर यातायात बाधित रहा और जाम की स्थिति बनी रही।

बारात में पहले सेविंग कराने को लेकर हुआ विवाद, कैंची से हमले के आरोपी अनस को कोर्ट से मिली जमानत

शेरपुर गांव में नाई की दुकान पर पहले दाढ़ी बनवाने को लेकर बारातियों से हुआ था विवाद, सरवर और शाहवेज पर कैंची से हमला करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। बारात में शामिल होने के दौरान पहले सेविंग कराने की मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और कैंची से हमले तक पहुंच गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर में हुई इस घटना के मामले में जेल में बंद आरोपी अनस को जिला एवं सत्र न्यायालय से राहत मिल गई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। अदालत ने आरोपी को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और समान धनराशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया है। अभियोजन के अनुसार, शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर में एक बारात आई हुई थी। इसी दौरान गांव निवासी अनस सेविंग कराने के लिए नाई की दुकान पर पहुंचा था। उसी समय सरवर और शाहवेज भी सेविंग कराने के लिए दुकान पर आ गए। दुकान पर पहले सेविंग कराने को लेकर बारात में शामिल लोगों और अनस के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामूली बात ने विवाद का रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर बारात में शामिल लोगों के बीच झगड़ा हो गया और इसी दौरान अनस ने कैंची उठाकर सरवर और शाहवेज पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी अनस को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। मामले में जेल में बंद अनस की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। अदालत में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से अपनी-अपनी दलीलें रखी गईं। सुनवाई पूरी होने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

अदालत ने जमानत मंजूर करते हुए आरोपी अनस को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और समान धनराशि के एक जमानती प्रस्तुत करने पर रिहा करने का आदेश दिया। इस आदेश के बाद शेरपुर गांव में बारात के दौरान हुए विवाद और कैंची से हमले के मामले में जेल में बंद आरोपी को अदालत से राहत मिल गई है।

इस घटना में पहले सेविंग कराने जैसी छोटी सी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद पुलिस कार्रवाई और न्यायालय तक पहुंच गया। गांव में बारात के दौरान हुई इस घटना ने मामूली कहासुनी के गंभीर रूप लेने की स्थिति को सामने ला दिया। हालांकि आरोपी को जमानत मिली है, लेकिन इससे उसके खिलाफ दर्ज आरोप समाप्त नहीं हुए हैं। मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

साकिब की मौत के मामले में जेल में बंद सुशील को सत्र न्यायालय से मिली जमानत, चुनावी रंजिश में फंसाने का लगाया था आरोप

हरसौली में खेत पर घायल मिले साकिब की उपचार के दौरान हुई थी मौत, आरोपी पक्ष ने खुद मौके पर पहुंचकर परिजनों को सूचना देने का किया दावा; प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं होने और केस डायरी में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने स्वीकार की जमानत अर्जी

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसौली में साकिब की मौत के मामले में जेल में बंद आरोपी सुशील को जिला एवं सत्र न्यायालय से राहत मिल गई है। सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और केस डायरी में उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। बचाव पक्ष ने अदालत में आरोपी को गांव की पाटीबाजी और चुनावी रंजिश के चलते झूठा फंसाए जाने की दलील दी थी। वहीं, अभियोजन पक्ष ने हत्या के आरोप को गंभीर बताते हुए जमानत का विरोध किया। अदालत ने अपने आदेश में मामले में प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं होने का भी उल्लेख किया। अभियोजन के अनुसार, गांव हरसौली निवासी राकिब ने छह सितंबर 2026 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसके भाई साकिब के साथ किसी अज्ञात आरोपी ने मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई थीं। घायल अवस्था में मिले साकिब को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और गांव हरसौली निवासी सुशील को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल में बंद सुशील की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि आरोपी का घटना से कोई संबंध नहीं है और उसे गांव की आपसी पाटीबाजी तथा चुनावी रंजिश के चलते झूठा फंसाया गया है। अधिवक्ता के अनुसार, घटना वाले दिन सुशील खेत में घायल पड़े साकिब को देखकर मौके पर पहुंचा था। उसने आसपास के लोगों को बुलाया और साकिब के परिजनों को भी घटना की सूचना दी थी। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि सुशील मेरठ में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है।

अधिवक्ता ने यह भी दलील दी कि पुलिस ने 21 अक्टूबर को उसे मुरादनगर स्थित एक कोचिंग सेंटर से पूछताछ के बहाने उठाया था और बाद में इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बचाव पक्ष ने इन तथ्यों के आधार पर आरोपी को जमानत दिए जाने की मांग की।

दूसरी ओर अभियोजन पक्ष ने जमानत अर्जी का विरोध किया। अभियोजन की ओर से अदालत में कहा गया कि मामला साकिब की मौत से जुड़ा है और आरोपी पर लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने केस डायरी और विवेचना के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्यों का परीक्षण किया।

तंबू नगरी में बदलने लगी तीर्थ नगरी शुकतीर्थ: भैंसा-बुग्गी और ट्रैक्टर-ट्रालियों से पहुंच रहे श्रद्धालु, मेला क्षेत्र में बढ़ने लगी रौनक



मोरना (मुजफ्फरनगर)। ऐतिहासिक कार्तिक गंगा स्नान मेले को लेकर तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में आस्था का सैलाब उमड़ने लगा है और श्रद्धालुओं की आमद में तेजी आ गई है। मुजफ्फरनगर जनपद के साथ ही आसपास के जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों से भैंसा-बुग्गी और ट्रैक्टर-ट्रालियों में सवार होकर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला अनवरत जारी है। मेला क्षेत्र में पहुंचकर श्रद्धालु अपने अस्थायी तंबू लगाकर डेरा जमा रहे हैं। चारों ओर तंबुओं के लगने से तीर्थ नगरी का नजारा पूरी तरह बदलने लगा है और समूचा शुकतीर्थ क्षेत्र धीरे-धीरे एक भव्य 'तंबू नगरी' में तब्दील होता नजर आ रहा है। परिवार और राशन-पानी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से उमड़ा उत्साह

कार्तिक गंगा स्नान मेले को लेकर विशेष रूप से ग्रामीण अंचल के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु अपने पूरे परिवार, बिस्तर और कई दिनों के खाने-पीने के सामान (राशन-पानी) के साथ मेले में प्रवास करने के लिए पहुंच रहे हैं। पारंपरिक भैंसा-बुग्गियों और ट्रैक्टर-ट्रालियों के काफिले के साथ पहुंच रहे ग्रामीण खुले स्थानों पर अपने तंबू गाड़कर रहने की व्यवस्था कर रहे हैं, जिससे मेले में लोक संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई दे रही है। तीर्थ नगरी के प्रमुख केंद्र मेला ग्राउंड के साथ-साथ दुर्गा धाम कॉलोनी और शिवधाम कॉलोनी के खाली मैदानों में भी श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अपने तंबू लगाने शुरू कर दिए हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं के आगमन का यह सिलसिला लगातार जारी है। मेला क्षेत्र में जिधर नजर दौड़ाएं, उधर रंग-बिरंगे तंबू और श्रद्धालुओं की चहल-पहल दिखाई दे रही है। आस्थावानों की बढ़ती संख्या के साथ ही तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में कार्तिक मेले की रौनक और आध्यात्मिक उल्लास चरम की ओर बढ़ने लगा है।

विवाहिता की मौत के मामले में जेल में बंद पति मयंक को सत्र न्यायालय से जमानत

दहेज में कार और नकदी की मांग कर उत्पीड़न करने का था आरोप, बचाव पक्ष ने पंचनामा, सुसाइड नोट और स्क्रीनशॉट को बनाया आधार

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी में विवाहिता की मौत से जुड़े दहेज उत्पीड़न के मामले में जेल में बंद पति को जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई है। सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी पति मयंक की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मामले में विवाहिता के ससुराल पक्ष पर कार और नकदी की मांग को लेकर उत्पीड़न करने तथा दहेज के लिए उसकी हत्या करने का आरोप लगाया गया था। वहीं, बचाव पक्ष ने अदालत में पंचनामा, सुसाइड नोट और स्क्रीनशॉट का हवाला देते हुए आरोपों पर सवाल उठाए।

कार और नकदी की मांग को लेकर उत्पीड़न का आरोप

अभियोजन के अनुसार, नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी निवासी मयंक की शादी आकांक्षा उर्फ गोल्डी के साथ हुई थी। आरोप था कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष की ओर से कार और नकदी की मांग को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न किया जा रहा था। आरोपों में यह भी कहा गया कि दहेज की मांग को लेकर ही विवाहिता की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वर्ष 2025 में आरोपी पति मयंक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लंबे समय से जेल में बंद आरोपी पति की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि मामले के उपलब्ध दस्तावेजों और परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी को जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। बचाव पक्ष ने विशेष रूप से मृतका के पंचनामा, सुसाइड नोट और स्क्रीनशॉट को अपनी दलीलों का आधार बनाया।

पंचनामा में आत्महत्या का उल्लेख होने की दलील

बचाव पक्ष की ओर से अदालत में कहा गया कि विवाहिता के पंचनामा में आत्महत्या का उल्लेख है। इसके अलावा सुसाइड नोट और स्क्रीनशॉट में भी पति की ओर से दहेज की मांग किए जाने का कोई स्पष्ट आरोप सामने नहीं आता। अधिवक्ता ने इन तथ्यों के आधार पर अभियोजन की ओर से लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी को इस मामले में राहत दी जानी चाहिए। बचाव पक्ष ने अदालत को यह भी बताया कि मृतका के देवर संचित शर्मा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद परिवार सदमे की स्थिति में था। बचाव पक्ष ने इस पारिवारिक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए अदालत के समक्ष अपनी दलीलें रखीं। वहीं, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मामला विवाहिता की मौत और दहेज उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोपों से जुड़ा है। इसलिए आरोपी को जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

आरोपपत्र दाखिल होने और गवाहों के बयानों पर अदालत का ध्यान

सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन किया। अदालत ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि मामले में आरोपपत्र दाखिल हो चुका है। इसके अलावा कुछ गवाह अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं कर रहे हैं। आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं बताया गया है।

इन परिस्थितियों में अदालत ने दी जमानत

अदालत ने मामले की परिस्थितियों, उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों की स्थिति पर विचार करने के बाद आरोपी पति मयंक को जमानत दिए जाने का पर्याप्त आधार माना। इसके बाद सत्र न्यायाधीश ने उसकी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। अदालत के इस आदेश से विवाहिता की मौत के मामले में जेल में बंद पति को राहत मिल गई है।

जमानत का आदेश दोषमुक्ति नहीं, मुकदमे की सुनवाई रहेगी जारी

विवाहिता की मौत और दहेज उत्पीड़न से जुड़ा यह मामला गंभीर आरोपों के कारण महत्वपूर्ण है।

किसानों की मेहनत से खिलवाड़! नकली खाद बनाने वाले दो सगे भाइयों को कोर्ट से झटका, अग्रिम जमानत खारिज

मुजफ्फरनगर। किसानों को असली खाद के नाम पर कथित रूप से नकली उर्वरक बेचकर उनकी मेहनत और फसलों के साथ खिलवाड़ करने के गंभीर मामले में दो सगे भाइयों को अदालत से राहत नहीं मिली है। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भगवानपुरी में ट्यूबवेल पर गेरू और नमक मिलाकर खाद तैयार करने तथा नामी कंपनियों के ब्रांड के खाली बैगों में उसकी पैकिंग करने के आरोप में अदालत ने दोनों भाइयों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। कृषि विभाग की छापेमारी में मौके से 60 कुंतल संदिग्ध उर्वरक, विभिन्न कंपनियों के ब्रांड वाले बैग, पैकिंग मशीन और अन्य सामान बरामद किया गया था। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह की अदालत में हुई।

ट्यूबवेल को बनाया था कथित नकली खाद तैयार करने का ठिकाना

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 26 जुलाई 2026 को मिली सूचना के आधार पर कृषि विभाग की टीम ने सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भगवानपुरी में अर्जुन के ट्यूबवेल पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान वहां खाद तैयार करने का काम होता मिला। आरोप है कि गेरू और नमक को मिलाकर संदिग्ध उर्वरक तैयार किया जा रहा था। इस खाद को बाजार में बेचने के लिए अलग-अलग कंपनियों के नाम वाले पैकिंग बैगों में भरने की तैयारी थी। मौके की स्थिति देखकर कृषि विभाग की टीम ने जांच और कार्रवाई शुरू की।

नामचीन कंपनियों के ब्रांड वाले 70 बैग मिले

छापेमारी के दौरान मौके से अलग-अलग ब्रांड के कुल 70 बैग बरामद किए गए। इनमें आईपीएल ब्रांड के 11 बैग, सागररत्ना बायो स्टिमुलेंट के 39 बैग, बलवान ब्रांड के ऑर्गेनिक पोटाश के 12 बैग और विराट भूमि शक्ति पोटाश के आठ बैग शामिल थे। इसके अलावा करीब 60 कुंतल संदिग्ध उर्वरक खुली अवस्था में मिला। जांच टीम को मौके से सिलाई मशीन और इलेक्ट्रिक तराजू भी मिले, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर खाद की पैकिंग और तौल करने में किया जा रहा था।

पैकिंग के लिए रखे थे हजारों खाली बैग

जांच के दौरान मामला केवल ट्यूबवेल तक सीमित नहीं रहा। मौके पर मौजूद शामली निवासी नफीस को पुलिस ने हिरासत में लिया था। पूछताछ में उसने अर्जुनपाल और विजय कुमार के साथ मिलकर कथित रूप से यह काम करने की बात बताई। इसके बाद पुलिस और कृषि विभाग की टीम ने अर्जुन के मकान पर भी छापेमारी की। वहां से 2100 खाली पैकिंग बैग बरामद हुए। इसके अलावा अमोनियम सल्फेट के छह बोरे और पोटाश के आठ बोरे भी मिले। मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार भी बरामद की गई थी।

कृषि विभाग ने छह नमूने लेकर जांच को भेजे

छापेमारी के दौरान कृषि विभाग की टीम ने बरामद सामग्री और संदिग्ध उर्वरक के छह नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे थे। नमूनों की जांच के आधार पर उर्वरक की गुणवत्ता और उसकी वास्तविक प्रकृति का पता लगाया जाना था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जिस तरीके से खाद तैयार करने और अलग-अलग कंपनियों के नाम वाले बैगों में पैकिंग की व्यवस्था मिली, उससे किसानों को कथित रूप से नकली खाद बेचने का मामला सामने आया।

दोनों भाइयों ने खुद को बताया निर्दोष

इस मामले में भगवानपुरी निवासी अर्जुनपाल और विजय कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि दोनों भाई निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है। उन्होंने अदालत से गिरफ्तारी से पूर्व राहत देने की मांग की। अभियोजन ने कहा- किसानों के साथ धोखाधड़ी का गंभीर मामला

वहीं, विशेष लोक अभियोजक ने अग्रिम जमानत का विरोध करते हुए अदालत में दलील दी कि आरोपियों का कथित कृत्य किसानों के साथ धोखाधड़ी से जुड़ा है। मौके से भारी मात्रा में संदिग्ध नकली उर्वरक, विभिन्न ब्रांड के बैग, पैकिंग सामग्री और अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध खाद और पैकिंग सामग्री की बरामदगी मामले की गंभीरता को दशार्ती है।

हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य की सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश का मामला, चार आरोपियों को कोर्ट से झटका

मुजफ्फरनगर। हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में वन विभाग की सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे की कोशिश का मामला गंभीर कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है। संरक्षित वन क्षेत्र की जमीन पर जुताई कर फसल बोने के प्रयास और वन विभाग के कर्मचारियों के साथ विवाद करने के आरोप में चार आरोपियों को अदालत से राहत नहीं मिली। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह की अदालत ने चारों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। अदालत के इस फैसले को वन्यजीव अभयारण्य की सरकारी भूमि पर कथित कब्जे के प्रयास से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामला हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र की मोरना रेंज के अंतर्गत आने वाले गांव कल्याणपुर ऐतमाल से जुड़ा है। यह गांव गैर आबाद श्रेणी में आता है। यहां स्थित वन विभाग की सरकारी भूमि को प्रशासन की ओर से चिन्हित किए जाने के बाद वन विभाग के कब्जे में दिया गया था। संबंधित भूमि अभयारण्य क्षेत्र का हिस्सा होने के कारण वन विभाग के संरक्षण और देखरेख में थी।

सरकारी जमीन पर जुताई कर फसल बोने की कोशिश का आरोप

आरोप है कि कुछ लोगों ने वन विभाग के कब्जे वाली सरकारी भूमि पर पहुंचकर जुताई शुरू कर दी और वहां फसल बोने का प्रयास किया। वन विभाग की ओर से इस जमीन को सरकारी संपत्ति बताते हुए उस पर किसी भी प्रकार की खेती या कब्जे की अनुमति नहीं होने की बात कही गई थी। इसके बावजूद आरोपियों द्वारा भूमि पर खेती करने की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया।

वनकर्मियों ने रोका तो बन गई विवाद की स्थिति

अभियोजन के मुताबिक, जब वन विभाग के कर्मचारियों को सरकारी भूमि पर जुताई और फसल बोने के प्रयास की जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने संबंधित लोगों को जमीन पर खेती करने से रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद मामला कानूनी कार्रवाई तक पहुंचा। चार आरोपियों ने मांगी थी गिरफ्तारी से पहले राहत

इस मामले में गांव बिहारगढ़, थाना भोपा निवासी जयसिंह, मोहर सिंह, सडयल उर्फ तिलकराम और शेरराज ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत में अग्रिम जमानत याचिकाएं दाखिल की थीं। आरोपियों की ओर से अदालत से गिरफ्तारी से पूर्व राहत देने की मांग की गई थी। वहीं, अभियोजन पक्ष ने मामले की परिस्थितियों और आरोपों को देखते हुए अग्रिम जमानत का विरोध किया।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत का फैसला

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह की अदालत में हुई। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चारों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। इस फैसले के बाद आरोपियों को अदालत से गिरफ्तारी से पूर्व राहत नहीं मिल सकी।

वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा से जुड़ा है मामला

यह मामला केवल सरकारी जमीन पर खेती करने के कथित प्रयास तक सीमित नहीं है, बल्कि वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र की भूमि और उसके प्राकृतिक स्वरूप की सुरक्षा से भी जुड़ा है। संरक्षित वन क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप, अवैध कब्जे और खेती जैसी गतिविधियां वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में वन विभाग की भूमि पर कथित कब्जे के प्रयास को गंभीरता से देखा जा रहा है।

परिवार न्यायालय का बड़ा आदेश: एकपक्षीय तलाक की डिक्री पर उठे सवाल, दूसरी शादी रोकने के निर्देश

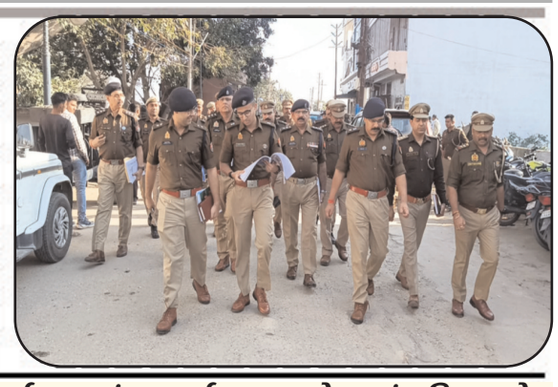
मुजफ्फरनगर। परिवार न्यायालय मुजफ्फरनगर में वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। देवबंद ब्लॉक प्रमुख विजय त्यागी के साले सुभाष प्रधान मेहरवानी की पुत्री शिल्पी त्यागी के मामले में न्यायालय ने आगामी सुनवाई तक उनके पति मयंक त्यागी की दूसरी शादी रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिल्पी त्यागी का विवाह 8 दिसंबर 2023 को ग्राम अंबरपुर निवासी देवराज त्यागी के पुत्र मयंक त्यागी के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद शिल्पी अपने पिता के घर चली गई थीं। इसके बाद मयंक त्यागी ने प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय मुजफ्फरनगर में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत तलाक की याचिका संख्या 1978/2025 (मयंक त्यागी बनाम शिल्पी त्यागी) 19 दिसंबर 2025 को दाखिल की थी।

आरोप है कि तलाक के मुकदमे की जानकारी शिल्पी त्यागी और उनके परिवार को नहीं हो सकी। इसके चलते 8 सितंबर 2026 को न्यायालय से एकपक्षीय तलाक की डिक



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 21 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



नाली के विवाद में खूनी संघर्ष, ईंटों से हमला कर मजदूर हारुण की हत्या

छपार गांव में दो दिन से चल रहा था दोनों पक्षों के बीच विवाद, देर रात घर पर किया गया हमला और पथराव, सिर में ईंट लगने से गंभीर रूप से घायल हुए हारुण ने जिला अस्पताल में तोड़ा दम

मुजफ्फरनगर। छपार गांव में नाली को लेकर दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद देर रात खूनी संघर्ष में बदल गया। कहासुनी के बाद एक पक्ष के लोगों पर घर पर हमला करने और पथराव करने का आरोप है। इस दौरान ईंट लगने से 55 वर्षीय मजदूर हारुण के सिर में गंभीर चोट आई। परिजन और पुलिस उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में नामजद छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वादी की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दो दिन से नाली को लेकर चल रहा था विवाद

जानकारी के अनुसार, छपार गांव में हारुण और अनवार पक्ष के बीच नाली को लेकर पिछले दो दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच इस बात को लेकर पहले भी कहासुनी हुई थी। बृहस्पतिवार देर रात करीब 12 बजे एक बार फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। शुरूआत में हुई कहासुनी देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान अनवार पक्ष के लोगों ने हारुण के घर पर हमला कर दिया और पथराव शुरू कर दिया।

घर पर हमला और पथराव में सिर पर लगी ईंट

आरोप है कि हमले के दौरान घर पर ईंट-पत्थर फेंके गए। इसी बीच एक ईंट हारुण के सिर में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हमलावरों के मौके से चले जाने के बाद परिजन घायल हारुण को बचाने के लिए दौड़े। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। परिजन और पुलिस घायल को लेकर जिला अस्पताल



पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हारुण की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मामले में वादी गुलशाना की ओर से अनवर, फरहान, रुखसार, इमराना, रेशमा और नौशीदा के खिलाफ तहरीर दी गई है। तहरीर में सभी छह लोगों पर घटना में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने नामजद सभी छह आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। उनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि विवाद की वजह और घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

एसपी सिटी अमृत जैन ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच नाली को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के दौरान मारपीट और पथराव की घटना हुई, जिसमें हारुण गंभीर रूप से घायल हो गए और उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि वादी गुलशाना की ओर से छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी गई है। पुलिस ने सभी छह नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। छपार थाना प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना के कारणों, हमले में शामिल लोगों की भूमिका और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। नाली जैसे मामूली विवाद को लेकर हुए इस खूनी संघर्ष में एक मजदूर की जान चली गई। हारुण की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में घटना को लेकर चर्चा और तनाव का माहौल है। पुलिस की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मुजफ्फरनगर पुलिस की नई पहल: 'एफआईआर आपके द्वार' अभियान के तहत वादी के घर पहुंची पुलिस, थानों के चक्कर काटने से मिलेगी निजात

एसएसपी सूरज कुमार राय की इस पहल के तहत थाना नई मण्डी पुलिस ने वादी के आवास पर जाकर ससम्मान उपलब्ध कराई एफआईआर की प्रति

मुजफ्फरनगर। जनपद में पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी, सुगम और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सूरज कुमार राय ने एक नई और बेहद सराहनीय पहल शुरू की है। उनके निर्देशन में जनपद भर में ह्लएफआईआर आपके द्वारह्व अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को बिना किसी परेशानी के उनके घर पर ही पुलिस सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। थाने के चक्कर काटने से मिली मुक्ति अक्सर देखा जाता है कि मुकदमा दर्ज कराने के बाद पीड़ित या वादी को एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) की प्रति प्राप्त करने के लिए बार-बार थाने के चक्कर लगाने पड़ते हैं। आमजन की इसी व्यावहारिक समस्या को देखते हुए मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा यह विशेष



अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत पुलिसकर्मियों द्वारा पंजीकृत अभियोगों की एफआईआर प्रति सीधे वादियों के घर पर जाकर उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से थाने आने-जाने की भागदौड़ से मुक्ति मिल रही है।

थाना नई मण्डी पुलिस ने वादी के घर पहुंचाई प्रति

इसी क्रम में गुरुवार, 19 नवंबर 2026 को थाना नई मण्डी पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक वादी के आवास पर पहुंचकर उन्हें पंजीकृत अभियोग की एफआईआर की प्रति ससम्मान सौंपी। पुलिस को इस तरह अपने द्वार पर पाकर वादी ने भी मुजफ्फरनगर पुलिस की इस कार्यप्रणाली की सराहना की। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि मुजफ्फरनगर पुलिस की इस अनूठी पहल से न केवल नागरिकों को त्वरित एवं सुलभ पुलिस सेवाएं प्राप्त होंगी, बल्कि पुलिस और आमजन के मध्य संवाद और बेहतर समन्वय भी स्थापित होगा। एसएसपी सूरज कुमार राय की इस पहल को जनपद में जनहितैषी पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिका में नौकरी और वीजा दिलाने का झांसा देकर युवक से 34 लाख रुपये की ठगी

अमेरिकी एनर्जी पार्टनर कंपनी में नौकरी लगवाने का दिया भरोसा, खुद को कंपनी का मैनेजर बताकर अलग-अलग बैंक खातों में मंगवाता रहा रकम

मुजफ्फरनगर। विदेश में नौकरी करने और बेहतर भविष्य का सपना देख रहे एक युवक को अमेरिका की कंपनी में नौकरी दिलाने और वीजा उपलब्ध कराने का झांसा देकर करीब 34 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को अमेरिका की एनर्जी पार्टनर कंपनी का मैनेजर बताते हुए युवक को ओकलाहोमा सिटी स्थित कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। आरोप है कि उसने नौकरी और वीजा की प्रक्रिया के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों तथा यूपीआई के माध्यम से लाखों रुपये अपने बताए खातों में जमा करा लिए। विश्वास दिलाने के लिए मोबाइल पर कंपनी का ऑफर लेटर भी भेजा और वीजा व टिकट दूतावास भेजने की बात कहकर लगातार युवक को गुमराह करता रहा। काफी समय बाद भी न नौकरी मिली और न वीजा आया तो युवक ने रकम वापस मांगी। आरोप है कि इस पर उसे फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव मुस्तफाबाद निवासी अमित कुमार उर्फ अमित पाल पुत्र कैलाश चंद ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि राम मल्होत्रा नाम का व्यक्ति खुद को अमेरिका की एनर्जी पार्टनर कंपनी का मैनेजर बताता था। आरोपी ने उसे भरोसा दिलाया कि वह ओकलाहोमा सिटी, अमेरिका स्थित कंपनी में उसकी नौकरी लगवा सकता है। इसके लिए उसे अमेरिका का वीजा भी दिलाया जाएगा। आरोपी ने कहा कि यदि वह उसके बताए गए बैंक खातों में रकम जमा कर देगा तो विदेश जाने और कंपनी में नौकरी पाने की पूरी प्रक्रिया करवा दी जाएगी। विदेश में नौकरी मिलने की उम्मीद में अमित ने आरोपी की बातों पर भरोसा कर लिया। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग समय पर उससे रकम की मांग करनी शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार उसने नौकरी और वीजा की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद में आरोपी के बताए बैंक खातों में पैसे भेजने शुरू कर दिए। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उसने अपने बैंक खाते के अलावा अन्य खातों से भी आरोपी द्वारा बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की। अमित के अनुसार उसने कुछ रकम बैंक के माध्यम से तथा कुछ रकम यूपीआई और मनी ट्रांसफर के जरिए भेजी थी। इस तरह अलग-अलग खातों और माध्यमों से भेजी गई कुल रकम करीब 34 लाख रुपये हो गई। आरोपी हर बार नौकरी और वीजा से संबंधित प्रक्रिया का हवाला देकर उससे पैसे लेता रहा। पीड़ित को उम्मीद थी कि जल्द ही उसकी विदेश जाने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और वह अमेरिका पहुंचकर नौकरी शुरू कर सकेगा। शिकायत के अनुसार आरोपी ने पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए उसके मोबाइल फोन पर अमेरिका की एनर्जी पार्टनर कंपनी, ओकलाहोमा सिटी के नाम से नौकरी का ऑफर लेटर भी भेजा था। आरोपी ने बताया कि कंपनी में नौकरी के लिए उसकी प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। इसके साथ ही उसने दावा किया कि वीजा और टिकट से संबंधित औपचारिकताएं भी पूरी की जा रही हैं।

आरोपी ने पीड़ित को यह भी बताया कि उसने कोरियर के माध्यम से टिकट और वीजा दूतावास को भेज दिए हैं। इन बातों के आधार पर वह अमित को भरोसा दिलाता रहा कि जल्द ही उसे अमेरिका जाने की अनुमति मिल जाएगी। नौकरी का ऑफर लेटर और वीजा प्रक्रिया से संबंधित दावों के चलते पीड़ित उसकी बातों पर विश्वास करता रहा और अलग-अलग खातों में रकम भेजता रहा। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी लगातार उसे अलग-अलग बहाने बनाकर टालता रहा। कभी वीजा प्रक्रिया पूरी होने की बात कही जाती तो कभी टिकट और अन्य औपचारिकताओं का हवाला दिया जाता।

काफी समय गुजरने के बाद भी न तो उसे अमेरिका का वीजा मिला और न ही नौकरी के संबंध में कोई ठोस जानकारी दी गई।लगातार समय बढ़ने और आरोपी की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं मिलने पर अमित को संदेह होने लगा। उसे महसूस हुआ कि अमेरिका में नौकरी दिलाने के नाम पर उससे लगातार रकम ली जा रही है, जबकि विदेश जाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ रही है। इसके बाद उसने आरोपी से संपर्क कर अपने द्वारा दी गई रकम वापस मांगी। अमित ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब उसने राम मल्होत्रा से कहा कि अब उसे अमेरिका नहीं जाना है और उसके करीब 34 लाख रुपये वापस कर दिए जाएं तो आरोपी ने फोन पर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

मुजफ्फरनगर में मदिरा की दुकानों पर सघन चेकिंग: शुक्रताल मेला क्षेत्र में लगाए जागरूकता पोस्टर, आबकारी विभाग ने खंगाले गए स्टॉक और क्यूआर कोड

अधिकारियों ने दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को निरंतर रियल-टाइम मॉनिटरिंग के साथ क्रियाशील रखने के दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने और मदिरा दुकानों पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर मुख्य सचिव और आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आबकारी निरीक्षकों की टीम ने जनपद की विभिन्न मदिरा दुकानों पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस औचक निरीक्षण से अनुज्ञापियों और विक्रेताओं में हड़कंप मचा रहा। अभियान के दौरान ईआईसीएफएस ऐप के माध्यम से दुकानों की ऑनलाइन जांच करते हुए पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित कराई गई। इसके साथ ही टीम ने मौके पर मौजूद स्टॉक रजिस्टर का मिलान करते हुए उपलब्ध स्टॉक का गहन भौतिक सत्यापन भी किया।

ओवररेटिंग जांचने को कराए गोपनीय 'टेस्ट परचेज'

निरीक्षण के दौरान मदिरा निर्धारित मूल्य (MRP) पर ही बेची जा रही है या नहीं, इसकी वास्तविकता परखने के लिए



आबकारी टीम ने ग्राहकों के माध्यम से गोपनीय 'टेस्ट परचेज' भी कराए। अधिकारियों ने दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को निरंतर रियल-टाइम मॉनिटरिंग के साथ क्रियाशील रखने के सख्त निर्देश दिए, ताकि दुकान की हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। इसके अतिरिक्त, मदिरा की गुणवत्ता और वैधता की पुष्टि करने के लिए संचित स्टॉक में से रैंडम आधार पर बोतलें निकालकर उन पर लगे क्यूआर (दफ) कोड को विभागीय ऐप के जरिए स्कैन कर बारीकी से जांचा गया।

शुक्रताल गंगा स्नान मेले में चलाया जागरूकता अभियान

चेकिंग अभियान के साथ ही आबकारी विभाग ने जन-जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया। टीम ने शुक्रताल गंगा स्नान मेला क्षेत्र में पहुंचकर वहां आने वाले श्रद्धालुओं व आमजन को अवैध एवं अपमिश्रित शराब के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करने के लिए प्रमुख स्थानों पर जागरूकता पोस्टर चस्पा किए। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे केवल अधिकृत सरकारी दुकानों से ही क्यूआर कोड जांचकर मदिरा खरीदें और कहीं भी अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलने पर तत्काल प्रशासन या आबकारी विभाग को सूचित करें।

मुजफ्फरनगर में खाटू श्याम निशान यात्रा: मंत्री कपिल देव ने भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों से किया संवाद, शिक्षा से जुड़ने को किया प्रेरित

मुजफ्फरनगर। श्री खाटू श्याम जी की भव्य निशान यात्रा के दौरान धार्मिक उल्लास के बीच एक प्रेरक और मानवीय दृश्य देखने को मिला। प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने अपनी सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय सरोकारों का परिचय देते हुए मार्ग में भिक्षावृत्ति में संलग्न बच्चों को देख यात्रा के बीच रुककर उनसे आत्मीय संवाद किया। मंत्री ने बच्चों को बड़े ही स्नेह के साथ शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और उन्हें भीख मांगने की प्रवृत्ति छोड़ नियमित रूप से विद्यालय जाकर शिक्षा ग्रहण करने तथा अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा देने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का सशक्त माध्यम

इस दौरान राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बच्चों से सहज और स्नेहपूर्ण बातचीत करते हुए उन्हें समझाया कि शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि



यह व्यक्ति के भीतर आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर मिलने चाहिए।

किसी भी मासूम बच्चे का बचपन अभाव, उपेक्षा अथवा भिक्षावृत्ति जैसी विवश परिस्थितियों में नहीं गुजरना चाहिए। राज्यमंत्री ने भावुक अपील करते हुए कहा कि बच्चों के कोमल हाथों में भीख मांगने के बजाय पुस्तकें होनी चाहिए और उनकी आंखों में निराशा के स्थान पर सुनहरे भविष्य के सपने होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज और शासन की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि ऐसे वंचित बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास किए जाएं। मंत्री की इस संवेदनशील पहल की वहां मौजूद श्रद्धालुओं और नागरिकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। यह पहल इस संदेश को रेखांकित करती है कि सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत संवेदनशीलता, संवाद और सकारात्मक प्रयासों से होती है, तथा बच्चों को शिक्षित व सशक्त बनाना ही एक समृद्ध एवं विकसित समाज की आधारशिला है।

कंबोडिया से चल रहा था डिजिटल अरेस्ट और फर्जी ओटीपी का अंतरराष्ट्रीय साइबर नेटवर्क, मुजफ्फरनगर पुलिस ने 3648 सिम का पदार्फाश कर तीन आरोपी दबोचे

गरीबों को सरकारी योजनाओं का लालच देकर उनके नाम पर निकलवाते थे सिम, 150 से 300 रुपये में विदेश बैठे साइबर ठगों को बेचते थे ओटीपी; नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर कारोबारी से ठगे थे 20.94 लाख रुपये, ई-कॉमर्स कंपनियों के ऑर्डर कैंसिल और रिफंड के नाम पर ठगी का भी खुलासा

मुजफ्फरनगर। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों को भयभीत कर लाखों रुपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधियों को मोबाइल सिम और ओटीपी उपलब्ध कराने वाले बड़े नेटवर्क का साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने जनपद अमरोहा से संचालित हो रहे अंतर्जनपदीय सिम और ओटीपी सिंडिकेट के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह गरीब और भोले-भाले लोगों को राशन, बीमा, सरकारी योजनाओं तथा एनजीओ के माध्यम से सहायता दिलाने का झांसा देकर उनकी पहचान पर सिमकार्ड जारी कराता था। इसके बाद इन सिमकार्ड को सक्रिय कर विदेश में बैठे साइबर अपराधियों तक पहुंचाया जाता था। आरोपी विभिन्न कंपनियों के ओटीपी आठ रुपये से लेकर 300 रुपये तक में बेचते थे। पुलिस जांच में 3648 अलग-अलग सिमकार्ड के इस्तेमाल का पता चला है। इनमें वोडाफोन-आइडिया के 2550, एयरटेल के 1035 और जियो के 63 सिमकार्ड शामिल हैं।

रिजर्व पुलिस लाइन में एसएसपी ने किया बड़े साइबर नेटवर्क का खुलासा

रिजर्व पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि साइबर क्राइम थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट और फर्जी सिम-ओटीपी उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल किए गए 10 मोबाइल फोन और चार अतिरिक्त सिमकार्ड बरामद किए गए हैं। एसएसपी ने बताया कि यह नेटवर्क विदेश में बैठे साइबर अपराधियों को भारतीय मोबाइल नंबरों के ओटीपी उपलब्ध कराने का काम कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका सिम जारी कराने, उन्हें सक्रिय करने और



आगे बेचने की थी। इस नेटवर्क के जरिए डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग, निवेश के नाम पर ठगी, हनीट्रैप और अन्य साइबर अपराधों को अंजाम दिया जा रहा था। एसएसपी के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरूआत एक डिजिटल अरेस्ट की शिकायत से हुई। मुकदमे के वादी को 15 अक्टूबर 2026 को साइबर अपराधियों ने फोन किया और बताया कि उनका मोबाइल सिम कश्मीर में आतंकवादियों के पास मिला है। साथ ही उनके एचडीएफसी बैंक खाते में 70 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन होने की बात कहकर उन्हें भयभीत किया गया। आरोपियों ने स्वयं को एटीएस और एनआईए का अधिकारी बताया। इसके बाद व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी गिरफ्तारी वारंट, गोपनीयता समझौता और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के नाम से फर्जी नोटिस भेजे गए।

साइबर अपराधियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी और आजीवन कारावास का भय दिखाकर लगातार मानसिक दबाव में रखा।

उसे किसी अन्य व्यक्ति से संपर्क नहीं करने की हिदायत दी गई। इस तरह 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2026 तक कुल नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। इस दौरान आरोपियों ने अलग-अलग तरीकों से कुल 20 लाख 94 हजार 900 रुपये की साइबर धोखाधड़ी कर ली। बाद में पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ तो उसने साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाना मुजफ्फरनगर में मुकदमा अपराध संख्या 38/2026 धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 3(5) बीएनएस तथा 66सी और 66डी आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर एसएसपी सूरज कुमार राय ने शुक्रतीर्थ घाट का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस को अलर्ट रहने के निर्देश, घाटों पर जल पुलिस की तैनाती और गहरे पानी वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा; सीसीटीवी कैमरों से होगी पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी

मुजफ्फरनगर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रतीर्थ में आयोजित होने वाले गंगा स्नान मेले को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रसिद्ध तीर्थस्थल शुक्रतीर्थ गंगा घाट और मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन के लिए की गई पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने मेला ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर उन्हें पूरी सतर्कता और मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

घाटों से लेकर मेला क्षेत्र तक सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने गंगा नदी



के जलस्तर, स्नान घाटों, मेला क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था, पुलिस गश्त, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को गंगा स्नान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। घाटों और मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। एसएसपी ने गंगा घाटों पर तैनात जल पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के जलस्तर और गहरे पानी वाले स्थानों पर लगातार नजर रखी जाए। जल पुलिस पूरी तरह सक्रिय रहकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराए। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान करने के लिए जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए एसएसपी ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखी जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल मिल सके। इसके साथ ही जनसंचार प्रणाली के माध्यम से आवश्यक सूचनाओं और दिशा-निर्देशों का लगातार प्रसारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे श्रद्धालुओं को भीड़, यातायात और सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारी समय पर मिलती रहे। निरीक्षण के बाद एसएसपी सूरज कुमार राय ने मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस बल के साथ बैठक की।

उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को अपने निर्धारित ड्यूटी स्थलों पर समय से पहुंचने और पूरी मुस्तैदी के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर नजर रखी जाए। किसी भी परिस्थिति में ड्यूटी स्थल को लापरवाही से खाली न छोड़ा जाए।

कसेरवा पुलिया के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, युवक की मौत, दोस्त गंभीर घायल

बुढ़ाना-मुजफ्फरनगर मार्ग पर गलत दिशा में आकर किया सोनेट कार ने बाइक सवारों को रौंदा, हादसे के बाद कार छोड़कर फरार हुआ चालक, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र में बुढ़ाना-मुजफ्फरनगर मार्ग पर कसेरवा पुलिया के निकट तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही किया सोनेट कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ का फायदा उठाकर कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवक के पिता की तहरीर पर शाहपुर थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में इकबाल पुत्र अल्लाबंदार निवासी ग्राम जड़ौदा, थाना मंसूरपुर ने बताया कि उनका पुत्र इसरार अपने दोस्त सौरभ पुत्र जगत सिंह निवासी ग्राम मौलाहेड़ी, थाना मंसूरपुर के साथ बाइक पर सवार होकर बुढ़ाना जा रहा था। बाइक सौरभ चला रहा था, जबकि इसरार पीछे बैठा हुआ था। दोनों युवक अपने गांव से किसी काम के सिलसिले में बुढ़ाना के लिए निकले थे। तहरीर के अनुसार जब दोनों युवक बुढ़ाना-मुजफ्फरनगर मार्ग पर थाना शाहपुर क्षेत्र की कसेरवा पुलिया के पास पहुंचे, तभी सामने की ओर से आ रही किया सोनेट कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि कार चालक वाहन को तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए गलत दिशा में आ गया था। कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार इसरार और सौरभ सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को संभाला। आरोप है कि मौके पर भीड़ एकत्र होने का फायदा उठाकर कार चालक अपनी किया सोनेट कार को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। कार का पंजीकरण नंबर यूपी-12-सीएच-6058 बताया गया है। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए शाहपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। शाहपुर सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों युवकों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मुजफ्फरनगर स्थित वेदांता अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सक डॉ. ललित बाना की देखरेख में उनका उपचार शुरू हुआ। इस दौरान इसरार की हालत लगातार गंभीर बनी रही। हालत में सुधार नहीं होने पर परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए मेरठ ले जाने लगे, लेकिन दुर्भाग्यवश गांव जड़ौदा के पास रास्ते में ही इसरार ने दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में घायल उसके दोस्त सौरभ का वेदांता अस्पताल में उपचार जारी है।

तहरीर में मृतक के पिता इकबाल ने बताया कि पुत्र की मौत के बाद परिवार में शोक छा गया। धार्मिक रीति-रिवाजों के चलते परिजनों ने इसरार के शव का पंचायतनामा और पोस्टमार्टम कराए बिना ही गांव में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। इसके बाद मृतक के पिता ने दुर्घटना के संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। मृतक के पिता इकबाल की शिकायत पर थाना शाहपुर पुलिस ने किया सोनेट कार संख्या यूपी-12-सीएच-6058 के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

इंस्टाग्राम पर क्या दिखेगा और क्या छिपेगा, कंटेंट की निगरानी पर उठे सवाल

डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है और इससे व्यापक हित सुनिश्चित होना चाहिए। लेकिन स्वस्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करेगी।भारत में इंस्टाग्राम की सामग्री सिफारिश प्रणाली में बदलाव की मेटा की घोषणा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल युग की एक महत्त्वपूर्ण चुनौती की ओर संकेत करती है। आज सोशल मीडिया मंच महज संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सूचना, विचार और जनमत को प्रभावित करने वाली शक्तिशाली संस्थाएं बन चुके हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कौन तय करेगा कि उपयोगकर्ता क्या देखें और क्या नहीं।

मेटा का कहना है कि उन्नत कृत्रिम मेधा की मदद से यौन संकेतों वाली और हिंसक सामग्री की दृश्यता कम की जा रही है। भारत जैसे देश में, जहां करोड़ों युवा और किशोर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, यह पहल स्वागतयोग्य है।

लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि एल्गोरिद्म अक्सर ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं जो सनसनी, उत्तेजना व विवाद के जरिए अधिक जुड़ाव पैदा करती है। इससे सामाजिक तनाव, गलत सूचना व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ते हैं। इस पहल का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।दरअसल, कई उपयोगकर्ताओं की शिकायत रही है कि संदर्भविहीन शिकायतों के आधार पर उनकी वैसी सामग्री भी तुरंत हटा दी जाती है, जिनका संदर्भ किसी जरूरी मसले पर असहमति जताने भर से होता है या वह किसी मामले का दूसरा पक्ष होता है।

दूसरी ओर, कई बार विवादास्पद सामग्री लंबे समय तक मंच पर रहती है और प्रसार भी पाती है। यह विरोधाभास बताता है कि निगरानी की व्यवस्था त्रुटिरहित नहीं है।यहीं पारदर्शिता का प्रश्न सामने आता है। यदि किसी सामग्री को सीमित किया जाता है तो उसके मानक स्पष्ट होने चाहिए।

साथ ही, उपयोगकर्ताओं को निष्पक्ष अपील और समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था भी मिलनी चाहिए। केवल यह दावा करना पर्याप्त नहीं कि शिकायतें घटी हैं, कंपनियों को निर्णयों की प्रक्रिया और मापदंडों को भी सार्वजनिक करना चाहिए।डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है और इससे व्यापक हित सुनिश्चित होना चाहिए। लेकिन स्वस्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करेगी। आखिरकार, समस्या यह नहीं कि लोगों को क्या दिखाया जा रहा है, यह भी है कि क्या छिपाया जा रहा है और किस आधार पर।

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी

इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है।



पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मीरा राजपूत का स्ट्रेच मार्क ना छिपाना, इस टैबू को ब्रेक करेगा और आम लड़कियों को हिम्मत देगा

(ज्योति गुप्ता)

प्रेग्नेंसी में स्ट्रेच मार्क्स का पड़ना एकदम नॉर्मल है मगर इसका दिखना अच्छा नहीं माना जाता। कई बार कोई महिला ही किसी दूसरी महिला को इसके लिए टोक देती है। मीरा राजपूत ने अपने स्ट्रेच मार्क्स को न छिपाकर उन लोगों को जवाब दिया है जो प्रेगनेंसी के बाद भी किसी महिला की खूबसूरती को परफेक्ट फिगर के पैमाने पर तौलते हैं। मीरा राजपूत दो बच्चों की माँ हैं। मीरा ने पूरे





आत्मविश्वास के साथ अपने स्ट्रेच मार्क्स दिखाकर मदरहुड और रियल बॉडी के बारे में चर्चा छेड़ दी है। सोशल मीडिया पर बहुत से लोग स्ट्रेच मार्क्स को छिपाने का प्रयास न करने के लिए मीरा की तारीफ कर रहे हैं। मीरा 22 साल की उम्र में मां बनी थीं। उनके पति शाहिद कपूर फिल्म अभिनेता हैं। मीरा चाहतीं तो आसानी से अपने स्ट्रेच मार्क्स को कंसीलर से छिपा सकती थीं मगर उन्होंने ऐसा ना करके आम लड़कियों को हिम्मत दी है।

गोरी रंगत और पतली कमर नहीं है खूबसूरती का पैमाना : खूबसूरती का पैमाना सिर्फ गोरी रंगत और पतली कमर तक सीमित नहीं है। जब एक महिला मां बनती है तो उसके शरीर में तमाम तरह के बदलाव होते हैं, वह अपने अंदर एक नया जीवन पाल रही होती है जिसका उसका शारीरिक और मानसिक बनावट पर कभी न खत्म होने वाला असर होता है। इसके बाजवूद कुछ लोग सोचते हैं कि बच्चा पैदा करने के बाद वह जल्द से जल्द पहले वाले बॉडी शेप में आ जाए। कुछ दिनों पहले की ही बात है मां बनने के बाद जब पहली बार बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की तस्वीरें सामने आईं थीं तो उनके लुक को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया था। जिस पर बाद में उन्होंने कहा भी था कि मेरे लिए अब खूबसूरती के मायने बदल गए हैं। खूबसूरत महसूस करना अब मेरी प्राथमिकता है। दरअसल, मीरा अपने देवर ईशान खट्टर के साथ स्टार्स से भरे अर्थशॉट प्राइज 2026 में शामिल हुईं थीं। इस इवेंट के लिए उन्होंने एक इलेक्ट्रिक ब्लू ड्रेस पहनी थी, जिसमें कमर के चारों ओर एक कटआउट डिजाइन था और गले पर एक सुंदर कपड़े का सैश लपेटा हुआ था। इस समय शानदार ड्रेस पर लोगों का ध्यान कम गया और उनके स्ट्रेच मार्क पर चर्चा होने लगी। मीरा ने बता दिया है कि स्ट्रेच मार्क्स नॉर्मल हैं और इसे दिखाना गर्व की बात है।

आम महिलाओं पर बढ़ता दबाव : खैर, लोगों ने तो मिस वर्ल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को भी उनके मोटापे को लेकर ट्रोल कर दिया तो आम औरतों की बात तो छोड़ ही दीजिए। सोशल मीडिया के इस युग में आम महिलाएं भी खूबसूरत दिखने का दबाव कहीं ना कहीं महसूस कर रही हैं। हर वक्त कोई कैसे खूबसूरत दिख सकता है, आखिर कोई खुद को कितना मेंटेन रख सकता है। तमाम तरह की प्रोडक्ड कंपनियां हर वक्त यही बताने में लगी रहती हैं कि कैसे आप अपनी उम्र से कम दिख सकते हो यानी कोई चैन से बूढ़ा भी नहीं हो सकता है, मानो जैसे बूढ़ा होना शर्मिंदगी की बात है।

हर किसी का शरीर अलग है, अगर कोई मां बनने के कुछ ही महीने बाद फिट हो सकता है अच्छी बात है और अगर कोई अपने नए शरीर के साथ खुश है तो उसे खुश रहने दीजिए। तुम मोटी हो गई, तुम्हारे चेहरे पर पिंपल क्यों आने लगे हैं, तुम्हारा पेट क्यों निकल गया या तुम पहले से अब अलग दिखने लगी हो जैसे सवाल करके किसी महिला को परेशान नहीं करना चाहिए। अगर कोई एक्ट्रेस या चर्चित हस्ती मां बनने के बाद दुबारा फिट नजर आने लगती है तो मीडिया में उन्हें ऐसे ट्रीट करते हैं जैसे उन्होंने कोई ट्राफी जीत ली हो। इस तरह हम जाने-अनजाने इसे न्यू नॉर्मल बनाने लगते हैं। हम भूल जाते हैं कि सेलिब्रिटी के पास फिटनेस मेंटेन करने के लिए पूरी टीम होती है जो उनके डाइट, वर्कआउट और रूटीन का पूरा ख्याल रखती है। सेलिब्रिटी की लाइफस्टाइल से उपजी उम्मीदों को आम लड़कियों पर थोपना उन्हें मानसिक दबाव में ला देता है। ऐसा न कर पाने पर उन्हें लगता है कि उनमें कोई कमी है या वह कोई अपराध कर रही हैं।

महिलाएं भी करती हैं कमेंट : प्रेग्नेंसी में स्ट्रेच मार्क का पड़ना सामान्य है मगर इसका दिखना अच्छा नहीं माना जाता। कई बार कुछ महिलाएं ही किसी दूसरी महिला को इसके लिए टोक देती हैं। महिलाओं को ध्यान रखना चाहिए कि स्ट्रेच मार्क को सामान्य तरीके से लेने की शुरुआत उन्हें ही करनी होगी। तब जाकर अन्य लोग उन्हें सामान्य मानना शुरू करेंगे। मीरा राजपूत ने अपने स्ट्रेच मार्क्स को न छिपाकर एक टैबू ब्रेक किया है। वह खुद एक सेलिब्रिटी हैं इसलिए उनकी पहल का व्यापक असर होगा और आम लड़कियों को इससे हिम्मत मिलेगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने कसी कमर

मुख्यमंत्री योगी यह बात भी अवश्य बताते हैं कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अब तक प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। आठ हजार लेखपालों और 32 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती पूरी हो चुकी है।सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है।अगले दस दिनों में 42 हजार होमगार्डों को भी नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षा विभाग, लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होंगी।

(मृत्युंजय दीक्षित)

साथ ही मुख्यमंत्री योगी अपनी सरकार में 2019 से अभी तक युवाओं के लिए हुए कार्यों की जानकारी देते हुए अगली सरकार में युवाओं के लिए किए जा रहे संकल्पों की झलक भी दिखाई। योगी ने युवाओं से वादा किया कि आगामी 26 जनवरी तक युवाओं को एक लाख नौकरियां और दी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और संगठन बल के साथ अपनी तैयारियों को अंतिम स्वरूप प्रदान करने में जुट गई है। भाजपा ने युवा, महिला, किसान व गरीब समाज को साधने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी पहुँच को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ याजनाओं की बहार ला रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा तब और अब के अंतर को बताते हुए जनता के मध्य उतर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी अब हर उत्सव के दौरान जनमानस को यह बता रहे हैं कि उपद्रव से उत्साह की यात्रा नए उप्र की पहचान बन चुकी है। प्रदेश सरकार वर्तमान समय में जहां अपने संकल्प पत्र को पूर्णता प्रदान करने की ओर अग्रसर है वहीं नये लक्ष्यों का भी संकल्प लिया जा रही है। योगी आदित्यनाथ हिन्दू समाज को एकजुटता प्रदान करने का कोई अवसर नहीं चूक रहे हैं। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल से युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरण



अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर और हरदोई के 300 से अधिक शिक्षण संस्थानों के 50 हजार से अधिक युवाओं को टैबलेट दिया। मुख्यमंत्री योगी ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं से अपना नाम मतदाता सूची मे दर्ज करवाने की अपील करते हुए उनसे बजरंग बली की तरह अपनी शक्ति पहचानने का आह्वान भी किया।

साथ ही मुख्यमंत्री योगी अपनी सरकार में 2019 से अभी तक युवाओं के लिए हुए कार्यों की जानकारी देते हुए अगली सरकार में युवाओं के लिए किए जा रहे संकल्पों की झलक भी दिखाई। योगी ने युवाओं से वादा किया कि आगामी 26 जनवरी तक युवाओं को एक लाख नौकरियां और दी जाएंगी। पहले चरण में अभी तक 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए जा चुके हैं। इनमें इन्फोसिस के सहयोग से अनेक पाठयक्रमों की डिजिटल सामग्री मुफ्त उपलब्ध कराई है। इनमें योग से लेकर एआई और डीपटेक जैसे आधुनिक विषय शामिल हैं। युवा साथी ऐप के माध्यम से छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम और सीएम इंटर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और पीएम मुद्रा सहित केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती अवसर पर यह योजना प्रारंभ की गई थी और दो करोड़ युवाओं को डिजिटल उपकरण देने का संकल्प लिया गया था। आईआईएम लखनऊ से कराए गए अध्ययन में इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए और अब युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिए जा रहे हैं। इस समय उत्तर प्रदेश भारत का सबसे युवा प्रदेश है, जहां 56 से 60 प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है। देश की राजधानी दिल्ली में नीट की परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आक्रोश भारत सरकार ने झेला था तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद त्याग भी करना पड़ा था। कॉकरोच जनता पार्टी ने स्कूल-कालेजों की बदहाली के नाम पर उत्तर प्रदेश में भी युवाओं को भड़काने का असफल प्रयास किया किंतु प्रदेश सरकार की सतर्कता के कारण अराजक तत्व प्रदेश के युवाओ को भड़काने में नाकाम रहे। प्रदेश सरकार युवाओं को यह भी बता रही है कि 2017 से पूर्व प्रदेश में युवाओं के समक्ष पहचान का संकट था जबकि आज वे गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का निवासी बताते हैं। मुख्यमंत्री योगी यह बात भी अवश्य बताते हैं कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अब तक प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। आठ हजार लेखपालों और 32 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती पूरी हो चुकी है।सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है।अगले दस दिनों में 42 हजार होमगार्डों को भी नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षा विभाग, लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होंगी। अभी तक शिक्षा विभाग के 3,568 पंचायती राज विभाग के 1,375 खेल कोटे के 470 फ़ोरेंसिक विभाग के 28, पुलिस के 4,543 उपनिरीक्षकों और राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। प्रदेश के युवाओं को केवल सरकारी नौकरी ही नहीं दी जा रही है अपितु विभिन्न माध्यमों से अन्य रोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे किंतु आज 25 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। बदलते यूपी मे आज ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर अमेठी में ए के -203 राइफल का निर्माण हो रहा है। देश में बनने वाले 55 प्रतिशत मोबाइल फोन और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रोनिक कंपोनेंट का निर्माण यूपी में हो रहा है। लखनऊ की एचसीएल इकाई में एक समय केवल 100 कर्मचारी थे आज उनकी संख्या 18 हजार है। आज का उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं रहा क्योंकि अब प्रदेश दंगा मुक्त, माफिया मुक्त व अराजकता मुक्त हो चुका है। कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक हो जाने के कारण अब निवेशक भी प्रदेश की विभिन्न योजनाओं में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं जिसके कारण युवाओं को रोजगार व नौकरी के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। युवाओं को नौकरी के लिए विदेश जाने के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। कौशल विकास के भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। आगामी समय में प्रदेश सरकार छात्राओं के कल्याण के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना के अंतर्गत छात्राओं को स्कूटी वितरण का अभियान प्रारंभ करेगी।

वन ब्लॉक व वन पूर्व सैनिक योजना से भी युवाओं को प्रशिक्षण देने का अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में एक पूर्व सैनिक को जिम्मेदारी देकर स्थानीय युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। प्रदेश सरकार चुनावों की घोषणा के पूर्व अभी अपने तरकश से कुछ और तीर निकाल सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

थानाभवन में नाले में गिरे नील गाय के बच्चे को नगर पंचायत कर्मचारियो ने निकाला

नाले से निकलते ही जंगल की ओर भागा नीलगाय का बच्चा



थानाभवन। जंगल से भटकता हुआ नील गाय का बच्चा मेला ग्राउंड स्थित नाले में जा गिरा, सूचना पर नगर पंचायत कर्मचारियों ने रस्से से निकाला। नाले से निकलते ही नील गाय का बच्चा जंगल की ओर भाग गया। जानकारी के अनुसार मंदिर जस्सू वाला से दशहरा मैदान के आगे तक नाला बहता है। गत अलसुबह शुक्रवार को जंगल से भटकता हुआ नील गाय का बच्चा मेला ग्राउंड स्थित नाले में जा गिरा, सुबह जब आने जाने वाले लोगों ने ठंड में नीलगाय के बच्चे को देखा तो उन्होंने पूर्व सभासद विनोद सैनी को घटना की सूचना दी । विनोद सैनी तुरंत मौके पर पहुंचे उन्होंने नील गाय के बच्चे के नाले में गिरे होने की सूचना नगरपंचायत को दी ।सूचना पर नगर पंचायत कर्मचारी तुंरत मौके पर पहुंचे एवं नाले के ठंडे पानी से कंपकपाते नीलगाय के बच्चे को नगर पंचायत कर्मचारियो ने रस्सी के सहारे बाहर निकाला ।निकलते ही नीलगाय का बच्चा जंगल की ओर भाग गया।

बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर भक्तिमय हुआ माहौल, संतोषी माता मंदिर थानाभवन में गूंजे जयकारे

श्री श्याम सलोना मंडल कमेटी ने आयोजित किया विशेष पूजन और प्रसाद वितरण कार्यक्रम, श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

थानाभवन। हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम जी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को थाना भवन में भक्ति और उल्लास की अनोखी छटा देखने को मिली। इस मंगलमय मौके पर नगर स्थित संतोषी माता मंदिर में श्री श्याम सलोना मंडल कमेटी की ओर से एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्य क्रम का शुभारंभ बाबा खाटू श्याम जी के भव्य श्रृंगार और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मंत्रोच्चार और आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ हारे के सहारे की जय और खाटू नरेश की जय के गगनभेदी जयकारे लगाए जिससे आसपास का वाता वरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

पूजा-अर्चना और आरती के उपरांत कमेटी द्वारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।



श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में शीश नवाकर अपने घर-परिवार की सुख समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की मंगलकामना की।इस पावन धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में श्री श्याम सलोना मंडल कमेटी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से संयम गोयल, शिवम गोयल, हर्ष मित्तल, सनी जिंदल,अंशी गोयल,अंकुर शर्मा,अंकुर सैनी सहित नगर के गणमान्य नागरिक और काफी संख्या में श्याम प्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर के दो युवक लखनऊ में सोने की तस्करी में गिरफ्तार: सऊदी अरब सं नी-कैप में छिपाकर लाए थे एक किलो सोने का पेस्ट, तीसरा साथी फरार

जेद्दा से फ्लाइनास की उड़ान से पहुंचे थे तस्कर, सोनेट कार, 8900 रुपये नकद व सऊदी आईडी कार्ड बरामद



लखनऊ/मुजफ्फरनगर। विदेश से सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का सरोजनीनगर पुलिस ने पदार्फाश करते हुए मुजफ्फरनगर के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों युवक सऊदी अरब के जेद्दा से लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय उड़ान से लाए गए सोने के पेस्ट को नी-कैप में सिलकर छिपा रखा था। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 1.02 किलोग्राम सोने का पेस्ट बरामद किया है। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही किया सोनेट कार, दो मोबाइल फोन, 8900 रुपये नकद और सऊदी अरब का पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। गिरोह का तीसरा सदस्य पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा पुलिस टीम के साथ शहीद पथ पर लक्ष्मण चौक के आगे एयरपोर्ट की तरफ जाने वाले यूटर्न पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सऊदी अरब से सोने की तस्करी कर लखनऊ पहुंचे कुछ लोग सोना लेने के लिए काली किया सोनेट कार से आने वाले हैं। बताया गया कि तस्कर जेद्दा से लखनऊ पहुंची फ्लाइनास की उड़ान -605 से सोना लेकर आए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही कार सवार तीन लोग भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दो युवकों को पकड़ लिया, जबकि तीसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

बागोवाली और खुड्डा के रहने वाले हैं गिरफ्तार युवक

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र के गांव बागोवाली निवासी मोहम्मद अब्दुल्ला (30) और छपार थाना क्षेत्र के गांव खुड्डा निवासी मोहम्मद सम्मून (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों की तलाशी ली तो उनके पास से नी-कैप में छिपाकर रखा गया सोने का पेस्ट बरामद हुआ। प्राप्त विवरण के अनुसार, अब्दुल्ला के पास से 514 ग्राम और सम्मून के पास से 509 ग्राम पेस्ट बरामद किया गया। वहीं दूसरे पुलिस विवरण में अब्दुल्ला से 505.85 ग्राम और सम्मून से 504.82 ग्राम पेस्ट मिलने की जानकारी दी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 1.02 किलोग्राम बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने के पेस्ट के अलावा किया सोनेट कार, दो मोबाइल फोन, 8900 रुपये नकद और सऊदी अरब का आईडी कार्ड बरामद किया है। कार को सीज कर दिया गया है। पुलिस ने सोने के पेस्ट का कराया अलग पुलिस ने सुनार की मदद से सोने के पेस्ट को अलग कराया और जांच के लिए नमूने तैयार किए। पुलिस के मुताबिक, पेस्ट को गलाने के बाद 7.59 ग्राम शुद्ध सोना प्राप्त होने की जानकारी भी सामने आई है। बरामदगी के वजन और शुद्ध सोने की मात्रा में अंतर को लेकर आधिकारिक विवरण का मिलान किया जाना आवश्यक है।

नौकरी छूटने के बाद तस्करी में शामिल हुआ सम्मून

पुलिस पूछताछ में सम्मून ने बताया कि वह वर्ष 2024 में नौकरी करने के लिए सऊदी अरब गया था। वहां नौकरी छूटने के बाद उसे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। इसी दौरान वह वहाब नामक व्यक्ति के संपर्क में आया। आरोप है कि वहाब ने भारत लौटने का खर्च उठाने के बदले उसे नी-कैप में सोने का पेस्ट छिपाकर लखनऊ लाने का प्रस्ताव दिया। सम्मून इस काम के लिए तैयार हो गया। उसने सऊदी अरब से सोने का पेस्ट नी-कैप में छिपाकर लखनऊ पहुंचाया। यहां पहुंचने के बाद उसने एक नी-कैप अब्दुल्ला को सौंप दी। इसके बाद दोनों युवक सोना आगे पहुंचाने की तैयारी में थे। जाम के कारण बदला रास्ता, पुलिस की चेकिंग में फंसे

अब्दुल्ला ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी के साथ सोना लेने के लिए आया था। दोनों सोना लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकल गए थे, लेकिन आगे सड़क पर जाम लगा होने के कारण उन्होंने दूसरा रास्ता अपनाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस की चेकिंग में उनकी कार आ गई।

एयरपोर्ट की सुरक्षा और कस्टम जांच पर उठे सवाल

अंतरराष्ट्रीय उड़ान से पहुंचे यात्रियों के पास से सोने का पेस्ट बरामद होने के बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा और कस्टम जांच व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि सोना सऊदी अरब से किसने उपलब्ध कराया, भारत में इसे किसे सौंपा जाना था और इस नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं।फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। फरार आरोपी अब्दुल और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। मामले में कस्टम विभाग की भूमिका या किसी अधिकारी की लापरवाही को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुजफ्फरनगर के युवक का शव करनाल में पंखे से लटका मिला: किराए के कमरे में रहकर वेल्डिंग का काम करता था कमल, एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई पुलिस, साइकिल के सहारे पंखे से फंदा लगाने की आशंका



मुजफ्फरनगर/करनाल। हरियाणा के करनाल स्थित विकास कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहे उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद निवासी एक 20 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के भीतर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर जिले के मंसूरपुर मिल निवासी कमल के रूप में हुई है। घटना का पता उस समय चला जब युवक के रिश्तेदार सुबह उससे मिलने पहुंचे और अंदर से दरवाजा बंद होने व कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान मालिक की मौजूदगी में दरवाजा तुड़वाया, तो भीतर पंखे से बंधे फंदे पर कमल का शव लटका मिला।

साइकिल के सहारे फंदा लगाने की प्राथमिक आशंका

पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, कमल पिछले करीब चार महीने से विकास कॉलोनी में अकेले किराये का कमरा लेकर रह रहा था और दिहाड़ी पर वेल्डिंग का काम कर अपना गुजारा करता था। सुबह जब परिजन उससे मिलने पहुंचे, तो कमरे की कुंडी अंदर से बंद थी। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद जब भीतर से कोई हलचल नहीं हुई, तो अनहोनी की आशंका के चलते पुलिस को बुलाया गया। दरवाजा तोड़ने पर कमरे के फर्श पर नीचे एक साइकिल पड़ी हुई मिली। प्राथमिक जांच में पुलिस यह मानकर चल रही है कि युवक ने कमरे में रखी साइकिल के सहारे ही पंखे से फंदा लगाया होगा।

पिछले साल हुआ था मां का निधन

मृतक के परिजनों ने बताया कि कमल का घर पर भी व्यवहार ठीक नहीं रहता था और वह परिवार के सदस्यों को परेशान करता था। परिवार में चार भाई और तीन बहनें हैं, जबकि उसकी मां का पिछले वर्ष निधन हो चुका है। हालांकि, परिजनों को भी इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कमल ने इतना बड़ा आत्मघाती कदम क्यों उठाया।

जांच में जुटी एफएसएल टीम

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस व एफएसएल (FSL) की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। जांच अधिकारी जगदेव ने बताया कि ईआरवी (ERV) के माध्यम से सूचना मिलने पर टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवा दिया है और मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

धर्म के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियां कमजोर हों, सांप्रदायिकता मिटे और आपसी भाईचारा मजबूत हो — गौरव जैन

धर्म का संदेश समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं; देश में अमन, भाईचारे और खुशहाली की कामना के साथ गौरव जैन ने उठाया श्याम बाबा का निशान



मुजफ्फरनगर। धार्मिक आस्था, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश देते हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानपरिषद प्रत्याशी गौरव कुमार जैन ने भगवान श्री खाटू श्याम बाबा का पवित्र निशान उठाकर देश एवं प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और सामाजिक एकता की कामना की। गौरतलब है कि आज मुजफ्फरनगर के ऐतिहासिक शिवचौक से प्रारंभ हुई धार्मिक निशान यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ भाग लिया। श्याम बाबा के जयकारों के बीच निकाली गई यह धार्मिक यात्रा नई मंडी स्थित बालाजी धाम के समीप श्री खाटू श्याम धाम पहुंची, जहां गौरव जैन ने अपने साथियों सहित विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव से बाबा के चरणों में पवित्र निशान अर्पित किया। इस अवसर पर सपा नेता गौरव जैन ने बाबा श्याम के चरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहे, प्रत्येक परिवार में खुशहाली आए, समाज से सांप्रदायिकता और आपसी वैमनस्य समाप्त हो तथा धर्म के आधार पर लोगों को बांटने वाली शक्तियां कमजोर पड़ें।गौरव जैन ने यह भी कहा कि "हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता अनेकता में एकता और सर्वधर्म सद्भाव की भावना है। धर्म हमें प्रेम, करुणा, सेवा, त्याग और मानवता का संदेश देता है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य इंसान को इंसान से जोड़ना है, न कि समाज में नफरत और विभाजन की दीवारें खड़ी करना।"

आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता आपसी विश्वास, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की है। किसी भी धर्म की आस्था को राजनीतिक अथवा सामाजिक विभाजन का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। धार्मिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनसे समाज में प्रेम, सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना मजबूत हो निश्चित ही यात्रा के दौरान यह भावना सभी श्रद्धालुओं के मन में अवश्य ही रही होगी । निशान यात्रा में शामिल सैकड़ों श्याम भक्तों ने बाबा के जयकारे लगाते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने श्री खाटू श्याम बाबा के दर्शन कर अपने परिवारों तथा देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। निशान यात्रा में गौरव कुमार जैन के साथ अंकुर जैन 'भगत जी', अश्वनी जैन, दीपेश जैन, सिद्धांत जैन, तनिष्क,ख्वाईश जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं श्याम भक्त उपस्थित रहे।

बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर भक्ति के रंग में रंगा मुजफ्फरनगर, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने दरबार में नवाया शीश

भजन-कीर्तन और विशाल भंडारे में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु; देवउठनी एकादशी पर निकली निशान यात्रा के बाद शहर में छाया श्याम भक्ति का उल्लास



मुजफ्फरनगर। धर्मनगरी मुजफ्फरनगर में बाबा खाटू श्याम के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बाबा खाटू श्याम का पांचवां जन्मोत्सव नवीन मंडी क्षेत्र में श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजक अंकित गर्ग की ओर से अपने प्रतिष्ठान पर लगातार पांचवीं बार भव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा के दरबार को आकर्षक फूलों से सजाया गया, वहीं भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा परिसर श्याममय हो गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। भक्तों ने बाबा के दरबार में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी पहुंचकर बाबा खाटू श्याम के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्रियों की मौजूदगी से आयोजन को मिली विशेष गरिमा

जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार शामिल हुए। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री तथा उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी बाबा के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। दोनों मंत्रियों ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन कर श्रद्धालुओं को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं और आयोजन की सराहना की। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी, समाजसेवी और श्याम भक्त मौजूद रहे। अतिथियों का श्रद्धालुओं और आयोजकों ने स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि बाबा खाटू श्याम की कृपा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से उनके प्रतिष्ठान पर लगातार पांचवें वर्ष जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम को भव्य रूप देने का प्रयास किया जाता है। बाबा के दरबार को सजाने के साथ भजन-कीर्तन और भंडारे की व्यवस्था की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा खाटू श्याम अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और उनकी कृपा से ही यह आयोजन निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा है। भविष्य में भी इस धार्मिक परंपरा को इसी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी रखा जाएगा। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार बोले- श्रद्धा और उल्लास के साथ मना रहे व्यापारी और श्रद्धालु जन्मोत्सव

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि मंडी में व्यापारी भाइयों और श्रद्धालुओं की ओर से बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आस्था, आपसी सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने बाबा के दर्शन कर सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शिव चौक से बाबा खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा निकाली गई थी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए निशान उठाए और उन्हें गणपति खाटू श्याम मंदिर में अर्पित किया।

रंग संसार

400 करोड़ी हनुमान अंश की सफलता पर बॉलीवुड की चुप्पी पर फूटा डायरेक्टर का गुस्सा, बोले- 'हमारी फिल्म छोटी



नई दिल्ली। जब कोई डेब्यूटेंट डायरेक्टर, प्रोड्यूसर या फिर डेब्यूटेंट एक्टर्स कोई फिल्म बनाते हैं और वो भी छोटे बजट की तो उनकी चर्चा ज्यादातर कम ही होती है और कई बार वे बॉक्स ऑफिस पर औंधें मुंह भी गिर जाते हैं। मगर हनुमान अंश इस साल की सबसे सरप्राइजिंग सक्सेसफुल फिल्म रही। हनुमान अंश, नीम करोली बाबा पर आधारित बायोग्राफिल फिल्म है जिसे डॉक्टर विशाल चतुवेर्दी ने डायरेक्ट किया था और नीम करोली बाबा के किरदार में शोभिनव सत्या नजर आए थे। हनुमान अंश एक सरप्राइजिंग हिट इसलिए कही जा रही है, क्योंकि शुरू के 15 दिनों में न तो फिल्म का बज था और न ही कमाई। मगर उसके बाद टॉक्सिक, बंटवारा 1947 और आवारापन 2 जैसी फिल्मों के बीच पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ ने हनुमान अंश की किस्मत चमका दी। करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 400 करोड़ रुपये कमा लिए। हनुमान अंश की सफलता का डंका यूं तो पूरे देश-दुनिया में बजा, लेकिन हैरानगी की बात रही कि कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज चुप रहे। चुनिंदा सेलिब्रिटीज को छोड़कर किसी ने भी सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ नहीं की। अब फिल्म के डायरेक्टर विशाल चतुवेर्दी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है।इन सेलेब्स ने की थी तारीफ

विशाल चतुवेर्दी ने उन सेलिब्रिटीज का भी जिक्र किया जिन्होंने हनुमान अंश की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "लेकिन जब लोग मुझसे मिलते हैं तो वे फिल्म के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। कुछ बड़े दिल वाले लोग ही ऐसे हैं जिन्होंने खुलकर इसकी तारीफ की है, जिनमें वरुण धवन, वीरेंद्र सहवाग और कई अन्य लोग शामिल हैं। किसी भी बड़े स्टूडियो या स्थापित प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म की सफलता को लेकर कोई पत्र या बयान नहीं दिया।"

राज काज

दुनिया के सबसे घातक एफ-22 रैप्टर को चाहिए 1990 के जमाने का मेमोरी कार्ड, अमेरिका ने निकाला टेंडर

वाशिंगटन। अमेरिकी वायु सेना का F-22 रैप्टर दुनिया के सबसे उन्नत और घातक स्टेल्थ लड़ाकू विमानों में गिना जाता है। दुश्मन के रडार को चकमा देने और आधुनिक युद्ध तकनीकों के दम पर आसमान में अपना दबदबा कायम रखने वाले इस हाई-टेक विमान की एक जरूरत बेहद हैरान करने वाली है। अमेरिकी वायु सेना को इस फाइटर जेट के लिए ऐसे मेमोरी कार्ड की तलाश है, जो 1990 के दशक की तकनीक पर आधारित हों और जिनकी स्टोरेज क्षमता कम से कम 256 MB हो। वायु सेना ने खरीद नोटिस जारी किया अमेरिकी वायु सेना विभाग की ओर से 16 नवंबर को एक खरीद नोटिस जारी किया गया है। F-22 डिवीजन की आधुनिकीकरण शाखा द्वारा की जा रही इस मार्केट रिसर्च प्रक्रिया का उद्देश्य विमान के 'नेक्स्ट-जेनरेशन' माइक्रो-डेटा ट्रांसफर कार्ट्रिज (mDTC) सिस्टम के लिए फ्लैश-स्टोरेज कार्ड सप्लायर्स की पहचान करना है। इस जरुरत में 'PC स्टैंडर्ड 95 टाइप II फ्लैश ATA' कार्ड और कॉम्पैक्टफ्लैश कार्ड शामिल हैं, जिनके साथ जरूरी एडेप्टर भी होने चाहिए। इन सभी कार्डों में कम से कम 256 MB स्टोरेज होनी चाहिए। नोटिस में यह भी कहा गया है कि ये कार्ड सरकारी उपकरणों के जरिए डेटा पढ़ने और लिखने में सक्षम होने चाहिए।F-22 डिवीजन की आधुनिकीकरण शाखा द्वारा जारी किया गया यह नोटिस, संभावित आपूर्तिकताओं (सप्लायर्स) की पहचान करने के लिए एक तरह की मार्केट रिसर्च है। फ्लैश स्टोरेज एक तरह की इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी है, जो पावर बंद होने पर भी जानकारी को सुरक्षित रखती है। RAM के विपरीत जो कंप्यूटर चलने के दौरान केवल कुछ समय के लिए डेटा रखती है।फ्लैश स्टोरेज जानकारी को भविष्य में इस्तेमाल के लिए बचाकर रखती है। यह आमतौर पर USB ड्राइव, मेमोरी कार्ड और सॉलिड-स्टेट ड्राइव (SSD) में पाई जाती है। अमेरिकी वायु सेना द्वारा बताए गए फॉर्मेट में से एक, 'कॉम्पैक्टफ्लैश' है। यह एक रिमूवेबल (निकालने योग्य) फ्लैश-स्टोरेज फॉर्मेट है, जिसे 1994 में पेश किया गया था। दूसरा विकल्प, 'PC स्टैंडर्ड 95 टाइप II फ्लैश ATA' कार्ड है, जो पुराने 'PC कार्ड' स्टोरेज सिस्टम से जुड़ा है।

दैनिक राशिफल शनिवार 21 नवम्बर 2026

मेष – आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा।

वृष – सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ।

सिंह– आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं।

कन्या – "आगे-आगे गौरख जागेइ वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें।

तुला – जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

वृश्चिक – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

धनु – अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

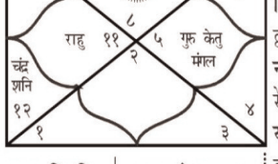
मकर – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

कुंभ – होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

मीन – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

दैनिक पंचांग

21 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मीन में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	05.57 ब.से
धनु	08.17 बजे से
मकर	10.22 बजे से
कुंभ	12.09 बजे से
मीन	13.41 बजे से
मेष	15.12 बजे से
वृष	16.52 बजे से
मिथुन	18.50 बजे से
कर्क	21.04 बजे से
सिंह	23.20 बजे से
कन्या	01.32 बजे से
तुला	03.42 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 325 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 06.32 बजे तदनन्तर द्वादशी 04.57 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 06.51 बजे तदनन्तर रेवती 05.55 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 06.32 बजे, बव 17.50 बजे तदनन्तर बालव 04.57 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 52' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872900 **जूलियन दिन** 2461365.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 10 **विशेष** गुरुवायुर एकादशी, तुलसी विवाह, योगेश्वर द्वादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मान

दिवाली की खरीदारी करने शिव चौक पहुंची विधवा बुजुर्ग महिला पर तीन युवकों का हमला, पेट में मारी लातें, सिर और पैरों में आई चोटें

महिला से अभद्रता और गाली-गलौज के बाद बेरहमी से मारपीट करने का आरोप, कानों के कुंडल और पर्स में रखे 35 हजार रुपये भी गिरे, राहगीरों ने बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ प्रसारित, तीन नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख शिव चौक पर दिवाली के अवसर पर खरीदारी करने पहुंची एक विधवा और बुजुर्ग महिला के साथ तीन युवकों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवकों ने महिला के साथ पहले अभद्रता और गाली-गलौज की तथा विरोध करने पर उसे घेरकर बेरहमी से पीटा। इस दौरान आरोपियों ने महिला के पेट में भी कई लातें मारीं, जिससे उस-ाके सिर और पैरों में काफी चोटें आईं। मारपीट के दौरान महिला के कानों के कुंडल निकलकर गिर गए, जबकि पर्स में रखे करीब 35 हजार रुपये भी गिरने की बात कही गई है। घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों ने मारपीट का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुआ। पीड़ित महिला ने कोतवाली नगर पहुंचकर आ-रोपियों के खिलाफ शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने तीन नामजद युवकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दिवाली पर खरीदारी करने शिव चौक पहुंची थी बुजुर्ग महिला

शहर के कृष्णापुरी निवासी स्वर्गीय संजय कुमार की पत्नी अनेश देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह विधवा और बुजुर्ग महिला हैं। पांच नवंबर 2026 की शाम करीब साढ़े चार बजे वह दिवाली के अवसर पर शिव चौक पर सामान खरीदने के लिए पहुंची थीं। त्योहार के चलते शिव चौक और आसपास के बाजार में काफी चहल-पहल थी। महिला के अनुसार, वह सामान लेकर वहां खड़ी थी, तभी रामलीला टीला निवासी करण और कृष्णा पुत्र बबलू तथा कृष्णापुरी निवासी अमित पुत्र राजू वर्मा वहां पहुंच गए।

अभद्रता का विरोध करने पर तीनों ने मिलकर की मारपीट

महिला ने आरोप लगाया कि तीनों युवकों ने उसके साथ बदतमीजी करनी शुरू कर दी। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसे धमकाया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने उसे घेरकर पीटा और उसके पेट में भी लातें मारीं। अचानक हुए हमले से महिला संभल नहीं सकी और उसे गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी।

सिर और पैरों में आई चोटें, पेट में लातें मारने का आरोप

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि हमले के कारण उसके सिर और पैरों पर काफी चोटें आईं। आरोप है कि तीनों युवकों ने बुजुर्ग महिला होने के बावजूद उसके साथ कोई रियायत नहीं बरती और बेरहमी से मारपीट की। सार्वजनिक स्थान पर हुई इस घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। महिला ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसे डराने और धमकाने का भी प्रयास किया।

महिला के मुताबिक, मारपीट के दौरान उसके कानों के कुंडल भी गिर गए। इस-ाके अलावा उसके पर्स में रखे करीब 35 हजार रुपये भी घटनास्थल पर गिर गए। महिला ने अपनी शिकायत में इन रुपयों और कुंडलों के गिरने का भी उल्लेख किया है। घटना के बाद वह काफी परेशान हो गई। त्योहार के मौके पर बाजार में खरीदारी करने पहुंची महिला के साथ हुई इस घटना ने उसकी मुश्किलें बढ़ा दीं।

इंस्टाग्राम पर गाली-गलौज को लेकर विवाद, बारात से लौट रहे युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला

नरा रेलवे फाटक पर बंद फाटक के दौरान हुई वारदात, युवक के गले, पेट और हाथ पर किए कई वार; एक नामजद और अज्ञात साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव नरा में इंस्टाग्राम पर गाली-गलौज को लेकर हुए विवाद में बारात से लौट रहे एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि रेलवे फाटक बंद होने के कारण रुके युवक के साथ दो लोगों ने पहले कहासुनी की और फिर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक आरोपी ने चाकू निकालकर युवक के गले, पेट और हाथ पर कई वार कर दिए। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अपने साथी के साथ बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। घायल युवक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बारात से लौटते समय नरा रेलवे फाटक पर रुका था युवक

शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव तावली निवासी इस्तकार ने मंसूरपुर थाने में दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा खुशनूद 18 नवंबर 2026 को गांव पुरबालियान से बारात में शामिल होने के लिए गांव नरा आया हुआ था। बारात में खाना खाने के बाद वह वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव नरा स्थित रेलवे फाटक बंद होने के कारण वह वहां रुक गया। आरोप है कि इसी दौरान गांव नरा के दो युवक वहां पहुंचे और इंस्टाग्राम पर गाली-गलौज करने को लेकर खुशनूद से कहासुनी करने लगे। खुशनूद ने उनसे पूछा कि उसने कब गाली दी है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि अब्दुल रहमान पुत्र जुल्फकार निवासी गांव नरा और उसके अज्ञात साथी ने खुशनूद के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के पिता के अनुसार, मारपीट के दौरान अब्दुल रहमान ने चाकू निकाल लिया और उसके बेटे पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। चाकू के हमले में खुशनूद के गले, पेट और हाथ पर चोटें आईं। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आरोप है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि आज तो बच गया है, आगे जान से मार देंगे। तहरीर के अनुसार, हमला करने के बाद अब्दुल रहमान अपने अज्ञात साथी के साथ बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित के पिता ने बताया कि वह दूसरे आरोपी को नाम से नहीं जानता है, लेकिन हमले में वह भी शामिल था।

घटना के बाद घायल युवक के परिजनों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मामले में खुशनूद के पिता इस्तकार ने मंसूरपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अब्दुल रहमान पुत्र जुल्फकार निवासी गांव नरा और उसके अज्ञात साथी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मीनाक्षी चौक के नॉनवेज रेस्टोरेंट में भीड़ तो खूब, लेकिन सुरक्षा इंतजामों पर सवाल ! आग लगने पर कैसे बचेगी जान

नीचे किचन और ऊपर मॉडिफाइड सिटिंग व्यवस्था से बढ़ी अग्निकांड की आशंका, फायर एनओसी से लेकर एमडीए की स्वीकृति तक की जांच जरूरी, वायरल वीडियो ने खड़े किए सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल, देर रात तक वाहनों का जमावड़ा भी बन सकता है मुसीबत

मुजफ्फरनगर। शहर के मीनाक्षी चौक पर शाम ढलते ही नॉनवेज रेस्टोरेंट और होटलों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगती है। देर रात तक यहां खाने-पीने के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई रेस्टोरेंट में आकर्षक और मॉडिफाइड सिटिंग व्यवस्था तैयार की गई है। कहीं नीचे किचन और ऊपर बैठने की व्यवस्था है तो कहीं सीमित जगह में अधिक ग्राहकों को बैठाने के लिए अलग-अलग मंजिलों पर इंतजाम किए गए हैं। लेकिन इस चमक-दमक और भीड़ के बीच सबसे बड़ा सवाल ग्राहकों की सुरक्षा का है। यदि किसी रेस्टोरेंट के निचले हिस्से में बने किचन में आग लग जाए और ऊपर की मंजिल पर ग्राहक बैठे हों तो उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए क्या पर्याप्त इंतजाम हैं? यह ऐसा सवाल है, जिसकी गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नीचे आग का खतरा, ऊपर बैठे रहते हैं ग्राहक

मीनाक्षी चौक के आसपास संचालित कुछ रेस्टोरेंट में ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था सामान्य ढांचे से अलग दिखाई देती है। ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने और अधिक लोगों को बैठाने के उद्देश्य से मॉडिफाइड सिटिंग व्यवस्था बनाई गई है। कुछ स्थानों पर नीचे खाना तैयार करने के लिए किचन और ऊपर ग्राहकों के बैठने का इंतजाम किया गया है। किचन में गैस चूल्हे और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में किसी तकनीकी खराबी, गैस रिसाव या अन्य कारण से आग लगने की स्थिति में खतरा बढ़ सकता है। खासकर तब, जब आग निचले हिस्से में लगे और ग्राहक ऊपर बैठे हों। ऐसी स्थिति में सुरक्षित सीढ़ियां, वैकल्पिक निकास और आपातकालीन बचाव व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। रेस्टोरेंट संचालक ग्राहकों की सुविधा और आकर्षण के लिए अलग-अलग तरह की सिटिंग व्यवस्था तैयार कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन व्यवस्थाओं को बनाते समय अग्नि सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन किया गया है? क्या ऊपर बैठने वाले ग्राहकों के लिए पर्याप्त चौड़ी सीढ़ियां हैं? क्या आग लगने की स्थिति में मुख्य रास्ता बंद होने पर बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता उपलब्ध है? क्या आपातकालीन निकास को इस तरह बनाया गया है कि भीड़ के बावजूद लोग सुरक्षित बाहर निकल



सकें? इन सभी बिंदुओं की जांच जरूरी है। केवल बैठने की बेहतर व्यवस्था बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसी भी आपात स्थिति में ग्राहकों की जान बचाने के इंतजाम भी उतने ही मजबूत होने चाहिए। रेस्टोरेंट और होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों की जांच महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रतिष्ठान की श्रेणी, आकार और लागू नियमों के अनुसार वैध अग्निशमन अनापत्ति प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) तथा आवश्यक सुरक्षा इंतजाम होने चाहिए। रेस्टोरेंट में आग बुझाने वाले यंत्र, उनकी वैधता और उपयोग की स्थिति, गैस पाइपलाइन एवं सिलेंडरों की सुरक्षा, बिजली की वायरिंग और आपातकालीन निकास की व्यवस्था की पड़ताल होनी चाहिए। साथ ही कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी भी होनी चाहिए। जांच में यह भी देखा जाना चाहिए कि कहीं आग बुझाने वाले उपकरण केवल दिखावे के लिए तो नहीं लगाए गए हैं। रेस्टोरेंट में ग्राहकों को बैठाने के लिए किए गए निर्माण और बदलाव भी जांच के दायरे में आने चाहिए। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) को यह देखना चाहिए कि प्रतिष्ठानों में किए गए निर्माण, अतिरिक्त मंजिल, सीढ़ियों और सिटिंग व्यवस्था को नियमानुसार स्वीकृति मिली है या नहीं। मूल भवन के नक्शे में स्वीकृत व्यवस्था से अलग कोई बदलाव तो नहीं किया गया है। यदि किसी भवन में किचन और बैठने की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त निर्माण किया गया है तो उसकी वैधानिक स्थिति की जांच भी आवश्यक है।

बिना निर्धारित मानकों के किए गए बदलाव किसी बड़े हादसे की स्थिति में गंभीर समस्या बन सकते हैं। हालांकि, संबंधित प्रतिष्ठानों के पास वैध स्वीकृति और एनओसी है या नहीं, यह विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। एक रेस्टोरेंट में आग लगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात भी सामने आई है। इस वीडियो के सामने आने के बाद क्षेत्र के रेस्टोरेंट और होटलों में अग्नि सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो के संबंध में घटना की पूरी परिस्थितियों और सुरक्षा व्यवस्था की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है, लेकिन इसने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि भीड़भाड़ वाले रेस्टोरेंट में आग जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कितनी मजबूत है। यदि आग तेजी से फैलती है तो धुआं, गर्मी और सीमित निकास रास्ते ग्राहकों के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं।

खेत में गेहूं की बुआई कर रहे किसान पर बलकटी से जानलेवा हमला, सिर और शरीर पर आई चोटें

खेत के पड़ोसियों पर हमला कर घायल करने और जान से मारने की धमकी देकर फरार होने का आरोप, किसान की तहरीर पर महिला और उसके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव बलीपुरा में खेत में गेहूं की बुआई कर रहे एक किसान पर बलकटी से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खेत के पड़ोस में रहने वाली महिला और उसके बेटे ने किसान पर हमला कर दिया। हमले में किसान के सिर और शरीर पर काफी चोटें आईं। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित किसान की तहरीर पर पुलिस ने महिला और उसके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुबह आठ बजे खेत पर गेहूं की बुआई करने गया था किसान

गांव बलीपुरा निवासी प्रणवीर पुत्र जयपाल सिंह ने मीरापुर थाने में दी तहरीर में बताया कि वह 19 नवंबर की सुबह करीब आठ बजे अपने खेत पर गेहूं की बुआई करने गया था। वह खेत में बुआई का काम कर रहा था। इसी दौरान उसके खेत के पड़ोस में रहने वाली रिहाना और उसका बेटा सोनू वहां पहुंच गए।

बलकटी से किया हमला, सिर और शरीर पर आई चोटें

किसान का आरोप है कि दोनों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान उस पर बलकटी से प्रहार किया गया, जिससे उसके सिर और शरीर पर काफी चोटें आईं।

अचानक हुए हमले से किसान घायल हो गया। आरोप है कि हमला करने के बाद दोनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

घटना के बाद पीड़ित किसान ने मीरापुर थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रिहाना पत्नी नौशाद और उसके पुत्र सोनू के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आयुष मंत्रालय की राष्ट्रीय संस्था की शासी निकाय में सदस्य नामित हुए ललित मोहन शर्मा, शिवसेना ने भव्य समारोह में किया सम्मानित



मुजफ्फरनगर। शिवसेना के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की स्वीकृति से केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की शासी निकाय का सदस्य नामित किए जाने पर शिवसेना कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खुशी की लहर है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर मुजफ्फरनगर के प्रकाश चौक स्थित शिवसेना कार्यालय पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं गुलदस्तों से उनका स्वागत और अभिनंदन किया। उनका कार्यकाल 11 अगस्त 2028 तक रहेगा।

फूल-मालाओं से किया भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में उत्साह

सम्मान समारोह का संचालन शिवसेना के वरिष्ठ नेता शरद कपूर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने ललित मोहन शर्मा को फूल-मालाएं पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ललित मोहन शर्मा का देश की महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्था की शासी निकाय में सदस्य नामित होना मुजफ्फरनगर जनपद के साथ-साथ पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह जिम्मेदारी उनके सामाजिक सरोकारों, जनसेवा के प्रति समर्पण और निरंतर सक्रियता को सम्मान मिलने जैसा है। उन्होंने विश्वास जताया कि ललित मोहन शर्मा अपने अनुभव और मार्गदर्शन से भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर शिवसेना महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी ने कहा कि ललित मोहन शर्मा को राष्ट्रीय स्तर पर इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदा-री मिलना सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। उनकी यह उपलब्धि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ललित मोहन शर्मा अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता से करेंगे। सम्मान समारोह में मुकेश त्यागी, देवेंद्र चौहान, पूनम चौधरी, ब्रजपाल कश्यप, सत्येंद्र प्रधान, विकास ठाकुर, वेदप्रकाश त्यागी, संजीव वर्मा, अनुज चौधरी, संजू कश्यप, अरविंद शर्मा, अमित मित्तल, ललित पुन्हेड़ा, विशाल वर्मा, शिवम, मुकुल, अर्जुन, पंकज गर्ग, राहुल गर्ग, बंधु वर्मा, प्रशांत रावत, उज्ज्वल पंडित और अमित कुमार सहित अनेक पदाधिकारी एवं शिवसैनिक उपस्थित रहे। सभी ने ललित मोहन शर्मा को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

सपा के जिला उपाध्यक्ष शौर्य भारद्वाज ने पद और प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा



मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी शौर्य भा-रद्वाज ने पार्टी के पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे इस्तीफे में मुजफ्फरनगर जिला संगठन की कार्यप्रणाली, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और संगठनात्मक समन्वय की कमी को नाराजगी का कारण बताया है। शौर्य भा-रद्वाज ने जिला अध्यक्ष जिया चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं को अपेक्षित सहयोग और संरक्षण नहीं मिलने पर असंतोष जताया। उन्होंने अपने राजनीतिक प्रकरण में संगठन और वरिष्ठ नेताओं से सहयोग की अपेक्षा पूरी नहीं होने की बात भी कही। साथ ही कुछ अन्य नेताओं के मामलों में कथित तौर पर अलग-अलग राजनीतिक रुख अपनाए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष राशिद मलिक के सहयोग और मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उनसे अलग होने को अपने लिए सबसे पीड़ादायक बताया।

जनगणना-2027 को सफल बनाने के लिए न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता भी आए आगे, स्वयं-गणना अभियान में लिया हिस्सा

जिला न्यायाधीश, सीजेएम, एडीजे सहित न्यायिक अधिकारियों और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने की स्वयं अपनी गणना, आम नागरिकों से भी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को सफल बनाने के लिए जिले में स्वयं-गणना अभियान को गति देने की कवायद तेज हो गई है। राष्ट्रीय महत्व के इस अभियान से अब न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता भी जुड़ रहे हैं। इसी क-ड़ी में जनपद मुजफ्फरनगर में जिला न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) सहित अन्य न्यायिक अधिकारियों तथा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने स्वयं-गणना अभियान में सहभागिता की। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं को स्वयं-गणना की प्रक्रिया की जानका-री दी गई और उन्हें स्वयं अपनी गणना करने के साथ अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया गया।

न्यायिक अधिकारियों को दी गई स्वयं-गणना की जानकारी

कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं को जनगणना-2027 के अंतर्गत संचालित स्वयं-गणना अभियान की प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि इस अभियान के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी गणना की प्रक्रिया में भागी-दारी कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य जनगणना की प्रक्रिया में आम लोगों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है। उपस्थित अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने स्वयं-गणना अभियान से जुड़कर इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, बार के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने भी अभियान में भाग लिया। उन्हें बताया गया कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक जनगणना के महत्व और स्वयं-गणना की प्रक्रिया की जानकारी पहुंचाना आवश्यक है। अधिवक्ता वर्ग का समाज में महत्वपूर्ण



स्थान है और उनके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को इस अभियान से जोड़ने में मदद मिल सकती है। उनसे अपने संपर्क में आने वाले लोगों, परिचितों और आम नागरिकों को भी स्वयं-गणना के लिए जागरूक करने की अपील की गई। कार्यक्रम में जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संदेश दिया गया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती तक सीमित प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश के विकास, नीतियों के निर्धारण और भविष्य की योजनाओं को तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करती है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। सही और व्यापक आंकड़े उपलब्ध होने से विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने में सहायता मिलती है। अभियान के माध्यम से आम नागरिकों से भी अपील की गई कि वे स्वयं-गणना की प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। साथ ही परिवार, आसपास के लोगों और परिचितों को भी जनगणना-2027 के प्रति जागरूक करें।

न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं की सहभागिता से अभियान को सामाजिक स्तर पर प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम का संदेश रहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल बनाने के लिए सरकारी विभागों के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग जरूरी है। जनपद में आयोजित इस पहल के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि जनगणना-2027 में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी देश के विकास में योगदान के समान है।

रूस में अलीसिया गम्भीर ने थामकर लहराया तिरंगा, अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का किया प्रतिनिधित्व

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गम्भीर सिंह की बेटी ने विदेश की धरती पर किया देश का प्रतिनिधित्व, शिक्षिका एवं समाजसेवी मां डॉ. अंजली गम्भीर सिंह के संस्कारों और मार्गदर्शन से हासिल की उपलब्धि

मुजफ्फरनगर। एक पिता ने जीवनभर हजारों बेटियों का हाथ थामकर उन्हें शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अपने सपनों को साकार करने की राह दिखाई। आज उसी पिता की बेटी ने सात समंदर पार रूस की धरती पर भारतीय तिरंगा थामकर देश का गौरव बढ़ाया है। रूस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में अलीसिया गम्भीर ने भारत का प्रतिनिधित्व कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों और नया विचार नई ऊर्जा फाउंडेशन परिवार में खुशी और गर्व का माहौल है। अलीसिया गम्भीर के पिता गम्भीर सिंह मुजफ्फरनगर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के पद पर कार्यरत हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ वह सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने हजारों बेटियों को आगे बढ़ने, शिक्षा प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया है। बेटियों के सपनों को पंख देने और उन्हें समाज में अपनी पहचान बनाने का अवसर उपलब्ध कराने की सोच उनके सामाजिक कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज उनकी अपनी बेटी ने अंतरराष्ट्रीय मंच



पर भारत का प्रतिनिधित्व कर उनके सपनों और संस्कारों को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। अलीसिया की माता डॉ. अंजली गम्भीर सिंह शिक्षिका होने के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वह जरूरतमंद और वंचित बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती हैं। ऐसे बच्चों को शिक्षा से जोड़ना, उनके जीवन में उम्मीद जगाना और भविष्य संवारने में सहयोग करना उनके सामाजिक कार्यों का अहम हिस्सा है। उन्होंने अपनी बेटी को भी शिक्षा के महत्व के साथ मेहनत, अनु-शासन, संस्कार और समाज के प्रति जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया है। एक ओर मां जरूरतमंद बच्चों के भविष्य को संवारने में जुटी हैं तो दूसरी ओर उनकी बेटी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन कर रही है। रूस में आयोजित ओलंपियाड के मंच पर अलीसिया गम्भीर के हाथों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देखकर परिवार के लिए यह पल बेहद भावुक और गौरव-शाली बन गया। यह उपलब्धि केवल एक बेटी की सफलता नहीं, बल्कि माता-पिता के विश्वास, वर्षों के मार्गदर्शन, मेहनत और पारिवारिक संस्कारों का भी प्रतीक है। अलीसिया की सफलता ने यह संदेश दिया है कि बेटियों को उचित शिक्षा, अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं।

हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा बनी अलीसिया

नया विचार नई ऊर्जा फाउंडेशन परिवार ने अलीसिया गम्भीर की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। फाउंडेशन की ओर से कहा गया कि अलीसिया की सफलता उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करती हैं। जब माता-पिता बेटियों के हाथों में कलम थमाते हैं और उनके सपनों पर विश्वास करते हैं तो वही बेटियां एक दिन परिवार, समाज और राष्ट्र का गौरव बनती हैं।

माता-पिता को भी दिया बधाई का संदेश

फाउंडेशन परिवार ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गम्भीर सिंह और डॉ. अंजली गम्भीर सिंह को भी बधाई देते हुए कहा कि एक पिता का बेटियों को आगे बढ़ाने का संकल्प और एक मां का शिक्षा एवं समाजसेवा के प्रति समर्पण आज उनकी बेटी की उपलब्धि में दिखाई दे रहा है। माता-पिता ने अलीसिया को केवल सफलता का सपना नहीं दिखाया, बल्कि उस सपने को पूरा करने के लिए जरूरी शिक्षा, विश्वास और संस्कार भी दिए।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियां तेज, डीएम सुनील कुमार सिंह ने ईवीएम-वीवीपैट जागरूकता अभियान का किया शुभारंभ

छह विधानसभा क्षेत्रों और तहसीलों में चलेगा विशेष प्रशिक्षण अभियान, मतदाता खुद ईवीएम पर वोट डालकर देख सकेंगे वीवीपैट की पर्ची; मतदान प्रक्रिया से जुड़ी शंकाओं और भ्रांतियों को दूर करने की पहल

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता की तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में जनपद में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) और वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) को लेकर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत जनपद के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया की व्यावहारिक जानका-री दी जाएगी। खास बात यह है कि जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिक स्वयं ईवीएम पर मतदान करके देख सकेंगे और वीवीपैट के माध्यम से अपने वोट का सत्यापन करने की प्रक्रिया भी समझ सकेंगे।

छह विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं तक पहुंचेगा अभियान

जिलाधिकारी ने बताया कि इस विशेष



अभियान को जनपद के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की तहसीलों में भी प्र-शिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके माध्यम से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों के मतदाताओं तक भी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाई जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक नागरिक इन कार्यक्रमों में शामिल होकर ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें।

मतदाता खुद ईवीएम पर डाल सकेंगे वोट

अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें मतदाताओं को केवल मशीनों की जानकारी देकर औपचारिकता पूरी नहीं की जाएगी, बल्कि उन्हें स्वयं ईवीएम पर मतदान करके देखने का अवसर भी मिलेगा। प्रशिक्षण के दौरान नागरिकों को बताया जाएगा कि ईवीएम पर किस प्रकार प्रत्याशी के सामने लगे बटन को दबाकर वोट डाला जाता है। इसके बाद वीवीपैट मशीन में संबंधित प्रत्याशी का नाम और चुनाव चिह्न प्रदर्-शित करने वाली पर्ची दिखाई देगी। इससे मतदाता यह समझ सकेंगे कि मतदान के बाद उनके वोट का सत्यापन किस प्रकार किया जाता है।

वीवीपैट से ऐ

ट्रैक्टर की टक्कर से यूपी पुलिस के युवा दरोगा की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज, विभागीय काम से लौटते समय हुआ था हादसा

उपनिरीक्षक अरुण चाहर की स्विफ्ट डिजायर कार में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मारी थी जोरदार टक्कर, कार के परखच्चे उड़े और मौके पर गई थी जान

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र में चितौड़ा कट के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के युवा उपनिरीक्षक की मौत के मामले में अब मुकदमा दर्ज किया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले 26 वर्षीय अरुण चाहर मुजफ्फरनगर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र की स्टेडियम चौकी पर प्रभारी के पद पर तैनात थे। आरोप है कि विभागीय कार्य पूरा कर जानसठ से वापस लौटते समय तेज गति और लापरवाही से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी स्विफ्ट डिजायर कार में जोरदार टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में दरोगा की मौत हो गई थी, जबकि उनकी कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। भाई की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया था। परिजन गहरे सदमे और मानसिक तनाव के कारण तत्काल पुलिस को तहरीर नहीं दे सके। अब त्रयोदशी संस्कार संपन्न होने के बाद मृतक के भाई ने जानसठ थाने पहुंचकर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुजफ्फरनगर में स्टेडियम चौकी प्रभारी के पद पर तैनात थे अरुण चाहर

आगरा जनपद के थाना कागारौल क्षेत्र के गांव बसेरी चाहर निवासी अजीत सिंह पुत्र नेमी सिंह चाहर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई अरुण चाहर उम्र करीब 26 वर्ष उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत था। उसकी तैनाती जनपद मुजफ्फरनगर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र की स्टेडियम चौकी प्रभारी के रूप में थी। पुलिस विभाग में जिम्मेदारी निभा रहे युवा दरोगा की सड़क हादसे में असमय मौत से परिवार को गहरा आघात पहुंचा था। भाई की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार, 24 अक्टूबर 2026 को अरुण चाहर अपनी स्विफ्ट डिजायर कार संख्या यूपी 80 डीडब्ल्यू 2006 से विभागीय कार्य के सिलसिले में थाना



जानसठ क्षेत्र में गए हुए थे। काम पूरा करने के बाद वह अपनी कार से वापस थाना सिविल लाइन लौट रहे थे। रात का समय होने के कारण वह चितौड़ा कट की ओर से गुजर रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी कार दुर्घटना का शिकार हो गई। तहरीर में बताया गया कि 24 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे जब अरुण चाहर थाना जानसठ की कवाल चौकी क्षेत्र के अंतर्गत चितौड़ा कट के पास पहुंचे, तभी ट्रैक्टर संख्या यूपी 20 बीपी 1806 के अज्ञात चालक ने तेज गति और लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हुए उनकी स्विफ्ट डिजायर कार में जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक की लापरवाही के कारण यह भीषण दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दरोगा की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

दुर्घटना में अरुण चाहर को गंभीर चोटें आईं और उनकी मृत्यु हो गई। युवा पुलिस अधिकारी की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार के लिए यह घटना किसी बड़े सदमे से कम नहीं थी। एक ओर जवान बेटे और भाई को खोने का दुख था, दूसरी ओर परिवार को अचानक हुई इस घटना से उबरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भाई की मौत के सदमे में तत्काल नहीं दे सके पुलिस को तहरीर

मृतक के भाई अजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि भाई की मृत्यु के बाद पूरा परिवार शोक और मानसिक तनाव में था। इस कारण वह तत्काल थाने पहुंचकर लिखित शिकायत नहीं दे सका। परिवार में अंतिम संस्कार और अन्य धार्मिक क्रियाओं के बाद भी सभी लोग गहरे सदमे में थे। अब त्रयोदशी संस्कार संपन्न होने के बाद वह पुलिस के समक्ष पहुंचा और हादसे की पूरी जानकारी देते हुए ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ट्रैक्टर चालक की लापरवाही को बताया हादसे का कारण

अजीत सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि ट्रैक्टर संख्या यूपी 20 बीपी 1806 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसके भाई की कार में टक्कर मारी थी। इसी दुर्घटना में उसके भाई की जान चली गई और कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित परिवार ने पुलिस से ट्रैक्टर चालक की पहचान कर उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

विवाहिता के कमरे में घुसकर बेरहमी से मारपीट, गला दबाकर हत्या का प्रयास, कपड़े फाड़कर अश्लील हरकत का आरोप

पति, सास-ससुर, जेठ और जेठानी समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, लंबे समय से प्रताड़ित करने और स्त्रीधन कब्जाने की भी शिकायत, पिता ने पुलिस को वीडियो और फोटो साक्ष्य सौंपने की बात कही

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक विवाहिता के साथ घर में घुसकर मारपीट करने, गला दबाकर जान से मारने का प्रयास करने, कपड़े फाड़कर अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। विवाहिता के पिता की शिकायत पर मीरापुर थाना पुलिस ने उसके पति, सास-ससुर, जेठ और जेठानी समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के पिता ने आरोपियों पर लंबे समय से बेटी का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करने तथा उसका स्त्रीधन अपने कब्जे में रखने का भी आरोप लगाया है।

दो साल पहले हुई थी शादी, शादी के बाद से ही उत्पीड़न का आरोप

मेरठ जनपद के थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी पुत्री का विवाह करीब दो वर्ष पहले हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी राहुल के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति राहुल, ससुर प्रताप, सास माया, जेठ रवि और जेठानी निधि समेत ससुराल पक्ष के लोग विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहे थे। उसके साथ कई बार मारपीट और गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकियां दी गईं। आरोप है कि उसे कई बार घर से भी निकाल दिया गया। इसके अलावा उसके आभूषण, कपड़े और अन्य स्त्रीधन को भी ससुराल पक्ष के लोगों ने अपने कब्जे में रख लिया। पीड़िता के पिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान होकर पहले भी मीरापुर थाने में शिकायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों ने अपनी हरकतें बंद नहीं कीं। आरोप है कि सास का एक रिश्तेदार भी ससुराल में आकर परिवार के लोगों को विवाहिता के खिलाफ भड़काता था और उसके साथ झगड़ा करने तथा प्रताड़ित करने के लिए उकसाता था। लगातार मिल रही धमकियों और उत्पीड़न के कारण विवाहिता परेशान थी।

कमरे में घुसकर जमीन पर गिराया, लात-घूंसों और थप्पड़ों से पीटा

प्रार्थना पत्र के अनुसार, तीन अगस्त 2026 की सुबह करीब आठ बजे विवाहिता अपने कमरे में मौजूद थी। इसी दौरान उसका पति, ससुर, सास, जेठ, जेठानी और अन्य लोग एकराय होकर जबरन कमरे में घुस आए। आरोप है कि कमरे में घुसते ही सभी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने विवाहिता को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों और थप्पड़ों से बेरहमी से पीटा। मारपीट में उसके शरीर पर अंदरूनी चोटें आईं। आरोप है कि सभी लोग मिलकर उसके साथ मारपीट करते रहे और उसे बचाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। पिता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान जेठ ने विवाहिता के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए लज्जा भंग करने का प्रयास किया।

इंस्टाग्राम पर विवाहिता को वीडियो वायरल करने की धमकी, फिर भेजी निजी वीडियो, अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना में सोशल मीडिया के जरिए विवाहिता को परेशान करने का मामला आया सामने, पहले वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी, फिर इंस्टाग्राम पर भेजी वीडियो

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को परेशान करने और उनकी निजता से खिलवाड़ करने का एक गंभीर मामला बुढ़ाना कस्बे में सामने आया है। इंस्टाग्राम पर एक विवाहिता को उसकी वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देने और बाद में उसी के सोशल मीडिया खाते पर वीडियो भेजने का आरोप लगा है। अज्ञात व्यक्ति की इस हरकत से परेशान विवाहिता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने अपनी शिकायत के साथ वीडियो से संबंधित साक्ष्य भी पेनड्राइव में सुरक्षित करके पुलिस को सौंपे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, पीड़िता वर्तमान में कस्बा बुढ़ाना में अपने पिता के घर रह रही है। आरोप है कि 21 अक्टूबर 2026 को उसके इंस्टाग्राम खाते पर एक अज्ञात व्यक्ति की ओर से संपर्क किया गया। संबंधित व्यक्ति की इंस्टाग्राम आईडी से पीड़िता को पहले उसकी वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। अचानक मिली इस धमकी से पीड़िता परेशान हो गई। उसे समझ नहीं आया कि अज्ञात व्यक्ति के पास उसकी वीडियो कहां से आई और वह किस उद्देश्य से उसे धमका रहा है। पीड़िता का आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति ने केवल वीडियो वायरल करने की धमकी ही नहीं दी, बल्कि इसके बाद उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर ही एक वीडियो भी भेज दी। इस घटनाक्रम ने पीड़िता की चिंता और बढ़ा दी। उसे आशंका हुई कि अज्ञात व्यक्ति उसकी वीडियो को सार्वजनिक कर सकता है अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से उसे और परेशान कर सकता है। इसके बाद पीड़िता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस से शिकायत करने का निर्णय लिया। शिकायत में पीड़िता ने स्पष्ट किया है कि उसे धमकी देने वाले व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह न तो उसकी पहचान जानती है और न ही यह पता है कि वह कहां का रहने वाला है। आरोपी ने इंस्टाग्राम खाते के माध्यम से उससे संपर्क किया था। पीड़िता ने अपनी शिकायत में संबंधित इंस्टाग्राम खाते का उल्लेख करते हुए पुलिस से उसके संचालक की पहचान कराने की मांग की है। अब पुलिस के सामने संबंधित सोशल मीडिया खाते के पीछे छिपे व्यक्ति का पता लगाने की चुनौती है। इस मामले में पीड़िता ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंस्टाग्राम पर भेजी गई वीडियो को पेनड्राइव में सुरक्षित कर लिया। उसने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के साथ पेनड्राइव भी संलग्न की है, ताकि जांच के दौरान वीडियो और अन्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण किया जा सके। पीड़िता ने पुलिस से अनुरोध किया है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की जाए और उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

बुढ़ाना थाने पहुंचकर दी शिकायत

पीड़िता ने थाना बुढ़ाना में लिखित प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले से पुलिस को अवगत कराया। प्रार्थना पत्र में 21 अक्टूबर को हुई घटना, इंस्टाग्राम पर मिली धमकी और बाद में भेजी गई वीडियो का उल्लेख किया गया है। पीड़िता ने बताया कि संबंधित व्यक्ति उसके लिए पूरी तरह अज्ञात है। उसने पुलिस से मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

मां के घर से बाहर जाते ही किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

मीरापुर क्षेत्र के गांव में हुई घटना, बड़ी बेटी के पति पर छोटी बहन को अपने साथ ले जाने का आरोप, मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में मां के अपनी बड़ी बेटी को लेने के लिए घर से बाहर जाने के दौरान 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। आरोप है कि इस दौरान घर पहुंचे उसकी बड़ी बहन के पति ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। मां जब शाम को घर वापस लौटी तो किशोरी घर पर नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मीरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 15 नवंबर 2026 की सुबह करीब नौ बजे वह अपनी बड़ी बेटी को लेने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद के कस्बा मंगलौर गई थी। घर पर उसकी 17 वर्षीय छोटी बेटी अकेली थी। मां के अनुसार, वह शाम को बड़ी बेटी को लेकर वापस घर पहुंची तो छोटी बेटी घर पर मौजूद नहीं मिली। अचानक किशोरी के गायब मिलने से परिवार में हड़कंप मच गया। महिला ने आरोप लगाया कि बेटी की तलाश करने के दौरान जानकारी मिली कि उसके घर से जाने के बाद मध्य प्रदेश से आया एक युवक घर पहुंचा था। आरोप है कि वह युवक उसकी छोटी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। महिला ने पुलिस को बताया कि उक्त युवक उसकी बड़ी बेटी का पति तकी है और वह मध्य प्रदेश में काम करने गया हुआ था। बड़ी बेटी ने भी पहले बताया था कि उसका पति मध्य प्रदेश में काम कर रहा है। आरोप है कि मध्य प्रदेश से लौटने के बाद वह सीधे गांव पहुंचा और किशोरी को अपने साथ लेकर चला गया।

काफी तलाश के बाद भी नहीं लगा किशोरी का सुराग

मां ने बताया कि घर लौटने पर बेटी के नहीं मिलने के बाद उसने अपने स्तर से काफी तलाश की और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई। इसी दौरान युवक के आने और किशोरी को अपने साथ ले जाने की जानकारी सामने आई। किशोरी की उम्र 17 वर्ष होने के कारण परिजनों ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मामले में किशोरी की मां ने मीरापुर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मोहम्मद तकी निवासी मध्य प्रदेश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच करने के साथ ही लापता किशोरी की तलाश में जुटी है।

चरथावल-थानाभवन मार्ग के 50 गांवों की बदलेगी तस्वीर, जल्द दौड़ेंगी रोडवेज बसें

लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की जगी उम्मीद, मुजफ्फरनगर डिपो की 20 बसें जलालाबाद डिपो को मिलेंगी; नौकरीपेशा लोगों और विद्यार्थियों को मिलेगी बड़ी राहत

मुजफ्फरनगर। चरथावल-थानाभवन मार्ग पर बसे करीब 50 गांवों के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से रोडवेज बस सेवा की बाट जोह रहे ग्रामीणों का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। इस मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। मुजफ्फरनगर डिपो की 20 बसें जलालाबाद डिपो को भेजे जाने के बाद थानाभवन-चरथावल मार्ग पर बस सेवा शुरू कराई जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही हजारों लोगों को रोजाना आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। चरथावल-थानाभवन मार्ग से जुड़े करीब 50 गांवों के लोगों को लंबे समय से नियमित रोडवेज बस सेवा का इंतजार है। इस मार्ग पर सरकारी बसों का संचालन नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जिला मुख्यालय और आसपास के कस्बों तक पहुंचने के लिए प्राइवेट बसों, निजी वाहनों और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ता है। विशेष रूप से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और रोजाना आवागमन करने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। नियमित बस सेवा नहीं होने के कारण यात्रियों को कई बार काफी देर तक वाहनों का इंतजार करना पड़ता है। प्राइवेट वाहनों पर निर्भरता के चलते यात्रा का खर्च भी बढ़ जाता है। सुबह नौकरी और पढ़ाई के लिए निकलने वाले लोगों को समय पर गंतव्य तक पहुंचने की चिंता रहती है। शाम के समय घर लौटने में भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का



कहना है कि यदि इस मार्ग पर रोडवेज बसों का नियमित संचालन शुरू हो जाता है तो उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन का विकल्प मिल सकेगा। इस समस्या को लेकर ग्रामीण लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एनसीआर अध्यक्ष विकास शर्मा ने बताया कि चरथावल-थानाभवन मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन शुरू कराने के लिए कई बार धरना-प्रदर्शन किए गए। अधिकारियों के सामने ग्रामीणों की समस्या रखी गई और लगातार बस सेवा शुरू करने की मांग की गई। हाल ही में रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक को भी पत्र लिखकर इस मार्ग पर बसों का संचालन शुरू कराने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि करीब 50 गांवों के लोगों की यह पुरानी मांग है और बस सेवा शुरू होने से बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। रोडवेज की परिवहन व्यवस्था में होने वाले इस बदलाव से क्षेत्र को नई सुविधा मिलने जा रही है। जलालाबाद डिपो को मुजफ्फरनगर रोडवेज डिपो से 20 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन बसों के जलालाबाद डिपो पहुंचने के बाद क्षेत्र में बसों का संचालन व्यवस्थित किया जाएगा।

इसके तहत थानाभवन-चरथावल मार्ग को भी रोडवेज बस सेवा से जोड़ने की तैयारी है। इससे ग्रामीणों को सार्वजनिक परिवहन का बेहतर विकल्प मिल सकेगा।

रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जलालाबाद डिपो का संचालन शुरू होने के बाद थानाभवन-चरथावल मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन कराया जाएगा। मुजफ्फरनगर डिपो की 20 बसें जल्द ही जलालाबाद डिपो भेजी जाएंगी। इसके बाद इस मार्ग पर बस सेवा शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। रोडवेज बसों का संचालन शुरू होने से सबसे अधिक फायदा उन विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को मिलेगा जिन्हें रोजाना चरथावल, थानाभवन और मुजफ्फरनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में आना-जाना पड़ता है। इसके अलावा ग्रामीणों को बाजार, अस्पताल, सरकारी कार्यालयों और अन्य जरूरी कार्यों के लिए भी आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर रेशू प्रांगण में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

300 श्रद्धालुओं ने हवन-यज्ञ में दी पूणार्हुति, 140 करोड़ भारतीयों के चहुंमुखी विकास की कामना; कथा से जीवन में बदलाव लाने का लिया संकल्प, शुकतीर्थ में रोपे जाएंगे कथा में स्थापित नौ पौधे, 21 नवंबर को होगा तुलसी विवाह

मुजफ्फरनगर। रेशू विहार स्थित रेशू प्रांगण में 13 से 19 नवंबर तक आयोजित अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के समापन के उपरांत धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भोजन प्रसाद ग्रहण किया और धर्मलाभ प्राप्त किया। इससे पूर्व सुबह छह बजे से नौ बजे तक हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 300 श्रद्धालुओं ने पूणार्हुति में भाग लेकर देश के 140 करोड़ भारतीयों के चहुंमुखी विकास, सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। कथाव्यास श्री शांतनु जी महाराज के श्रीमुख से सात दिनों तक चली भागवत कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने धर्म और आध्यात्मिकता का संदेश ग्रहण करते हुए अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

हवन-यज्ञ के साथ देवी-देवताओं की विदाई, शहीदों को किया नमन

श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर रेशू प्रांगण में सुबह से ही धार्मिक वातावरण बना रहा। सुबह छह बजे हवन-यज्ञ प्रारंभ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ आहुतियां अर्पित कीं। लगभग 300 लोगों ने यज्ञ में पूणार्हुति देकर देशवासियों की सुख-समृद्धि और उन्नति की प्रार्थना की। इसके बाद कथाव्यास श्री शांतनु जी महाराज को विदाई दी गई तथा अनुष्ठान के दौरान स्थापित देवी-देवताओं की विदाई की गई। आयोजन में देश के शहीदों को नमन करने के साथ पूर्वजों और देवी-देवताओं को भोग लगाया गया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा शुरू हुआ।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भोजन प्रसाद ग्रहण किया। भोजन व्यवस्था को ब्रह्माकुमारी की बहन बबीता जी के नेतृत्व में उनकी 25 सहयोगी बहनों ने बेहद व्यवस्थित और सुंदर तरीके से संभाला। इस दौरान प्रशासिक जिला पंचायत डॉ. वीरपाल निर्वाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीमती अंजू



अग्रवाल, उद्योग फेडरेशन से अशोक अग्रवाल, एडवोकेट ज्ञान कुमार, अग्रवाल सम्मेलन के उपाध्यक्ष विनोद सिंघल, सत्यप्रकाश रेशू और रेशू परिवार के सदस्यों ने स्वयं श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद परोसा। शाम के समय साईं धाम में भी बड़ी संख्या में लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस धार्मिक आयोजन की एक विशेष पहल पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ी रही। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान स्थापित किए गए नवग्रहों के प्रतीक नौ पौधों को जनपद की धार्मिक स्थली शुकतीर्थ में रोपित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इन पौधों से विकसित होने वाले वृक्ष पर्यावरण संरक्षण के साथ औषधीय उपयोग में भी सहायक होंगे। इनके माध्यम से लोगों को प्राकृतिक संपदा के महत्व और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपने आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील भी की गई। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथास्थल पर मौजूद तोता-मैना भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे। कथा के दौरान दोनों पक्षी शांतिपूर्वक वहां मौजूद रहे। इसी बीच एक तोता उड़ गया, जिसके बाद दूसरे तोते ने भी उड़ने का प्रयास किया। इस घटना को लेकर श्रद्धालुओं के बीच तरह-तरह की चचाएं रहीं।

मान्यता के अनुसार, या तो दोनों पक्षी एक साथ उड़ जाते हैं अथवा उड़कर गया पक्षी कुछ दिन बाद स्वयं वापस लौट आता है। कथा स्थल पर इन पक्षियों की मौजूदगी भी आयोजन की विशेष चर्चा का विषय बनी रही। आयोजक रेशू एडवरटाइजिंग के स्वामी सत्यप्रकाश रेशू ने बताया कि शुकतीर्थ की उद्गमस्थली क्षेत्र रेशू विहार में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य केवल कथा श्रवण तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से देश के 140 करोड़ भारतीयों के चहुंमुखी विकास और कल्याण की कामना की गई। कथाव्यास श्री शांतनु जी महाराज के मार्गदर्शन में देश और विश्व के हिंदुओं को एकमत करने के लक्ष्य की दिशा में प्रयास करने का संकल्प भी लिया गया।

सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक ने सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं, अधिकारियों को फोन कर कराया त्वरित समाधान

प्रेमपुरी स्थित आवास पर लगा जनसमस्याओं का दरबार, दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने रखीं अपनी शिकायतें; जनप्रतिनिधियों ने संबंधित अधिकारियों से की सीधी बात, लंबित समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक एवं चरथावल विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंकज मलिक ने प्रेमपुरी स्थित अपने आवास पर क्षेत्र से पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक और क्षेत्रीय समस्याएं लेकर पहुंचे। सांसद और विधायक ने प्रत्येक व्यक्ति की बात सुनते हुए समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। जिन मामलों में तत्काल अधिकारियों के हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, उनमें संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समाधान कराने के निर्देश दिए। कुछ समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण भी कराया गया।

लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना

प्रेमपुरी स्थित आवास पर पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक के सामने रखीं। किसी ने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी परेशानी बताई तो किसी ने व्यक्तिगत समस्या और सरकारी विभागों में लंबित कार्यों के संबंध में जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों ने लोगों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित मामलों की जानकारी लेकर उनके निस्तारण की दिशा में कार्रवाई की।

अधिकारियों से फोन पर की सीधी बात



जनसमस्याओं को सुनने के दौरान सांसद और विधायक ने केवल आश्वासन देने तक ही सीमित न रहते हुए कई मामलों में तत्काल पहल की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन मिलाकर शिकायतों की जानकारी दी और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को कहा। अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा गया कि जनता से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए तथा शिकायतों का निस्तारण गंभीरता से किया जाए। उनके प्रयास से कुछ समस्याओं का त्वरित समाधान भी कराया गया, जिससे अपनी फरियाद लेकर पहुंचे लोगों को राहत मिली।

जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद पर दिया जोर

सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाया। इस दौरान लोगों ने भी अपनी बात सीधे जनप्रतिनिधियों के सामने रखी। जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास

जनप्रतिनिधियों के आवास पर लोगों से मुलाकात और उनकी समस्याओं का समाधान कराने की इस पहल को क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आमतौर पर छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों द्वारा सीधे अधिकारियों से वार्ता कर मामलों का निस्तारण कराना लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहा है। सांसद और विधायक ने क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

बच्चों को डांटने की रंजिश में दो भाइयों पर जानलेवा हमला, घात लगाकर बैठे पांच नामजद और तीन अज्ञात हमलावरों ने की बेरहमी से मारपीट

मुजफ्फरनगर। बच्चों के बीच हुई कहासुनी के बाद उन्हें डांटने को लेकर शुरू हुई रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। खालापार थाना क्षेत्र के अम्बा विहार में इस्माईल मस्जिद के पास घात लगाकर बैठे हमलावरों ने दो सगे भाइयों को घेरकर बेरहमी से मारपीट कर दी। हमले में शाहबाज गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरे भाई समीर के साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित परिवार ने पड़ोसियों पर रंजिश के चलते जानलेवा हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच नामजद आरोपितों और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में जियाउल पुत्र इकबाल निवासी मोहल्ला दीन मोहम्मद, सुजड़ू ने बताया कि रिजवान और उसके पुत्र रिहान, आयान व इरफान उनके पड़ोसी हैं। आरोप है कि कुछ समय पहले बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी विवाद के बाद से दोनों परिवारों के बीच रंजिश चली आ रही थी। आरोपित पक्ष इसी बात को लेकर अक्सर झगड़ा करने पर आमादा रहता था। परिवार को आशंका थी कि बच्चों के विवाद को लेकर कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है।

मजदूरों को बुलाने गए थे दोनों भाई

तहरीर के अनुसार, 11 नवंबर 2026 की रात करीब आठ बजे जियाउल के भाई शाहबाज और समीर लेबर के मजदूरों को बुलाने के लिए अम्बा विहार स्थित इस्माईल मस्जिद के पास गए थे। आरोप है कि वहां पहले से ही रिजवान, उसके पुत्र रिहान, आयान और इरफान के अलावा तीन अज्ञात व्यक्ति घात लगाकर बैठे हुए थे। जैसे ही दोनों भाई वहां पहुंचे, आरोपितों ने उन्हें घेर लिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने दोनों भाइयों को देखते ही कहा कि आज उन्हें बच्चों को डांटने का मजा चखाएंगे। इसके बाद सभी आरोपितों ने शाहबाज और समीर पर हमला बोल दिया। दोनों भाइयों के साथ बुरी तरह मारपीट की गई। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों भाइयों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। गंभीर हालत में अस्पताल में कराया भर्ती शोर-शराबा सुनकर आस मोहम्मद पुत्र नजीर सहित अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देखकर आरोपित दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजन गंभीर रूप से घायल शाहबाज को लेकर खालापार थाने पहुंचे। पुलिस के माध्यम से उसे मुजफ्फरनगर के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया, जहां उसकी हालत गंभीर होने के कारण भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।

वादी जियाउल ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद शाहबाज की गंभीर हालत और उसके उपचार में व्यस्त रहने के कारण वह तत्काल लिखित शिकायत नहीं दे सका।

खतौली के बजाय अब जानसठ तहसील में लगेगा संपूर्ण समाधान दिवस, डीएम की अध्यक्षता में होगी जनसुनवाई

*21 नवंबर को आयोजित होने वाले समाधान दिवस का स्थान अपरिहार्य कारणों से बदला, सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को जानसठ पहु



कोलेस्ट्रॉल को दिल के पास पहुंचने से रोकते हैं 5 फूड

बाहर की चीजें खाना, ज्यादा तला-भुना खाना, एक्सरसाइज न करना और सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से सबसे कॉमन बीमारी है कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना। तो जानिए 5 ऐसी चीजों के बारे में, जो आपका बेड कोलेस्ट्रॉल कम करने में बेहद फायदेमंद हैं।

दिल तक नहीं पहुंचेगा कोलेस्ट्रॉल

दिल की बीमारियों का सीधा संबंध कोलेस्ट्रॉल से है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खानपान में थोड़ा सा बदलाव करके आप शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा सकते हैं।

ऑलिव ऑयल

कोलेस्ट्रॉल सबसे ज्यादा तेल की वजह से बढ़ता है। ऑलिव ऑयल के इस्तेमाल से सामान्य तेल के मुकाबले कई प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है।

ओट्स



ओट्स में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसमें बीटा ग्लूकॉन भी होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज से राहत दिलाता है। नियमित तौर पर नाश्ते में ओट्स खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल को लगभग 6 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

मछली

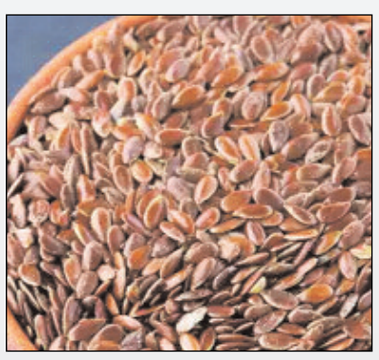
मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए सप्ताह में दो बार स्टीम्ड या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी सहायक होती है।

अलसी

अलसी के बीज कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी मददगार होते हैं। बेहतर होगा कि आप साबुत बीज की जगह पर पिसे हुए बीज का सेवन करें।



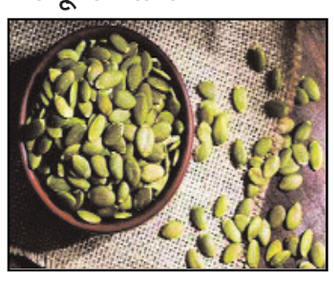


थाइरॉयड का कोई स्थायी इलाज नहीं, कंट्रोल रखकर ही रह सकते हैं स्वस्थ

थाइरॉयड एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। दुर्भाग्यवश इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। इसे सिर्फ कंट्रोल रखकर ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। थाइरॉयड एक हार्मोन होता है जिसे आपकी थाइरॉयड ग्रंथि बनाती है। इस हार्मोन के ज्यादा या कम बनने से आपके शरीर में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

हाइपरथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें यह हार्मोन ज्यादा बनता है जबकि हाइपोथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें ग्रंथि बहुत कम या इस हार्मोन को बनाना ही बंद कर देती है। थाइरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरूरी है। घर में आसानी से मिलने वाले कुछ खाद्य पदार्थ जो थाइरॉयड को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

कद्दू के बीज



कद्दू के बीज जिंक का एक बढ़िया स्रोत हैं, जो T4 को एक्टिव T3 में बदलने के लिए जरूरी हैं। अगर आप थाइरॉयड के मरीज हैं, तो आपको इसे डाइट में शामिल करना चाहिए।

राजगीरा

राजगीरा सेलेनियम का एक बढ़िया स्रोत है, जो T4 को T3 में बदलने के लिए जरूरी है, क्योंकि डिओडिनेज एंजाइम (ऐसे एंजाइम जो T4 से आयोडीन एटॉमस को हटाते हैं) सेलेनियम पर निर्भर होते हैं।

दही

दही भी आयोडीन का एक बड़ा स्रोत है। यह एक प्रोबायोटिक सुपरफूड भी है, जो आंतों के स्वास्थ्य को भी बनाए रखता है। यह जरूरी है क्योंकि कई थायरॉयड समस्याएं ऑटोइम्यून बीमारी के कारण होते हैं। ध्यान रहे कि इम्यून पावर को ठीक करने के लिए जरूरी है कि पहले आप आंतों को ठीक करें।

करी पत्ता

करी पत्ता कॉपर का एक अच्छा स्रोत है जो थायरोक्सिन हार्मोन टी4 के उत्पादन को बढ़ाता है और शरीर के कैल्शियम लेवल को कंट्रोल करके ब्लड सेल्स में टी4 के अधिक अवशोषण को रोकता है।

सब्जा या तुलसी के बीज



सब्जा के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं जो अच्छे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, यह छोटे-छोटे बीज थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मूंग दाल

मूंग दाल बीन्स की तरह आयोडीन प्रदान करता है और मूंग के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे सभी बीन्स में पचाने में सबसे आसान हैं। यही वजह है कि यह थायराइड के लिए सबसे बेस्ट फूड है।

अनार

अनार में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सूजन कम होती है। अनार के सेवन से आपकी थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बढ़ावा मिलता है।





गंभीर बीमारी की जड़ है बैठकर काम करना

एक दिन में ज्यादा देर तक बैठे रहने से कई सारी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इन से बचने के लिए एक्सपर्ट ने कुछ काम के टिप्स दिए हैं।

तकनीक ने जीवन आसान बना दिया है। अब किसी काम को करने के लिए ज्यादा शारीरिक मेहनत नहीं करनी पड़ती। लेकिन ये आराम नुकसानदायक भी हो सकता है। क्योंकि, इसने हमारे बैठे रहने के समय को बढ़ा दिया है और साथ में सिटिंग जॉब से गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि बैठे रहना धूम्रपान जितना खतरनाक है। इससे 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं, जिन्हें सिटिंग डिजीज कह सकते हैं। ये बीमारी इतनी खतरनाक हैं कि एक बार होने के बाद पीछा नहीं छोड़ती।

सिटिंग डिजीज क्या है?

ज्यादा देर तक बैठे रहने से 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं। जो कि लाइफस्टाइल से जुड़ी हैं, कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं।

- हार्ट डिजीज
- टाइप 2 डायबिटीज
- हाई बीपी
- बेली फैट
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- अपच
- कब्ज, आदि

एक्सरसाइज से भी नहीं पड़ता असर

अगर आप सोचते हैं कि एक्सरसाइज करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है तो गलत हैं। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद भी ये बीमारी हो सकती हैं। क्योंकि, दिन के बाकी समय में हम बैठे ही रहते हैं। इसलिए इन बीमारियों का खतरा बिल्कुल खत्म नहीं हो जाता।

इतने घंटे बैठने से बचें

जो लोग 7-8 घंटे की सिटिंग जॉब करते हैं और उसके साथ 2-3 घंटे ट्रेवलिंग में बिताते हैं तो उनके बैठे रहने की अवधि 10 घंटे से ज्यादा हो जाती है। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, शोध कहता है कि एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बैठने से दिल की बीमारी और अन्य दिक्कतों का खतरा बढ़ सकता है।

ये टिप्स आएंगे काम

- अगर संभव हो तो स्टैंडिंग डेस्क का इस्तेमाल करें।
- संभव हो तो वॉल्किंग मिटिंग करें।
- काम के बीच में स्ट्रेचिंग करें।
- रोजाना डीप ब्रीदिंग करें।
- 20 मिनट बैठने के बाद 8 मिनट खड़े रहने और 2 मिनट चलने की कोशिश करें।

आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाएं

आयुर्वेद और विज्ञान की माने तो शंखनाद से सकारात्मक ऊर्जा का सर्जन होता है जिससे आत्मबल में वृद्धि होती है। शंख में प्राकृतिक कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस की भरपूर मात्रा होती है। शंख से मुख के तमाम रोगों का नाश होता है। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्रोन पोजिशन को एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है तो वहीं अगर आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाना आपके लिए आसान तरीका हो सकता है।

- यदि आप पूजा स्थान पर रखे शंख को पूजा के अलावा अपने आप को स्वस्थ रखने हेतु प्राणायाम के साथ इस्तेमाल करते हैं तो आप दीर्घायु रह सकते हैं।
- शंख बजाने से हृदयाघात, रक्तचाप की अनियमितता, दमा, मंदाग्नि, शुगर, पेट संबंधित में लाभ होता है।
- शंख बजाने से फेफड़े पुष्ट होते हैं। प्रतिदिन शंख फूंकने वाले को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते।
- शंख में पानी रखकर पीने से मनोरोगी को लाभ होता है, उत्तेजना कम होती है।
- शंख की ध्वनि से दिमाग व स्नायु तंत्र सक्रिय रहता है।
- शंख बजाने से योग की 3 क्रियाएं एकसाथ होती हैं- कुंभक, रेचक, प्राणायाम।
- शंख की ध्वनि से नकारात्मक शक्तियां भी दूर होती हैं।
- शंख वादन से स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- शंख बजाने से चेहरे, श्वसन तंत्र, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों का व्यायाम होता है।
- अगर आपको खांसी, दमा, पीलिया, ब्लडप्रेशर या दिल से संबंधित मामूली से लेकर गंभीर बीमारी है तो इससे छुटकारा पाने का एक सरल-सा उपाय है। शंख बजाइए और रोगों से छुटकारा पाइए।





साइटिका के दर्द से परेशान हैं तो जरूर करें गोमुखासन

साइटिका का दर्द पैरों में नसों में दबाव पड़ने के कारण होने वाला दर्द है, जो कमर से संबंधित नसों में सूजन का कारण भी बन सकता है। साइटिका का दर्द होने पर चलने फिरने या पैरों को मोड़ने में समस्या हो सकती है। वहीं कंधे के आस-पास के नसों में खिंचाव होने के कारण कंधे में भी दर्द होने लगता है। शरीर के इन दोनों ही हिस्सों पर दर्द होने के कारण आपको काम करने में समस्या होना आम बात है। इंस्टाग्राम पेज पर योग प्रशिक्षक ने एक वीडियो शेयर कर साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए गोमुखासन करने की सलाह दी है। गोमुखासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, गो-मुख-आसन जहां गो का अर्थ गाय है, मुख का अर्थ चेहरे से है और आसन का अर्थ मुद्रा है। मुड़े हुए पैर गाय के मुंह की आकृति बनाते हैं जबकि कोहनियां गाय के कान की तरह दिखती हैं। इसलिए, इसे आमतौर पर गाय-मुख मुद्रा के रूप में जाना जाता है।

गोमुखासन करने का तरीका क्या है

- अपने पैरों को जमीन पर फैलाकर बैठ जाएं और दंडासन या स्टाफ पोज से शुरुआत करें।
- अब अपने पैरों को खोलें और फिर घुटनों को मोड़ लें।
- अपने बाएं पैर को अपने दाएं हिप्स के पास ले जाएं।
- अब अपने दाहिने पैर को अपने बाएं कूल्हे के पास ले जाएं।
- इस दौरान आपका दाहिना घुटना आपके बाएं घुटने के ऊपर होना चाहिए।
- इस प्रक्रिया के दौरान सांल लें और अपने दाहिने हाथ को छत की ओर सीधी स्थिति में रखें।
- सांस छोड़ें और अपनी कोहनी को ऊपर की ओर मोड़ें और दाहिने हाथ को पीछे की ओर लाएं।
- अब अपने बाएं हाथ को पीछे की ओर मोड़ कर अपने पीठ के केंद्र को छूते हुए कोहनी को धीरे से जमीन की ओर झुकाएं।
- पीठ के पीछे से अपने हाथों को एक साथ पकड़ने की कोशिश करें और जितना संभव हो सकें उंगलियों को मिलाएं।
- अगर हाथों को पकड़ना मुश्किल हो तो स्ट्रैप या बेल्ट को आप प्रोप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपनी रीढ़ को सीधी स्थिति में रखें और अपने सिर को आगे की ओर झुकने से बचाए।
- साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए इस आसन का अभ्यास रोजाना करें।

गोमुखासन करने के क्या फायदे हैं

- गोमुखासन हिप्स को फैलाता है, जो साइटिका नर्व पर दबाव को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे साइटिका के दर्द को कम किया जा सकता है।
- यह आसन कंधों को खोलने में मदद करता है, जिससे जकड़न दूर होती है और कंधे के दर्द से आराम मिलता है।
- गोमुखासन आपकी छाती को खोलकर पोश्चर में सुधार करता है और कंधों के तनाव से राहत देता है।
- यह मुद्रा रीढ़ की हड्डी को सही रखने में मदद करती है, जो रीढ़ की हड्डी में होने वाली असुविधा को कम कर सकती है।
- गोमुखासन के नियमित अभ्यास से हिप्स, कंधों और रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है, जिससे शरीर के इन हिस्सों में होने वाली असुविधा को कम करने में मदद मिलती है।
- गोमुखासन शरीर के मांसपेशियों की ताकत को संतुलित करने में मदद करता है, किसी भी असंतुलन को दूर करता है जो दर्द का कारण बन सकता है।
- गोमुखासन का अभ्यास आपके साइटिका और कंधे के दर्द से राहत दिला सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे अगर आप इसे पहली बार कर रहे हैं तो किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, जिला गंगा एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक



गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार, गौतमबुद्धनगर में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण नियंत्रण, नदियों की स्वच्छता एवं अपशिष्ट के समुचित निस्तारण से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल ने संबंधित समितियों के अंतर्गत संचालित कार्यों तथा वृक्षारोपण वर्ष 2026-27 के तहत विभागवार पौधों की जियो-टैगिंग की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने रोपित पौधों की जियो-टैगिंग शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के साथ ही उनकी जीवितता का नियमित सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को वृक्षारोपण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए संचालित मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों की कार्यप्रणाली एवं सड़कों की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित प्राधिकरणों एवं विभागों को सड़कों पर एकत्रित धूल एवं नियमित सफाई कराने तथा मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत विभाग सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा विकास कार्यों के लिए सड़कों की खुदाई एवं उसके उपरांत मरम्मत की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य पूर्ण होते ही संबंधित एजेंसियां खोदी गई सड़कों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराएं, जिससे आमजन को आवागमन में असुविधा न हो तथा धूलजनित प्रदूषण की रोकथाम भी सुनिश्चित की जा सके।

इसके अतिरिक्त हॉर्टीकल्चर वेस्ट, कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (सी एंड डी) वेस्ट एवं म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्धारित मानकों के अनुरूप इनका वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों पर कूड़ा तथा निर्माण मलबा एकत्रित न होने देने और प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराने को कहा।

जिला गंगा समिति की समीक्षा के दौरान यमुना एवं हिंडन नदियों की स्वच्छता और संरक्षण से संबंधित कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने नदियों में गिरने वाले अनुपचारित नालों के उपचार तथा जल प्रदूषण की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नदियों एवं नालों में ठोस अपशिष्ट के निस्तारण की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने तथा नदी तटों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से संचालित करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी संबंधित विभागों को प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संबंधित प्राधिकरणों के एसीईओ की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि अनुपस्थित अधिकारियों के संबंध में मुख्य कार्यपालक अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी आयोजित होने वाली समिति की बैठकों में सभी संबंधित प्राधिकरणों एवं विभागों के अधिकारी अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें, ताकि पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों की प्रभावी समीक्षा के साथ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका, प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल, एडीसीपी अर्चना सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे सहित संबंधित प्राधिकरणों, नगर निकायों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजल से महंगी हुई सीएनजी, जेब पर बोझ बढ़ा

नोएडा। जिले में सीएनजी के दाम डीजल से भी अधिक हो गए हैं। इससे सीएनजी वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। डीजल की तुलना में सीएनजी करीब दो रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है। हालांकि, बीते कई महीनों से पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। इससे पेट्रोल-डीजल वाहन चालकों को राहत मिली हुई है। जिले में आईजीएल के 14 सीएनजी पंप हैं। इसके अलावा 39 संयुक्त पंप भी हैं, जहां पेट्रोल-डीजल के साथ सीएनजी की सुविधा उपलब्ध है। बुधवार तक सीएनजी के लिए 95.59 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान करना पड़ रहा था। गुरुवार को अचानक कीमत में दो रुपये की वृद्धि कर दी गई। इसके बाद सीएनजी के दाम बढ़कर 97.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं। वहीं, जिले में डीजल की कीमत 95.56 रुपये प्रति लीटर है। इस तरह सीएनजी अब डीजल से 2.03 रुपये महंगी हो गई है। कीमतों में वृद्धि के बाद सीएनजी वाहन चालकों को अब सफर का खर्च बढ़ने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन का किराया बढ़ने की भी चिंता सताने लगी है।

सीएनजी खपत और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त खर्च: आईजीएल के अधिकारियों के अनुसार, जिले में अनुमानित सवा दो लाख सीएनजी वाहन हैं। इनमें प्रतिदिन पांच लाख किलोग्राम से अधिक सीएनजी की खपत होती है। ऐसे में कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि से जिले में सीएनजी उपभोक्ताओं को प्रतिदिन करीब 10 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। इसका सीधा असर वाहन चालकों की जेब पर पड़ेगा। वहीं, घरेलू बजट भी प्रभावित होने की आशंका है।

पैदल चलकर खर्च की भरपाई करेंगे: सीएनजी वाहन स्वामी आरपी सिंह ने बताया कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के चलते उन्होंने पांच साल पहले सीएनजी कार खरीदी थी। उस समय सीएनजी और डीजल की कीमतों में करीब 30 रुपये का अंतर था, लेकिन धीरे-धीरे सीएनजी के दाम बढ़ते गए और अब यह डीजल से भी महंगी हो गई है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 12 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

नोएडा। विकासखंड बिसरख परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एक आयोजन हुआ। इस समारोह में कुल 12 जोड़ों ने धार्मिक रीति-रिवाज और विधि-विधान के साथ एक-दूजे का हाथ थामा और अपने नए जीवन की शुरुआत की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन 12 जोड़ों में अनुसूचित जाति वर्ग के नौ और अल्पसंख्यक वर्ग के तीन जोड़े शामिल रहे। सभी जोड़े विकासखंड बिसरख, दादरी और नगरपालिका परिषद दादरी क्षेत्र के निवासी हैं।

इस सामूहिक विवाह समारोह में नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देने के लिए कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में दादरी के ब्लॉक प्रमुख विजेंद्र भाटी, बिसरख की ब्लॉक प्रमुख अप्रीत कौर, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्यामेंद्र, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह और जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने शिरकत की। इसके अलावा खंड विकास अधिकारी दादरी एवं बिसरख विनी यादव, जिला पूर्ति अधिकारी नीलेश उत्पल और जिला कार्यक्रम अधिकारी इतफार खान सहित संबंधित अधिकारी भी वहां उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने गिनाई योजना की खूबियां: मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना शासन की एक सराहनीय जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना को सफल बनाने के लिए जनपद स्तरीय अधिकारियों की सहभागिता और आपसी समन्वय सुनिश्चित किया गया है ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने आमजन से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके माध्यम से गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता मिलती है। उन्होंने जरूरतमंद परिवारों से निःसंकोच होकर योजना के तहत आवेदन करने का आह्वान किया।

प्रमाण-पत्र वितरण और विवाह सामग्री की व्यवस्था: समारोह स्थल पर विवाह प्रमाण-पत्र और पंजीकरण के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। सभी नवदंपत्तियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति भी दर्ज कराई गई। सभी आवेदिकाओं ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह पोर्टल पर आवेदन किया था जिसके माध्यम से पंजीकृत विवाह प्रमाण-पत्र जारी किए गए।

16 साल से अपराध की दुनिया में सक्रिय, डी-कंपनी का नसीम दुर्रानी मुठभेड़ में खत्म

नोएडा। बुलंदशहर के सिकंदराबाद थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने से डी कंपनी से जुड़े बताए जा रहे बदमाश नसीम दुर्रानी उर्फ रिजवान गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस टीम उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद निवासी नसीम उर्फ रिजवान पुत्र इस्लामुद्दीन उर्फ बुंडू के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, नसीम डी ग्रुप (दाऊद गिरोह) का सदस्य था। वह गाजियाबाद के लोनी थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इसके अलावा दिल्ली में दर्ज हत्या के दो मामलों में भी उसकी तलाश की जा रही थी। एसटीएफ के मुताबिक नसीम पर उत्तर प्रदेश और दिल्ली में हत्या के चार मुकदमों समेत हत्या के प्रयास, रंगदारी और अन्य संगीन अपराधों के 25 मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। दिल्ली के खजूरी खास इलाके में पिछले छह महीने के दौरान हुई दो सनसनीखेज हत्याओं में भी उसकी भूमिका बताई जा रही है। इन मामलों में उसकी तलाश की जा रही थी।

छोटा शकील के कहने पर ली थी सुपारी: नसीम का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हत्या की साजिश से भी जुड़ा रहा है। एसटीएफ से मिली जानकारी के अनुसार उसने छोटा शकील के कहने पर पाकिस्तानी-कनाडाई मूल के तारिक फतह और तिहाड़ जेल में बंद छोटा राजन की हत्या की सुपारी ली थी। हालांकि वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। बीती देर रात उसकी लोकेशन बुलंदशहर के सिकंदराबाद क्षेत्र में मिलने के बाद यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। इस दौरान बदमाशों और पुलिस टीम के बीच मुठभेड़ हुई। गोली लगने से नसीम घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस की ओर से मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

16 साल से अपराध की दुनिया में सक्रिय था नसीम: यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में मारे गए नसीम उर्फ रिजवान का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है। पुलिस के आपराधिक इतिहास के दस्तावेज में उसके खिलाफ वर्ष 2010 से 2026 तक कुल 25 एफआईआर दर्ज होने का उल्लेख है। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, दंगा और अवैध हथियार रखने जैसी संगीन धाराएं शामिल हैं। उसके खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हैं।नसीम के खिलाफ सबसे पुराने मुकदमे वर्ष 2010 में दर्ज हुए थे। इनमें गोकुलपुरी थाने में लूट की धारा 392 और भजनपुरा थाने में चोरी व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज था। वर्ष 2012 में गाजियाबाद के लोनी थाने में हत्या की धारा 302 के तहत मामला दर्ज हुआ। इसके बाद वर्ष 2013 में गाजियाबाद के सिहानी गेट थाने में दो मुकदमे दर्ज हुए। इनमें लूट, डकैती और चोरी का माल रखने जैसी धाराएं शामिल थीं।

वर्ष 2014 में नसीम के खिलाफ दिल्ली के गोकुलपुरी, करावल नगर और सराय रोहिल्ला थानों में चार मुकदमे दर्ज हुए। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, दंगा और अवैध हथियार रखने जैसी धाराएं शामिल थीं। वर्ष 2016 में खजूरी खास थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। वर्ष 2017 में भी उसके खिलाफ जाफराबाद, गोकुलपुरी, खजूरी खास, हर्ष विहार और स्पेशल सेल में कई मुकदमे दर्ज हुए।

न्यू नोएडा के लिए 500 किसान जमीन देंगे

नोएडा। न्यू नोएडा को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज हो गई है। 209.11 वर्ग किलोमीटर में बसाए जाने वाले इस नए शहर के लिए अब तक 500 से ज्यादा किसान जमीन देने पर सहमति जता चुके हैं।

प्राधिकरण ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को गति देने के साथ अपना प्रशासनिक ढांचा तैयार करना भी शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सिकंदराबाद के पास 3 हजार वर्गफीट की इमारत में न्यू नोएडा का अस्थायी कार्यालय 15 दिसंबर तक शुरू किया जा सकता है।

डीएनजीआईआर के ओएसडी क्रांति शेखर ने बताया कि किसानों की समस्याएं सुनने और जमीन अधिग्रहण से जुड़े मामलों को निपटाने के लिए यह कार्यालय बनाया जा रहा है। यहां सीईओ, ओएसडी, सर्किल अधिकारी और लेखपाल बैठेंगे। इससे किसानों को अपनी समस्याओं के लिए नोएडा के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही जमीन अधिग्रहण से जुड़े काम में तेजी आएगी।

उन्होंने बताया कि फिलहाल अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी है। इसे दूर करने के लिए जल्द ही न्यू नोएडा के लिए तहसीलदारों की तैनाती भी की जाएगी। कार्यालय शुरू होने के बाद जमीन अधिग्रहण और किसानों से संवाद की प्रक्रिया को स्थानीय स्तर पर आगे बढ़ाया जा सकेगा।

जेवर एयरपोर्ट से सीधे जुड़ने की तैयारी, 23 को बैठक: न्यू नोएडा को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे जोड़ने की योजना पर भी काम शुरू हो गया है। इसके लिए 72 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे पर कनेक्टिविटी देने की तैयारी है। योजना के तहत बुलंदशहर के आसपास एक रोटरी बनाने का प्रस्ताव है, जिससे न्यू नोएडा से एयरपोर्ट तक पहुंच आसान हो सके।

इस प्रस्ताव को लेकर 23 नवंबर को शासन स्तर पर बैठक होगी।

इसमें चोला के पास 2600 एकड़ जमीन और इंटरचेंज बनाने के विकल्प पर चर्चा की जाएगी। बैठक में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश भी शामिल होंगे। इस कनेक्टिविटी के तैयार होने से न्यू नोएडा को एयरपोर्ट के साथ बेहतर सड़क नेटवर्क मिल सकेगा।

80 गांवों की जमीन पर बसेगा शहर: न्यू नोएडा का मास्टर प्लान 209.11 वर्ग किलोमीटर यानी 20,911.29 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तैयार किया गया है। इसे गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर के 80 गांवों की जमीन पर विकसित किया जाना है। शहर में करीब छह लाख लोगों के रहने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्राधिकरण गांवों में चौपाल लगाकर किसानों को परियोजना की जानकारी दे रहा है और आपसी सहमति से जमीन लेने की कोशिश कर रहा है।

चार चरणों में 2041 तक विकसित होगा न्यू नोएडा: न्यू नोएडा को चार चरणों में विकसित करने की योजना है। पहले चरण में 2023 से 2027 तक 3165 हेक्टेयर जमीन का विकास प्रस्तावित है।

दूसरे चरण में 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर, तीसरे चरण में 2032 से 2037 तक 5908 हेक्टेयर और चौथे चरण में 2037 से 2041 तक 8230 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित किया जाएगा।

समिति ने अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में रिकॉर्ड खंगाले

नोएडा। जिले के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का शासन की दो सदस्यीय समिति ने गुरुवार और शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। दो दिन के औचक निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा और दस्तावेजों की जांच की। इसमें सेक्टर 30 स्थित बाल चिकित्सालय, ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स और स्वास्थ्य केंद्र शामिल रहे। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. कुमुद रानी और वरिष्ठ सहायक भावना रावत ने गुरुवार ग्रेटर नोएडा के जिम्स का निरीक्षण किया। यहां पर मानव संसाधन की सूची, सिटीजन चार्टर, ड्यूटी रोस्टर, लाभार्थियों की संख्या, साफ-सफाई, कार्यरत चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक मशीनों की स्थिति को देखा। चिकित्सक और मरीजों से बातचीत कर शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने के बारे में पूछा।

आपात स्थितियों से निपटने के लिए शारदा विश्वविद्यालय में 22 नवंबर को होगी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

नोएडा। आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को पूरी तरह परखने के लिए 22 नवंबर 2026 को ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इस मॉक ड्रिल के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए कि वे आपसी समन्वय के साथ अपनी सभी तैयारियां समय से पूरी कर लें।

जिलाधिकारी ने इस बात की जानकारी दी कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य हवाई हमले की चेतावनी, रेड अलर्ट और ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान विभिन्न विभागों की तत्परता को परखना है। इसके अलावा त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और आपसी समन्वय की जांच करना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। इससे वास्तविक आपात स्थिति के समय राहत और बचाव कार्यों को बहुत ही प्रभावी ढंग से संचालित करने में काफी मदद मिलेगी।

जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि 22 नवंबर को शाम छह बजे आयोजित होने वाली इस मॉक ड्रिल के लिए सभी आवश्यक संसाधन, उपकरण, वाहन और पर्याप्त मानव संसाधन हर हाल में उपलब्ध कराए जाएं। सभी विभागों को अपने नोडल और वैकल्पिक नोडल अधिकारियों की तैनाती करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नियंत्रण कक्ष के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने को भी कहा गया है। इस मॉक ड्रिल में एनसीसी के विद्यार्थियों, वार्डन और स्वयंसेवकों की भागीदारी भी पूरी तरह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां: इस बैठक के दौरान अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की गईं। पुलिस विभाग को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा संभालने, भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अग्निशमन विभाग आग लगने की काल्पनिक स्थिति के दौरान अग्निशमन और बचाव कार्यों का अभ्यास करेगा। स्वास्थ्य विभाग अपनी चिकित्सकीय टीम, एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की पूरी व्यवस्था संभालेगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें खोज एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ क्षतिग्रस्त संरचनाओं में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास करेंगी। विद्युत विभाग ब्लैकआउट और विद्युत आपूर्ति को बहाल करने की जिम्मेदारी संभालेगा। लोक निर्माण विभाग सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करेगा और मलबा हटाने का काम देखेगा, जबकि परिवहन विभाग आपातकालीन वाहनों के सुचारु आवागमन की व्यवस्था पूरी करेगा।

राष्ट्रीय युवा उत्सव-2027 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय चैलेंज ट्रेक चैंपियनशिप (पी.पी.टी. राउण्ड) का आयोजन सम्पन्न



गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रीय युवा उत्सव-2027 के अन्तर्गत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग -2027- कल्चरल ट्रेक (राष्ट्रीय युवा उत्सव-) के अन्तर्गत जनपद स्तरीय चैलेंज ट्रेक चैंपियनशिप (पी.पी.टी. राउण्ड) का आयोजन शुक्रवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी, गौतमबुद्धनगर भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में कुल 11 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों में से दो ग्रुपों में तीन-तीन प्रतिभागियों का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों में प्रणव सिंगल, आरूषि वर्मा, ख्याति रावल, दुआ फातिमा, मृनालिनी सहदेव एवं आयुष्म मिश्रा शामिल हैं। ये प्रतिभागी जनपद की ओर से दो ग्रुपों में लखनऊ में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, माय भारत उपनिदेशक शिवेंद्र सिंह तथा समिति के सदस्य डॉ. नीलम प्रबक्ता, डॉ. रीता भाटी, श्वेता खुराना एवं युवा कल्याण विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत विकासखण्ड बिसरख में 12 जोड़ों का सामूहिक विवाह/निकाह सम्पन्न



गौतमबुद्धनगर। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि विकासखण्ड बिसरख परिसर, जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत कुल 12 जोड़ों का धार्मिक रीति-रिवाज एवं विधि-विधान के साथ सामूहिक विवाह/निकाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति वर्ग के 09 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 03 जोड़ों ने प्रतिभाग किया। सभी जोड़े विकासखण्ड बिसरख, दादरी एवं नगरपालिका परिषद दादरी क्षेत्र के निवासी हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद देने के लिए ब्लॉक प्रमुख-दादरी विजेन्द्र भाटी, ब्लॉक प्रमुख-बिसरख अप्रीत कौर, प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख-बिसरख श्यामेन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी भाल चन्द्र त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी दादरी व बिसरख विनी यादव, जिला पूर्ति अधिकारी नीलेश उत्पल, जिला कार्यक्रम अधिकारी इतफार खान एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना शासन की एक सराहनीय जनकल्याणकारी पहल है। योजना को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए जनपद स्तरीय अधिकारियों की सहभागिता एवं आपसी समन्वय सुनिश्चित किया गया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने जनमानस से कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना माननीय मुख्यमंत्री जी की अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं लोकप्रिय योजना है। आमजन को इसका लाभ लेना चाहिए, जिससे गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह कराने में निःसंकोच होकर मदद करने का आह्वान किया।

विकासखण्ड-बिसरख में विवाह प्रमाण-पत्र एवं पंजीकरण हेतु अलग से व्यवस्था की गई, जिसमें नवदम्पत्तियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई गई। सभी आवेदिकाओं द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह पोर्टल पर आवेदन किया गया, जिसके फलस्वरूप पोर्टल से पंजीकृत विवाह प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए।

सामूहिक विवाह में उपस्थित नवदम्पत्तियों को मा0 जनप्रतिनिधियों एवं सम्बंधित अधिकारियों द्वारा सहर्ष विवाह प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आयोजित सामूहिक विवाह में सम्मिलित अनुसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के जोड़ों को विवाह सामग्री इत्यादि प्रदान की गई। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित जोड़ों के परिवार के सदस्यों हेतु शासकीय नियमों के अनुसार खान-पान की व्यवस्था भी की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक

गौतमबुद्धनगर। आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा विभिन्न विभागों की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त जनपदों में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 22 नवंबर 2026 को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाली सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को मॉक ड्रिल के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।



जिलाधिकारी ने कहा कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य हवाई हमले की चेतावनी, रेड अलर्ट एवं ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तत्परता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता एवं आपसी समन्वय को परखना है, ताकि किसी भी वास्तविक आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा सकें।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 22 नवंबर को सायं 6:00 बजे शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली मॉक ड्रिल के लिए सभी आवश्यक संसाधन, उपकरण, वाहन एवं पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी विभाग अपने नोडल एवं वैकल्पिक नोडल अधिकारियों की तैनाती करते हुए नियंत्रण कक्ष से निरंतर संपर्क बनाए रखें एवं मॉक ड्रिल में एनसीसी के छात्रों, वार्डन तथा स्वयंसेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें।

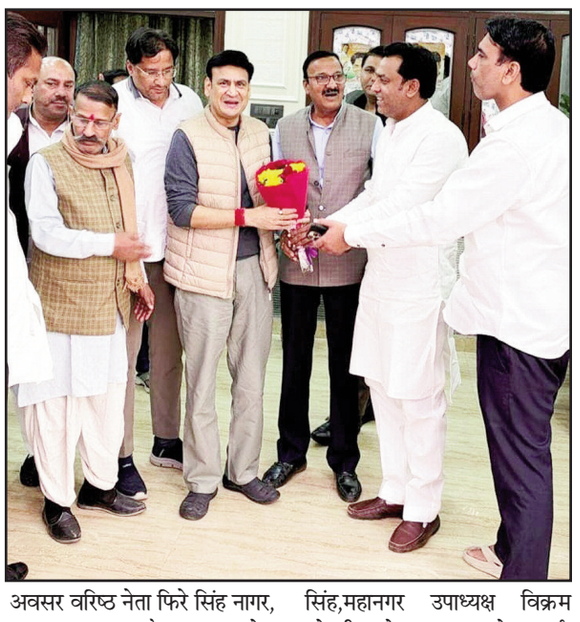
बैठक में पुलिस विभाग को कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ एवं यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निशमन विभाग द्वारा आग लगने की काल्पनिक स्थिति में अग्निशमन एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकीय टीम, एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

इसी प्रकार एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमों द्वारा खोज एवं बचाव कार्यों तथा क्षतिग्रस्त संरचनाओं में फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया जाएगा। विद्युत विभाग द्वारा ब्लैकआउट एवं विद्युत आपूर्ति बहाली, लोक निर्माण विभाग द्वारा सुरक्षित मार्ग एवं मलबा हटाने तथा परिवहन विभाग द्वारा आपातकालीन वाहनों के सुचारु आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जलाधिकारी ने अन्य संबंधित विभागों को भी अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुरूप आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित आश्रय स्थलों तक नागरिकों की पहुंच, ब्लैकआउट प्रक्रिया, अग्निशमन, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव तथा यातायात एवं भीड़ नियंत्रण जैसी गतिविधियों का क्रमबद्ध अभ्यास किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि मॉक ड्रिल के दौरान आमजन तक केवल अधिकृत एवं सही सूचनाओं का ही प्रसार किया जाए, जिससे किसी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका, एडीसीपी अर्चना सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ चंदन सोनी, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड किशन सिंह एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता के आवास पर पहुंचे राष्ट्रीय सचिव संजीव आर्य,बेटी के विवाह की दी शुभकामनाएं

नोएडा। शुक्रवार को नोएडा विधानसभा क्षेत्र के निठारी गांव निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ललित अवाना के आवास पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक संजीव आर्य पहुंचे, आगामी 25 नवंबर को उनकी बेटी का विवाह होना है। इस अवसर पर संजीव आर्य ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें बेटी के विवाह की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा सुखद एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान कांग्रेस के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की मजबूती,आगामी रणनीति और नोएडा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा भी हुई। संजीव आर्य ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आम जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया।इस



अवसर वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, स्टेट कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा, अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चौधरी, सिंह,महानगर उपाध्यक्ष विक्रम चोधरी, प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा, शशि अम्बावत, राधे अवाना, करतार अवाना, सुनील अवाना सहित स्थानीय कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता किसान नेता चौधरी बाली उपस्थित रहे।

सेक्टर-150 में बनने वाले फ्लाईओवर की डीपीआर आईआईटी को भेजी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-148 और सेक्टर-150 के बीच बनने वाले आर्क टाइल फ्लाईओवर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) परीक्षण और मंजूरी के लिए आईआईटी रुड़की को भेज दी है। उम्मीद है कि इसे अगले 15 दिन में मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद टेंडर की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए के अरोड़ा ने बताया कि यह फ्लाईओवर नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे को पार करते हुए सेक्टर-148 और सेक्टर-150 के बीच बनाया जाएगा। इस परियोजना की डीपीआर इस महीने तैयार कर ली गई थी। अब इसको परीक्षण और मंजूरी के लिए आईआईटी को भेज दिया गया है। आईआईटी से मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इस फ्लाईओवर को बनाने में करीब 84 करोड़ 16 लाख रुपये का खर्च आएगा। इस फ्लाईओवर की लंबाई 610 मीटर और चौड़ाई साढ़े नौ मीटर होगी। काम शुरू होने के बाद इसको डेढ़ साल में पूरा कर लिया जाएगा।

फ्लाईओवर की लागत और निर्माण योजना: महाप्रबंधक ने बताया कि सेक्टर-148 और 150 को डेडिकेटेड एवं सीधी सड़क सुविधा प्रदान करने के लिए यह योजना तैयार की गई है। इन दोनों समेत अन्य सेक्टरों को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए ग्रेड सेपरेटर फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा।

छह सेक्टरों को मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी: गौरतलब है कि इस फ्लाईओवर के बनने से सेक्टर-148, 149, 150, 151, 152 और 153 के बीच सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। इससे करीब दो लाख की आबादी को फायदा होगा। सेक्टर-150, 151 और 152 स्पोर्ट्स सिटी की परियोजनाओं का हिस्सा हैं। इन तीनों सेक्टर में करीब 30 हजार फ्लैट और हजारों की संख्या में भूखंडों पर मकान बनने प्रस्तावित हैं। इनमें से काफी फ्लैट बन चुके हैं और लोग रह रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण एवं मेट्रो में मांगी किसानों एवं उनके वारिसों के लिए नौकरी

नोएडा। आज भारतीय किसान यूनियन अनाज के पदाधिकारीयों ने एक ज्ञापन किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा के नाम प्राधिकरण के एसीईओ पुष्पराज सिंह को सौंपा, जिसमें किसानों एवं उनके वारिशों के लिए नोएडा प्राधिकरण के सभी विभागों के अंदर अस्थाई नौकरी एवं नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो में शिक्षा अनुसार शत प्रतिशत नौकरियां नोएडा के अधिग्रहित किसानों और उनके वारिशों को दी जाए।



प्रत्येक गांव की चारों दिशाओं में ग्रामीण लोगों के लिए पार्क एवं पार्किंग के साथ-साथ भवन सामग्री डालने के लिए प्राधिकरण जगह सुनिश्चित करा कर दे एवं पांच प्रतिशत आवासीय भूखंड और सन 1976 में साडे 17 परसेंट निर्धारित आवासीय कोटे के बाकी बचे हुए आवासीय भूखंड सभी किसानों को कोटे के भूखंड देना सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा नोएडा के सभी सेक्टर में बनाए जा रहे वेंडिंग जोन में वरीयता किसानों एवं उनके वारिशों को दी जाए ज्ञापन के सभी बिंदुओं पर एसीईओ साहब से सकारात्मक वार्ता हुई और 10 दिन के समय के अंतराल में सभी बिंदुओं पर कार्यवाही करने का आश्वासन एसीईओ द्वारा दिया गया है। ज्ञापन देने वाले लोगों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन शर्मा, बिन्नू अधाना, जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर राजेश उपाध्याय, दक्ष नागर, ब्रह्म सिंह प्रधान, सुखपाल फौजी, शर्मा यादव, उधम सिंह, संजय यदुवंशी, अरुण प्रधान, विकल उपाध्याय, तनिष्क, अर्चित मलिक, रजनीश यादव, देवेंद्र कश्यप सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एमसी छात्र ने फंदा लगाकर जान दी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-22डी स्थित सुपरटेक गोल्फ कंट्री में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एमसीए प्रथम वर्ष के छात्र ने गुरुवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे उसका शव किराये के कमरे में मिला।

सूचना मिलने पर रबूपुरा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान शुभम के रूप में हुई है। वह गलगोटिया यूनिवर्सिटी में एमसीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था और सुपरटेक गोल्फ कंट्री में किराये के कमरे में रहता था।

शुक्रवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकलने पर लोगों को जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

शुभम हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के खेर थाना क्षेत्र के मंजीर गांव का रहने वाला था। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है।

अवैध ढाबे का निर्माण रुकवाने पहुंचे कानूनगो से मारपीट

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण के कानूनगो मथुरा के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से बन रहे ढाबे का निर्माण कार्य रुकवाने के लिए पहुंचे थे। यहां ढाबा संचालकों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जानकारी के मुताबिक यमुना प्राधिकरण में बतौर कानूनगो हरिशंकर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत दी कि यमुना एक्सप्रेसवे पर वृंदावन कट के पास से ढ़कू गांव के खसरा नंबर 30 मि. पर कोर्ट ने किसी भी प्रकार के निर्माण पर रोक लगाई है।

कोर्ट के आदेश के बावजूद राहुल अग्रवाल, कुशवाल, राजेंद्र सिंह निवासी जमुनापार मथुरा अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्हें कई बार निर्माण रोकने के लिए नोटिस जारी किए, लेकिन उन्होंने काम नहीं रोका। उन्होंने दो नवंबर को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो राहुल अग्रवाल लगभग 15 से 20 लोगों के साथ पहुंचा और उन्हें घेर लिया। उन्हें गालियां दीं और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया। उनके पास मारपीट भी की। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर भागे। मथुरा पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीईओ आरके सिंह का कहना है कि मामले में जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा गया है।

147 किसानों को भूखंड आवंटित हुए

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को डूंगरपुर रीलका के 128 और अच्छेजा बुजुर्ग के 19 समेत कुल 147 किसानों को भूखंडों का आवंटन किया। यह आवंटन ड्रॉ के जरिए सेक्टर 18 में संपन्न कराया गया। ड्रॉ के माध्यम से किसानों को उनके भूखंड संख्या आवंटित किए गए। वहीं, पिछले दिनों खेरलीभाव गांव के भी 295 किसानों को आबादी भूखंड का आवंटन किया गया था। यीडा इसी सप्ताह में कुल 442 किसानों को भूखंड आवंटित कर चुका है।

तीन दोस्तों पर गैर इरादतन हत्या के प्रयास का आरोप

नोएडा। सेक्टर-101 में पांच महीने पहले बालकनी से संदिग्ध हालात में गिरकर एक युवक घायल हो गया था। परिजनों ने इस मामले में उसके तीन दोस्तों पर गैर इरादतन हत्या के प्रयास, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाए। अदालत के आदेश पर सेक्टर-49 थाने में तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली के न्यू अशोक नगर निवासी हरिराम प्रसाद ने न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि उनके पुत्र सोनू कुमार के दोस्त ऋतुराज सिंह, अभिषेक राजभर और ज्ञानेंद्र भाटी के नोएडा सेक्टर-101 में रहते हैं। तीनों ने सोनू को 24 जून को पार्टी करने के लिए सेक्टर-101 स्थित ज्ञानेंद्र भाटी के कॉम्प्लेक्स पर बुलाया था। सोनू रात करीब 11 बजे वहां पहुंचा। आरोप है कि तीनों ने सोनू को जबरन शराब पिलाने का प्रयास किया था, लेकिन सोनू ने मना कर दिया। इस पर तीनों ने नशे में सोनू के साथ मारपीट की। उसको चौथी मंजिल की बालकनी से नीचे फेंक दिया। सोनू को सेक्टर-11 के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके दोनों पैर और रीढ़ की हड्डी टूट गई। होश में आने पर उनके बेटे ने आपबीती सुनाई। आरोप है कि दोस्तों ने बताया था कि सोनू नशे में खुद नीचे गिरा था। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। थाना स्तर से सुनवाई न होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रूस की कंपनियों ने ग्रेनो में निवेश की इच्छा जताई

नोएडा। रूस की कंपनियों का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचा। रसियन इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलोजी, रसियन मेडिकल इक्यूपमेंट मैनुफैक्चरर, रसियन टेकपॉलिमर मैनुफक्चरर कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्राधिकरण बोर्ड रूम में एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव और एसीईओ नुपुर गोयल से मिले। ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर, पॉलिसी और लैंड बैंक के बारे में जानकारी प्राप्त की।

एसीईओ प्रेरणा सिंह ने प्रजेंटेशन के जरिए ग्रेटर नोएडा और आईआईटीजीएनएल के बारे में जानकारी दी। एसीईओ ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक है। यह प्लग एंड प्ले सिस्टम पर बसाई गई है। उद्योग लगाने के इच्छुक निवेशकों को बहुत ही कम समय में भूखंड आवंटित किया जाएगा। उद्योग लगाने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित कर दी गई हैं। भूखंड आवंटित होते ही उद्यमी उद्योग लगा सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो का विस्तार केपी-5 तक हो : रश्मि पाण्डेय

ग्रेटर नोएडा। एक्टिव एन जी ओ, नोएडा द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में गौतम बुद्ध नगर विकास समिति की अध्यक्ष रश्मि पाण्डेय ने नोएडा विधायक पंकज सिंह से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की मेट्रो कनेक्टिविटी और स्टेशंस की मांग का मुद्दा उठाया। नोएडा सेक्टर-51 से प्रस्तावित एक्वा लाइन मेट्रो का विस्तार ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर-4 तक किया जा रहा है, जबकि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक बड़ी आबादी केपी-5, टेकज़ोन-4, सेक्टर-16बी एवं आसपास के क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में 100 से अधिक आवासीय सोसायटियां हैं। ऐसे में केवल एक मेट्रो स्टेशन क्षेत्र की विशाल आबादी की परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।



रश्मि पाण्डेय ने पंकज सिंह जी द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अनुरोध किया कि मेट्रो का विस्तार सेक्टर-4 से आगे नॉलेज पार्क-5 (चक्र 5) तक कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं शासन स्तर पर पहल की जाए।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की बढ़ती आबादी और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए मेट्रो रूट की योजना पर पुनर्विचार आवश्यक है। इस जनहित के मुद्दे को लेकर आगे भी जिले के जनप्रतिनिधियों, संबंधित प्राधिकरणों एवं प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर लगातार संवाद और प्रयास जारी रखे जाएंगे।

हमारा उद्देश्य स्पष्ट है–ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिले और एक्वा लाइन मेट्रो चक्र 5 तक पहुंचे। इस कार्यक्रम में कई एनजीओ के प्रतिनिधि एवं ऐक्टिव एनजीओ के एडमिन अशोक श्रीवास्तव, रंजन तोमर एवं गौतम बुद्ध नगर विकास समिति के सचिव अनूप सोनी उपस्थित रहे।

प्रदूषण से निपटने को ग्रेनो प्राधिकरण ने तेज की मुहिम

नोएडा। वायु प्रदूषण के रोकथाम के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मुहिम तेज कर दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ बलकार सिंह ने सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। सीईओ ने प्रदूषण रोकने के लिए सभी उपाय करने के साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों पर जुर्माना और जागरुकता के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने को कहा है।

प्राधिकरण के सीईओ डॉ बलकार सिंह ने एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव और एसीईओ नुपुर गोयल की मौजूदगी में आयोजित बैठक में कहा कि सड़कों के किनारे जहां भी कच्चा मार्ग है, वहां घास लगाएं, ताकि धूल न उड़े। मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से दो शिफ्टों में सड़कों की सफाई कराएं। उन्होंने दिन और रात में सड़कों की सफाई कराने के निर्देश दिए। प्रदूषण के लिहाज से चिंहित सभी हॉट-स्पॉट पर रोकथाम के उपाय करें। उन्होंने एसीईओ के साथ ही महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधकों को खुद भी नियमित विजिट करने को कहा है। सीईओ ने जरूरत के हिसाब से एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। सीईओ ने ग्रेटर नोएडा में निर्धारित सभी कूड़ा संकलन केंद्रों से नियमित कूड़ा उठवाने और साइटों पर निर्माण सामग्री ढककर रखने को कहा है। डॉ बलकार सिंह ने कहा कि प्रदूषण से संबंधित नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए ग्रेटर नोएडा की आरडब्ल्यूए, अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन के ऑफिस सामुदायिक केंद्रों आदि के नोटिस बोर्ड पर पंफलेट चस्पा करें। बल्क वेस्ट जेनरेटरों, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में एनजीओ के जरिए जागरुकता अभियान चलाएं।

डीसीपी ट्रैफिक से डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

नोएडा। डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन, गौतम बुद्ध नगर के प्रतिनिधिमंडल ने आज नवनियुक्त डीसीपी ट्रैफिक सैयद अली अब्बास से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें डीसीपी ट्रैफिक का दायित्व संभालने पर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर जिले, विशेषकर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की यातायात व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में शहर में बढ़ते यातायात दबाव, प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम, सड़क किनारे अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, यातायात नियमों का पालन, स्कूलों एवं बाजारों के आसपास यातायात प्रबंधन तथा व्यस्त समय में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाने जैसे विषय प्रमुखता से उठाए गए।

फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यातायात पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। साथ ही आरडब्ल्यूए एवं स्थानीय निवासियों के सुझावों को भी यातायात प्रबंधन की योजनाओं में शामिल किया जाए।



डीसीपी ट्रैफिक सैयद अली अब्बास ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना तथा जिले की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के संबंध में सकारात्मक चर्चा की।

फेडरेशन ने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस प्रशासन एवं आरडब्ल्यूए के बीच निरंतर संवाद और समन्वय से जिले की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। इस शिष्टाचार भेंट एवं बैठक में डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन की ओर से एन.पी. सिंह, एम.पी. सिंह, अनिल कुमार सिंह एवं रुद्र प्रताप शिशोदिया उपस्थित रहे।



नोएडा। सेक्टर 20 स्थित हनुमान मंदिर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

स्टांप ड्यूटी से पेपर्स तक जानें पूरा प्रोसेस

घर-जमीन खरीद रहे हैं तो जरूर कराएं प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। घर या जमीन खरीदना किसी भी व्यक्ति के जीवन के सबसे बड़े फैसलों में से एक होता है। लेनदेन को कानूनी सुरक्षा और सरकारी रिकॉर्ड में पक्की मान्यता दिलाने के लिए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन सबसे अहम चरण है। दिल्ली में यह काम राजस्व विभाग के अधीन सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों (एसआरओ) के माध्यम से किया जाता है। बिना पंजीकरण के संपत्ति के स्वामित्व का कानूनी आधार कमजोर रहता है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में खरीदार को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।



रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908 के तहत 100 रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति के हस्तांतरण का पंजीकरण अनिवार्य है। सेल डीड, गिफ्ट डीड, लंबी अवधि की लीज डीड, रिलिंक्विशमेंट डीड (जिसे हक त्याग पत्र या रिलीज़ डीड भी कहा जाता है) और पार्टीशन डीड जैसे दस्तावेजों का पंजीकरण पारदर्शिता बनाए रखने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908- संपत्ति दस्तावेजों के पंजीकरण और प्रक्रिया का आधार। भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 और दिल्ली स्टांप नियम- स्टांप शुल्क के भुगतान और मूल्यांकन से जुड़े प्रावधान। संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882- बिक्री, उपहार, बंधक और पट्टे के कानूनी नियम। दिल्ली भूमि (प्रतिबंध और अंतरण) अधिनियम, 1972- भूमि अधिग्रहण की स्थिति जांचने के लिए एनओसी से जुड़ी व्यवस्था। अपॉइंटमेंट लेने की प्रक्रिया ऑनलाइन हो चुकी है, लेकिन अंतिम निष्पादन और बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए संबंधित क्षेत्र के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय जाना जरूरी है।

स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क और सर्किल रेट (2026)

दिल्ली में स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क की गणना सौदे की वास्तविक कीमत और सरकारी सर्किल रेट, इन दोनों में से जो भी अधिक हो, उसके आधार पर की जाती है। यदि किसी संपत्ति का सौदा 80 लाख रुपये में हुआ है, लेकिन सर्किल रेट के हिसाब से उसका मूल्य 90 लाख रुपये बैठता है, तो शुल्क 90 लाख रुपये पर देना होगा। इनकम्ब्रेंस सर्टिफिकेट, प्रॉपर्टी टैक्स रिकॉर्ड, भूमि उपयोग की वैधता और बिल्डर के मामले में तथा कंप्लीशन/ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट की जांच करें।

दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के दफ्तर के पास गोली बरसाने वाला नसीम दुर्रानी का एनकाउंटर, बुलंदशहर में किया ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले के कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी को दिल्ली की क्राइम ब्रांच व नोएडा एसटीएफ ने बुलंदशहर में गुरुवार देर रात एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मृतक ने कुछ दिन पहले ही दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कार्यालय के करीब ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। वहीं, पुलिस के अनुसार, राजा मेवाती गिरोह के सरगना हारून पहलवान के करीबी समीर की 12 गोलियां मारकर हत्या करने में भी उसका ही हाथ था। छह माह में नसीम ने उत्तर पूर्वी जिले में गैंगवार में दो हत्या करके लॉ एंड ऑर्डर को बड़ी चुनौती दी थी। नसीम पर हत्या के पांच केस दर्ज थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बुलंदशहर में एनकाउंटर के दौरान नसीम दुर्रानी और पुलिस के बीच कई राउंड फायरिंग हुई थी। इस दौरान नसीम दुर्रानी को कई राउंड गोलियां लग गईं, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। छोटा शकील से ली थी छोटा राजन को मारने की सुपारी नसीम दुर्रानी का नाम कई प्रकरण में चर्चा में रहा था। वो अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के भी लगातार संपर्क में रहा था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, छोटा शकील ने उसे छोटा राजन की हत्या करने की भी सुपारी दी थी।

संक्षिप्त समाचार

हजरत निजामुद्दीन में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग की साजिश नाकाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम



इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग की बड़ी साजिश को नाकाम किया है। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए दो हथियारबंद आरोपितों और एक नाबालिग को पकड़ा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस साजिश के तार राशिद केबलवाला गिरोह के नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं। आरोपितों के कब्जे से पांच पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। बदमाशों के मोबाइल फोन की जांच में ऐसे वीडियो मिले हैं, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई और राशिद केबलवाला के प्रति वफादारी जताते हुए लोगों को धमकियां दी गई है। इन्फ्लुएंसर को वसूली के लिए जान से मारने की धमकी दी गई थी।

सफाईकर्मियों की औसत उम्र महज 63.8 साल, जहरीली गैसें ले रहीं 30 से ज्यादा की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की स्वच्छता व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले सफाईकर्मियों की



जिंदगी दूसरे पेशों से जुड़े लोगों की तुलना में औसतन 11.4 साल छोटी है। उनकी औसत जीवन प्रत्याशा महज 63.8 वर्ष है। वहीं, सफाईकर्मियों की मौत के 30.2 प्रतिशत मामले जहरीली गैसों के संपर्क और विषाक्त पदार्थों के कारण होते हैं। यह जानकारी विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर मंगलवार को जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में आई है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पापुलेशन साइंसेज (आइआइपीएस) की ओर से ब्रिजिंग द लाइफ एक्सपेक्टेंसी गैप आफ सैनिटेशन वर्कर्स इन इंडिया शीर्षक से रिपोर्ट जारी की गई। इसमें बताया गया है कि समान शिक्षा और आय वाले कृषि एवं अन्य श्रमिकों की तुलना में भी सफाईकर्मी 9.6 साल कम जीते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस अंतर के कारण देश को सालाना जीडीपी के लगभग 1.03 प्रतिशत के बराबर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। चिंताजनक यह भी है कि महज एक प्रतिशत सफाईकर्मी स्वास्थ्य बीमा में योगदान करते हैं। रेकिट के दक्षिण एशिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष गौरव जैन ने कहा कि सफाईकर्मी सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हें अपने काम के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ता है। हार्पिक वर्ल्ड टायलेट कालेज के माध्यम से सफाईकर्मियों को कौशल, सुरक्षा और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बेहतर परिणाम के लिए प्रशिक्षण के साथ तकनीक और सामाजिक सुरक्षा को भी मजबूत करना जरूरी है। कोषाध्यक्ष समीर गुप्ता ने कहा कि सफाईकर्मी समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अनिवार्य हैं, लेकिन उनकी अपनी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां अक्सर अनदेखी रह जाती हैं। यह रिपोर्ट इस समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ठोस कदम उठाने के लिए महत्वपूर्ण आधार उपलब्ध कराती है। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्पिक वर्ल्ड टायलेट कालेज के माध्यम से अब तक 2.5 लाख सफाईकर्मियों को 16 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया है। सुरक्षित कार्यप्रणाली शामिल है। अध्ययन में मैनुअल सफाई कम करने, जहरीली गैसों का पता लगाने वाले सेंसर लगाने और स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

मीट की दुकानों की पहचान कर कार्रवाई करने के निर्देश

पीपीपी मॉडल पर चलेंगे एमसीडी के 13 स्टेडियम, अस्पतालों में सस्ती होंगी एमआरआई, जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति ने पिछले बजट में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन का हिसाब मांगा है। अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताना होगा कि कितनी घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं, कितनी के लिए कार्ययोजना तैयार है और कितनी पर अभी कार्ययोजना बनाने की प्रक्रिया चल रही है। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। इसमें पीपीपी मॉडल पर एमसीडी के 13 स्टेडियम का संचालन निजी एजेंसियों को देना। साथ ही निगम श्री स्कूलों के आवंटन और उसके मानक तैयार करना। निगम के अस्पतालों में निजी एजेंसी के



माध्यम से सस्ती दरों पर सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी सुविधा को सीजीएचएस दरों से भी कम राशि जांच की सुविधा प्रदान करने जैसे प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुद्दा भी उठा इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली की सभी निगम पार्किंग साइटों का सर्वे कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसमें यह जांच की जाएगी कि पार्किंग का संचालन नियमानुसार हो रहा है या नहीं। कहीं अवैध रूप से शुल्क तो नहीं वसूला जा रहा है। सड़कों पर अनधिकृत पार्किंग रोकने और जनप्रतिनिधियों को नियमानुसार निगम पार्किंग में निशुल्क सुविधा देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बैंक्वेट हाल के कारण सड़कों पर लगने वाले जाम का मुद्दा भी उठा। इस पर जोर दिया गया कि पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था वाले बैंक्वेट हाल को ही नियमानुसार लाइसेंस दिया जाए। इससे सड़कों पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और जाम की समस्या कम हो सकेगी।

सुधार कार्यों की योजना बनाई जाएगी

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में सफाई व्यवस्था, सामुदायिक भवनों, पार्किंग, स्कूलों के रखरखाव, आवारा कुत्तों के बंध्याकरण और जर्जर इमारतों समेत कई नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखीं। इस दौरान आप पार्षद राफिया ने सामुदायिक भवनों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया तो इस पर सत्या शर्मा निगम के सभी सामुदायिक भवनों का सर्वे कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को जर्जर और असुरक्षित भवनों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करनी होगी। सर्वे रिपोर्ट भी एक सप्ताह में मांगी गई है। इसके आधार पर मरम्मत और सुधार कार्यों की योजना बनाई जाएगी।

किरण बेदी बनेंगी देशभर के स्कूली शिक्षकों की मेंटर, अगले महीने लेंगी पहला सत्र; एनसीटीई को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर के स्कूली शिक्षकों को अब पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी का मार्गदर्शन मिलेगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने उन्हें राष्ट्रीय मेंटरिंग पहल मित्र के तहत राष्ट्रीय मेंटर के रूप में शामिल किया है। इस पहल का उद्देश्य अनुभवी और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को जोड़कर शिक्षकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराना और उनकी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षमता को मजबूत करना है। बुधवार को एनसीटीई मुख्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित आनलाइन सत्र में डा. किरण बेदी को औपचारिक रूप से इस पहल से जोड़ा गया। इस दौरान एनसीटीई के उप सचिव (अकादमिक) सतीश कुमार, अकादमिक सलाहकार दिनेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार (एनएमएम) सुनील बजाज और मित्र व पुष्टि टीम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत परिकल्पित इस पहल के माध्यम से देशभर के स्कूली शिक्षकों को संरचित और निरंतर आनलाइन संवाद के जरिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाता है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को चिंतनशील अभ्यासकर्ता और आजीवन सीखने वाला बनाना है, ताकि विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार हो सके। सत्र के दौरान डॉ. बेदी को इस मिशन की कार्यप्रणाली, उद्देश्य और अब तक के प्रयासों की जानकारी दी गई। इस मौके पर उन्होंने मित्र पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षकों, सेवानिवृत्त अधिकारियों, युवा पेशेवरों और वरिष्ठ शिक्षकों के लिए विश्वसनीय एवं सराहनीय मंच बताया। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षकों पर केंद्रित इसके दृष्टिकोण की प्रशंसा की। साथ ही अगले महीने इस पहल के तहत राष्ट्रीय मेंटर के रूप में अपना पहला सत्र आयोजित करने की इच्छा जताई। एनसीटीई के अनुसार, डॉ. बेदी का प्रशासनिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता देशभर के शिक्षकों और शिक्षाविदों को प्रेरित करेगी। उनके जुड़ने से शिक्षकों के क्षमता निर्माण और मार्गदर्शन की इस पहल को मजबूती मिलने की उम्मीद है।



रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को बड़ी राहत, लोकपाल की कार्रवाई पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल (एनपीसी) में पदोन्नतियों में अनियमितताओं से जुड़े मामले में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के खिलाफ लोकपाल द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को रोक लगा दी। राजेश कुमार सिंह ने लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम-2013 की धारा- 20 (तीन) के तहत नई कार्यवाही शुरू करने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने लोकपाल के चार मार्च 2025 और 26 अक्टूबर 2026 के आदेशों के साथ 28 अक्टूबर 2026 के नोटिस को रद करने की मांग की है। उनका कहना है कि कार्यवाही कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं है और हाई कोर्ट के पहले के फैसले के विपरीत है। याचिका में कहा गया कि



शिकायत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-1988 के तहत किसी अपराध का खुलासा नहीं होता। उन्होंने सीबीआइ की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसमें उनके खिलाफ आरोप निराधार पाए गए थे। यह शिकायत एनपीसी में 28 मार्च 2023 को डिप्टी डायरेक्टर, डायरेक्टर ग्रेड-दो, डायरेक्टर ग्रेड-एक और डिप्टी डायरेक्टर जनरल जैसे ग्रुप-ए पदों पर हुई पदोन्नतियों से संबंधित है। शिकायत में आरोप है कि पदोन्नति प्रक्रिया जल्दबाजी में पूरी की गई और उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसके साथ ही साक्षात्कार के अंकों को मनमाने ढंग से महत्व दिया गया। जांच के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई थी। समिति ने प्रक्रियात्मक कमियों की ओर इशारा करते हुए प्रक्रिया की समीक्षा सहित कई सिफारिशें कीं।

दिल्ली में एसआईआर के बीच सीईओ अशोक कुमार का जम्मू-कश्मीर तबादला, वोटर लिस्ट रिवीजन के बीच फैसला

30 जून से शुरू हुआ अभियान, 47.56 लाख नाम हटाए जाने पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार का तबादला जम्मू-कश्मीर कर दिया गया है। 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अशोक कुमार ने 13 फरवरी 2026 को दिल्ली के सीईओ का कार्यभार संभाला था। इस तरह करीब 9 महीने के कार्यकाल के बाद ही उनकी जिम्मेदारी बदल दी गई है।



अशोक कुमार के नेतृत्व में ही दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 30 जून से शुरू हुए इस अभियान के तहत 17 अगस्त तक मतदाताओं को एन्युमरेशन फार्म बांटने और जमा कराने का काम किया गया।

इसके बाद 31 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में करीब 47.56 लाख नाम हटाए जाने से राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में विवाद खड़ा हो गया था। दिल्ली के करीब 1.45 करोड़ मतदाताओं में से हटाए गए इन नामों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट जैसी श्रेणियों में रखा गया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी विचाराधीन है। आपत्तियां दर्ज करने का काम जारी फिलहाल सीईओ कार्यालय की ओर से हटाए गए मतदाताओं के सत्यापन और उन्हें दोबारा सूची में शामिल करने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। इसके साथ ही दावे और आपत्तियां दर्ज करने का काम भी जारी है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 25 नवंबर तक फार्म-6 भरा जा सकता है। अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर को जारी होनी है। हालांकि, सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि अशोक कुमार का तबादला एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ा नहीं है। दिल्ली का सीईओ बनने से पहले वह दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग में सचिव थे। उनके पास श्रम विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी था।

स्टार्टअप फेल हुआ तो बने लुटेरे, 2 पूर्व मैनेजर और 4 टेली कॉलर अरेस्ट, हाईवे पर लोगों को बनाते थे निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। एक ही स्टार्टअप में साथ काम किया, फिर खुद का कारोबार शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी। लेकिन कारोबार नहीं चला तो कमाई के लिए छह युवकों ने अपराध का रास्ता चुन लिया। दो पूर्व मैनेजर और चार टेली कॉलर ने मिलकर हाईवे पर कार सवार परिवारों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। 14 नवंबर की रात महिपालपुर फ्लाईओवर के पास गुरुग्राम के एक परिवार के साथ लूटपाट और मारपीट की वारदात के बाद वसंत कुंज दक्षिण थाना पुलिस ने सभी छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया है कि वारदात में इस्तेमाल कार के चार चालान लंबित हैं। इनमें दो तेज रफ्तार और दो गलत पार्किंग के हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ऋषिकेश तिवारी, दुर्वेश शर्मा, सुमित सिंह, प्रिंस मावी, रितेश चौधरी और सचिन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस जांच के मुताबिक, ऋषिकेश और दुर्वेश एक स्टार्टअप में मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर थे, जबकि बाकी चार टेली कॉलर के तौर पर काम करते थे। इसी दौरान सभी की जान-पहचान हुई। बाद में दोनों ने नोएडा में फाइनेंसलो नाम से अपना स्टार्टअप शुरू किया और बाकी साथी भी इससे जुड़ गए। हालांकि, कारोबार में सफलता नहीं मिली। इसके बाद



सभी ने मिलकर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। 14 नवंबर की रात आलोक कुमार सिंह पत्नी और दो बेटों के साथ गुरुग्राम से लौट रहे थे। महिपालपुर फ्लाईओवर के पास आरोपितों ने उनकी कार रुकवाकर परिवार को घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान महिला के गहने लूट लिए और आलोक को कार से कुचलने की कोशिश की। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, शिकायत पर मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई। जांच में वारदात में इस्तेमाल कार का नंबर मिला, जिसके आधार पर आरोपितों तक पुलिस पहुंची।

दिल्ली में यमुना के 52 किमी हिस्से के पुनरुद्धार पर होगा मंथन, डीडीए आयोजित करेगा यमुना संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना के कायाकल्प की योजनाओं को अब ठोस कार्ययोजना और जवाबदेही के ढांचे में ढालने की तैयारी है। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) शुक्रवार को बांसेरा में यमुना संवाद आयोजित करेगा। एलजी तरनजीत सिंह संधू इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, सरकारी एजेंसियों, वैज्ञानिक संस्थानों, शहरी योजनाकारों और सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों के बीच यमुना के पुनरुद्धार पर मंथन होगा। चर्चा का केंद्र दिल्ली में यमुना का 52 किमी लंबा शहरी हिस्सा और उसका बाढ़ क्षेत्र रहेगा। संवाद के छह सत्रों से निकलने वाली सिफारिशों को प्रस्तावित दिल्ली यमुना रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। इसमें प्राथमिकता वाले कार्यों, संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारियों, संभावित साझेदारियों और क्रियान्वयन की रूपरेखा तय करने का प्रयास होगा। इस संवाद का उद्देश्य यमुना को केवल नदी के रूप में नहीं, बल्कि उससे जुड़े बाढ़ क्षेत्र, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ विकसित करने की रणनीति तैयार करना है। डीडीए के अनुसार, इसके लिए छह विषयों पर अलग-अलग सत्र होंगे।

इनमें नदी प्रबंधन की व्यवस्था, बाढ़ क्षेत्र की योजना और पारिस्थितिकीय उपाय, जल गुणवत्ता एवं जल निकासी, घाटों का विकास और नदी से लोगों का जुड़ाव, सतत वित्तपोषण तथा नई तकनीक और अनुसंधान शामिल हैं। डीडीए के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्रों में 1700 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर सक्रिय पुनर्स्थापन कार्य किया जा रहा है। अब तक 35 आर्द्रभूमियों को पुनर्जीवित करने और सात लाख से अधिक देशज वृक्ष लगाने का दावा किया गया है। इसके अलावा, करीब 88 हजार मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट हटाया गया है। डीडीए के अनुसार, असिता में पक्षियों की दर्ज प्रजातियों की संख्या 63 से बढ़कर करीब 200 हो गई है।

महेला जयवर्धने बने जीएमआर स्पोर्ट्स में क्रिकेट डायरेक्टर

डब्ल्यूपीएल का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को जीएमआर स्पोर्ट्स ने क्रिकेट डायरेक्टर बनाया है। जयवर्धने इस भूमिका में विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के क्रिकेट



कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स क्रिकेट टीम के पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, प्लेयर डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट पर स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन देंगे और हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी काम करेंगे, ताकि ग्रुप की टीमों के बीच नॉलेज, एक्सपर्टीज और बेस्ट प्रैक्टिस साझा कर सकें। इस नियुक्ति से डब्ल्यूपीएल जीतने की कोशिश कर रही दिल्ली कैपिटल्स को मजबूती मिलेगी। दिल्ली कैपिटल्स 2023 में शुरू हुए डब्ल्यूपीएल की पांच फाउंडिंग टीमों में से एक है। अब तक टूर्नामेंट के सभी चार एडिशन में फाइनल में पहुंची टीम हर बार रनर-अप रही है। अपनी नियुक्ति के बाद जयवर्धने ने शनिवार को दिए एक बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट डायरेक्टर का रोल निभाने में बहुत खुशी हो रही है। इस कॉम्पिटिशन में महिलाओं के खेल के भविष्य को आकार देने की बहुत ज्यादा क्षमता है। मैं टैलेंटेड खिलाड़ियों के एक स्थापित ग्रुप और एक अनुभवी सपोर्ट टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

हांगकांग ओपन 2026

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, रक्षिता बाहर

हांगकांग । भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी की जोड़ी को हराकर हांगकांग ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-12, 13-21, 21-16 से हराकर जीत दर्ज की। वे दूसरा गेम हार गए, लेकिन वापसी करते हुए तीसरा गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने 13 मिनट में 21-12 से पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम ज्यादा कड़ा था और 4-4 की बराबरी के बाद दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। फिर स्कोर 9-9



से बराबर हो गया। हू और लिन ने 13-11 से बढ़त बनाई और 15-11 पर पहुंचने के बाद इसे 21-13 से जीत लिया। भारतीयों ने तीसरे गेम में जबरदस्त वापसी की और इंटरवल तक 11-7 से आगे थे। उन्होंने जीत का सिलसिला बनाए रखा और 15-9 तथा 17-10 से आगे हो गए। हालांकि, चीनी जोड़ी ने आखिर में वापसी की कोशिश की, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपना संयम बनाए रखते हुए गेम 21-16 से जीतकर आखिरी चार में जगह बनाई।

दूसरी ओर, भारत की रक्षिता रामराज महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं। 19 साल की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, जिसमें स्कोर 13-13 से बराबर रहा। चोचुवोंग 17-15 से आगे हो गईं, लेकिन रक्षिता ने वापसी करते हुए 17-17 से बराबरी कर ली। हालांकि, थाई शटलर ने धैर्य बनाए रखते हुए 21-19 से गेम जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: दूसरे दिन का खेल समाप्त
भारत का स्कोर 1 विकेट पर 159 रन

जायसवाल शतक से चूके



निकोलस 113

वेलिंगटन । भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की समाप्ति के समय 1 विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए थे। केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने की। शुरुआत धीमी रही, लेकिन एक बार लय मिलने के बाद भारतीय ओपनरों ने मैदान के चारों ओर रन बनाए। जायसवाल बेहद आक्रामक रहे। बाएं हाथ का यह युवा सलामी बल्लेबाज शतक से चूक गया। जायसवाल 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को मैट हेनरी ने आउट किया। आउट होने से पहले इस खिलाड़ी ने पहले विकेट के लिए केएल राहुल के साथ 27.5 ओवर में 130 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दी। केएल राहुल 116 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पडिक्कल 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड की पहली पारी के स्कोर से अभी भी 209 रन पीछे है।

इससे पहले दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। और ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हुए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी की।

फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया। हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाशदीप ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया। वॉशिंगटन सुंदर को विकेट नहीं मिला।

निकोलस 175 पर नाबाद रहे, फिलिप्स ने भी लगाया शतक

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन में न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी निकोलस और ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 243 रन से की थी।

निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन पर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। आकाशदीप की गेंद पर बोल्ड होने से पहले फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को 286 तक पहुंचाया। फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया।

हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोलस का यह 12वां टेस्ट शतक है और इस वेन्यू पर लगाया 5वां शतक है।

ग्लेन फिलिप्स ने की रोहित शर्मा की बराबरी

हासिल की असाधारण उपलब्धि

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने वेलिंगटन में भारत के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (शुक्रवार) शतक लगाया। फिलिप्स ने 118 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही फिलिप्स ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ग्लेन फिलिप्स एक ही कैलेंडर ईयर में भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक ही कैलेंडर ईयर में किसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले फिलिप्स दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कीर्तिमान भारत



के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी हासिल कर चुके हैं। फिलिप्स ने जनवरी 2026 में इंदौर में भारत के खिलाफ हुए वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू टी20 सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 107 रन बनाए थे। मौजूदा टेस्ट में खेली गई 118 रन की पारी से उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में एक ही टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाया था। उस समय वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज थे। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं, और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। फिलिप्स ने भारत के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 232 रन बनाए हैं। वहीं, 16 वनडे की 12 पारियों में 1 शतक की बदौलत 342 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में फिलिप्स का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली है। भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों की 20 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 657 रन बनाए हैं।

रियल मैड्रिड ने ऑरेलियन टचौमेनी के साथ 6 साल का नया करार किया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने फ्रांसीसी मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी के साथ अपना करार जून 2032 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही क्लब ने अपने एक अहम खिलाड़ी को लंबे समय के लिए साथ बनाए रखा है। स्पेनिश क्लब ने गुरुवार को इस करार के विस्तार की घोषणा करते हुए पुष्टि की है कि यह मिडफील्डर अगले छह साल तक सैंटियागो बर्नाबेउ (रियल मैड्रिड का स्टेडियम) में बना रहेगा। टचौमेनी 2022 में फ्रांसीसी क्लब एएस मोनाको से रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले पांच सीजन में 205 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान क्लब के साथ आठ ट्रॉफियां जीतीं। उनकी जीती गई ट्रॉफियों में एक यूईएफए चैंपियंस लीग, दो फीफा क्लब वर्ल्ड कप, दो यूईएफए सुपर कप, एक ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और एक स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।



उस्मान ख्वाजा 'सबसे बड़े गद्दार'

सैंडपेपरगेट खुलासे के बाद पूर्व दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज का बयान

पर्थ । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा को खेल का 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। फैनी का यह बयान उस्मान ख्वाजा की नई किताब 'सब्र' में 2018 के बॉल-टैम्परिंग स्कैंडल के ज़िक्र और उसे लेकर हो रहे विवाद के बाद आया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में दावा किया है कि 2018 में केपटाउन में हुए सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। फैनी डिविलियर्स ने इस मामले के सामने आने के बाद उस्मान ख्वाजा पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। पर्थ स्थित एक एफएम चैनल से बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा, 'मैं ऑन रिकॉर्ड कहना चाहता हूं कि ख्वाजा शायद सबसे बड़ा गद्दार है, जिसे मैंने पिछले 40-50 वर्षों में खेल खेलते हुए देखा है। उसने हर एक कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ा है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। उसने अपने साथी खिलाड़ियों को बेच दिया है। यह सही या गलत के बारे में नहीं है। गलत को पहले ही हैंडल किया जा चुका है। यह पहले से ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का हिस्सा रहा है। दुख की बात है कि ऐसा हुआ। इस आदमी ने सब कुछ फिर से सामने ला दिया है।' डिविलियर्स ने कहा, 'ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक बार फिर बदनाम किया है। उसने दोस्ती तोड़ी है और टीम के अंदर जो कोड ऑफ कंडक्ट होता है, उसे भी तोड़ा है। उसने वह सब कुछ गलत किया है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है।'



ख्वाजा की किताब प्रकाशित होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के अलग-अलग बयानों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। पूर्व सलामी बल्लेबाज और उस टेस्ट का हिस्सा रहे डेविड वॉर्नर ने ख्वाजा के दावों का समर्थन किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ख्वाजा के दावों को बकवास करार दिया था। मिचेल स्टार्क ने भी इस मामले पर अपने पुराने बयान को ही दोहराया है, जिसमें ख्वाजा के दावों से सहमति नहीं जताई गई है।

इन सबके बीच उस विवाद का सबसे बड़ा चेहरा रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में छपे 4,497 शब्दों के एक लेख में कहा है कि यह झूठ है कि कमिंस और टीम को सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी नहीं थी। बैनक्रॉफ्ट का बयान आने के बाद कमिंस की मुश्किल बढ़ गई है। उन पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बढ़ गया है।

2018 में हुई इस घटना में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को आरोपी मानकर सजा दी गई थी। स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर 9 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।

'सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने में

कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं'

गौतम गंभीर और पृथ्वी शॉ के कोच का बयान



नई दिल्ली । गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन से मोहम्मद सिराज को बाहर रखने के पीछे धार्मिक एंगल के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि टीम का चयन पूरी तरह से क्रिकेट की जरूरतों और कॉम्बिनेशन पर आधारित था। आईएएनएस से बात करते हुए भारद्वाज ने कहा, 'यह आरोप बेबुनियाद है। इंडियन क्रिकेट टीम में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं है। हर कोई इंडियन है और देश का प्रतिनिधित्व करता है। गौतम गंभीर ने हमेशा मोहम्मद सिराज का समर्थन किया है। अगर सिराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं, तो यह पूरी तरह से टीम की जरूरतों की वजह से है। सिलेक्शन टीम के कॉम्बिनेशन, प्लेयर्स की पोजीशन और उनके परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। गंभीर किसी से निजी दुश्मनी नहीं रखते। उनकी प्राथमिकता सही कॉम्बिनेशन के साथ एक मजबूत टीम बनाना है। बीसीसीआई भी किसी भी हिंदू-मुस्लिम बंटवारे में न तो विश्वास करता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। ऐसे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।' क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के बचपन के कोच संतोष पिंगुलकर ने भी हिंदू-मुस्लिम एंगल को खारिज किया है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सिराज को टीम से बाहर रखने से जुड़ी जो चर्चा चल रही है, वो बेबुनियाद है। उन्हें वनडे में मौका दिया गया था। वह अभी भी टीम का हिस्सा हैं। उन्हें लेकर जो राजनीतिक बयान आ रहे हैं, वो गलत हैं। क्रिकेट में राजनीति की कोई जगह नहीं है।' दरअसल, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से वेलिंगटन में शुरू हुए टेस्ट मैच की भारतीय प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किए जाने पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने सिराज को टीम में जगह न मिलने का कारण उनका नाम बताया है। मसूद ने कहा, 'उनका नाम सिराज है-क्या यही वजह काफी नहीं है? अगर वह अच्छा कर रहा है और फिर भी उसे नहीं चुना जा रहा है, तो इसके पीछे और क्या वजह हो सकती है? सिर्फ यही वजह हो सकती है, इसके अलावा कोई और वजह नहीं हो सकती।' सिराज, जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकिल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्हें टीम से बाहर रखने की वजह से टीम की चयन रणनीति पर सवाल उठे हैं।

